● वर्ष-4
● अंक-22
रायपुर, मंगलवार
03 सितंबर 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

पेज-6›› मयूर पंख से होते हैं....

महतारी वंदन योजना की किश्त जारी

'विष्णु भैया संग तीजा-पोरा, महतारी वंदन तिहार' का भव्य आयोजन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के राजधानी रायपुर स्थित निवास में आज छत्तीसगढ़ का पारंपरिक त्योहार तीजा, पोरा धूमधाम से मनाया गया। 'विष्णु भैया संग तीजा-पोरा महतारी वंदन तिहार' के भव्य आयोजन में शामिल होने मुख्यमंत्री निवास में बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंची। तीजा-पोरा, महतारी वंदन तिहार के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेश की 70 लाख माता-बहनों के खाते में महतारी वंदन योजना की सातवीं किश्त के रूप में एक-एक हजार रूपए की राशि का भुगतान ऑनलाईन डीबीटी मोड के जरिए किया। महतारी वंदन योजना के तहत आज सातवीं किश्त में 70 लाख महिलाओं को 653 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया। इसे मिलाकर अब तक 4578 करोड़ रूपए की राशि का भुगतान किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ कर महिलाओं को पोषण माह की शपथ भी दिलाई। श्री साय ने मुख्यमंत्री निवास से सुपोषण रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया एवं राष्ट्रीय पोषण माह के पोस्टर का विमोचन भी किया। कार्यक्रम के आरंभ में मुख्यमंत्री श्री साय ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय के साथ भगवान शिव की पूजा अर्चना कर प्रदेश की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर मुख्यमंत्री निवास में तीजा मनाने आई माता, बहनों को तीजा की बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह बहुत खुशहाली का अवसर है। मेरे बुलावे पर प्रदेश के सभी जिलों से बहनें यहां आई हैं, मैं आप सभी का स्वागत करता हूं। तीजा में सुहागन महिलाएं निर्जला व्रत रखकर अपने पति की दीर्घायु जीवन की कामना लेकर शिव-पार्वती की पूजा करती हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा आज पोरा तिहार है, जो छत्तीसगढ़ की परम्परा में किसानों और पशु प्रेम को समर्पित है। इसके साथ ही तीन दिन बाद तीजा है, जो सुहागिनों के लिए सबसे बड़ा पर्व माना जाता है। पौराणिक ग्रंथों के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शंकर के लिए तीजा का कठिन व्रत किया था। आज हमने माता, बहनों को महतारी वंदन योजना की सातवीं किश्त जारी कर दी है। हम हर माह के पहले हफ्ते में महतारी वंदन योजना के अंतर्गत एक-एक हजार रूपए का अंतरण उनके खातों में करते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के रास्ते पर चलते हुए राज्य सरकार छत्तीसगढ़ के चंहुमुखी विकास के लिए कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने इस भव्य आयोजन के लिए महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े और उनकी पूरी टीम को बधाई दी।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने अपने उद्बोधन में कहा आज हमारे मुख्यमंत्री श्री विष्णु भैया ने त्यौता देकर हमें तीजा, पोरा मनाने अपने घर पर बुलाया है। तीजा, पोरा का त्यौहार छत्तीसगढ़ की परंपरा का त्यौहार है। पोरा के आते ही बहनें राह तकती रहती है कि भाई तीजा लिवाने कब आएंगे, बहनों के होठों पर मुस्कान और चेहरे पर चमक होती है। हमारे धर्म में मान्यता है कि यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता: इसी मान्यता का अनुसरण करते हुए हमारी सरकार महिलाओं को हर महीने महतारी वंदन योजना की राशि जारी कर रही है। वनमंत्री श्री केदार कश्यप ने भी अपना सम्बोधन दिया। श्री कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ के मुखिया ने आज हमें तीजा, पोरा के अवसर पर अपने घर आमंत्रित किया है। बड़े हर्ष का विषय है कि छत्तीसगढ़ में आज विष्णु की पालनहारी सरकार है जो सभी के हित में सोचती है। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने तीजा, पोरा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज हम सभी तीजा, पोरा मनाने अपने बड़े भैया के घर आए हैं।

बैडमिंटन में भारत को चार मैडल

नितेश कुमार को स्वर्ण पदक, सुहास ने दूसरी बार जीता पदक, मनीषा रामदास को रजत और थुलासिमाथी मुरुगेसन को कांस्य

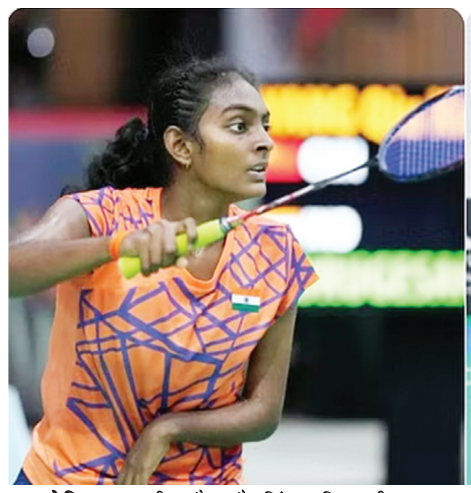

पेरिस। भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी सुहास एलवाई ने पेरिस पैरालंपिक में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। सुहास से पहले नितेश कुमार ने एसएल3 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था, जबकि थुलासिमाथी मुरुगेसन और मनीषा रामदास ने महिला एकल एसयू5 वर्ग में क्रमश: रजत और कांस्य पदक अपने नाम किए थे। भारत इस तरह पेरिस पैरालंपिक में अब तक 11 पदक जीत चुका है। वहीं, देश को बैडमिंटन में तीसरा पदक मिला है।

सुहास पुरुष एकल एसएल4 वर्ग के फाइनल में फ्रांस के लुकस माजुर से 9-21, 13-21 से हार गए। सुहास भले ही स्वर्ण पदक नहीं ला सके, लेकिन लगातार दूसरी बार पैरालंपिक में पदक जीतने में सफल रहे। सुहास ने टोक्यो पैरालंपिक में भी रजत पदक जीता था। भारत का पेरिस पैरालंपिक में यह कुल 12वां और बैडमिंटन में चौथा पदक है। भारतीय महिला बैडमिंटन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पेरिस पैरालंपिक में दो पदक दिलाए। थुलासिमाथी मुरुगेसन ने महिला एकल एसयू5 वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया, जबकि मनीषा रामदास ने इसी वर्ग में कांस्य पदक जीता। भारत इस तरह पेरिस पैरालंपिक में अब तक 11 पदक जीत चुका है। वहीं, देश को बैडमिंटन में तीसरा पदक मिला है। सबसे पहले मनीषा ने कांस्य पदक मुकाबले में डेनमार्क की कैथरीन रोसेनग्रेन को एकतरफा अंदाज में 21-12, 21-8 से हराया। मुरुगेसन का फाइनल में चीन की यांग क्यू जिया से सामना हुआ, जहां यह भारतीय खिलाड़ी अपनी प्रतिद्वंद्वी के सामने चुनौती पेश नहीं कर सकीं और उन्हें 17-21, 10-21 से हार का सामना कर रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

आंतरिक लोकतंत्र न अपनाने के नतीजे देख रहे कई दल -मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया। इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद हैं। कार्यक्रम में साथ ही हरदीप सिंह पुरी, पीयूष गोयल, अश्विनी वैष्णव, शिवराज सिंह चौहान समेत कई केंद्रीय मंत्री, नेता और कार्यकर्ता मौजूद हैं।

10 करोड़ का आंकड़ा पार करेगा सदस्यता अभियान- नड्डा

इस मौके पर नड्डा ने कहा, आपका जोश का देखकर, भारत की जनता का प्रधानमंत्री मोदी के प्रति प्यार और भाजपा के प्रति आस्था को देखकर मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि इस बार का सदस्यता अभियान भी 10 करोड़ का आंकड़ा पार करेगा। भाजपा प्रमुख ने कहा, हम सब जानते हैं कि प्रधानमंत्री देश के प्रधानसेवक होने के नाते 140 करोड़ देशवासियों का नेतृत्व करने के लिए प्रशासन की बारीकियों में दिन-रात व्यस्त रहते हैं। लेकिन उसके बावजूद भी हम सबके लिए वो आदर्श हैं। उन्होंने हमेशा इस बात को अपने आप में जिया है कि संगठन सर्वोपरि है और संगठन पहले है। संगठन को जब भी आवश्यकता पड़ी है, व्यस्त समय में भी वो पार्टी को आगे बढ़ाने की चिंता करते हैं।

उन्होंने कहा, जब अमित शाह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे, तो उस समय उन्होंने सदस्यता अभियान को प्राथमिकता दी थी। उन्होंने कहा था कि हम संगठन के रास्ते बदलेंगे, संगठन के तरीके बदलेंगे, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग जो कमल के निशान के साथ चलना चाहते हैं, उनका हम पार्टी में समावेश कर सकें।

वहीं, इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा, हमारी पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी तो है ही, साथ ही सभी राजनीतिक दलों में एक प्रकार से अनूठी पार्टी है। आज भारत के 1,500 से अधिक राजनीतिक दलों में कोई भी दल लोकतांत्रिक तरीके से विश्वास और खुलेपन के साथ हर 6 साल के बाद अपने सदस्यता अभियान को नहीं करता है। ऐसा केवल और केवल भाजपा ही करती है।卐 उन्होंने कहा, हमारी पार्टी में कार्यकर्ता महज सदस्यता का एक अंक नहीं, बल्कि हमारे यहां कार्यकर्ता एक जीवंत इकाई, विचारधारा का वाहक, कार्य-संस्कृति का पोषक है। वह हमारी सरकार और संगठन के बीच कड़ी का काम करते हैं, जो सरकार को हमेशा जनता के साथ जोड़कर रखते हैं।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, इस सच्चाई को आज कोई नकार नहीं सकता कि नेताओं की कथनी और करनी में अंतर होने के कारण भारत की राजनीति और भारत के नेताओं पर से जनता का भरोसा कम हुआ है। भारत की राजनीति में इससे पहले नेताओं की कथनी और करनी में जो विश्वास का संकट पैदा हुआ था.

प्रमुख समाचार

भाजपा करेगी झारखंड में हुई मौतों की जांच की मांग- हिमंत

रांची/गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री ने सोमवार को कहा कि झारखंड में आबकारी कांस्टेबल भर्ती के लिए शारीरिक परीक्षण के दौरान 15 अभ्यर्थियों की मौतें अत्यधिक गर्मी के कारण हुईं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) से इन मौतों की जांच की मांग करेगी। सरमा ने यह भी कहा कि राज्य सरकार को तुरंत 15 सितंबर तक शारीरिक परीक्षणों को रोक देना चाहिए। झारखंड पुलिस के मुताबिक अब तक 12 अभ्यर्थियों की मौत हुई है। जबकि राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने मृतकों की संख्या चार बताई है। सरमा ने कहा, भाजपा एनएचआरसी से इन मौतों की जांच की मांग करेगी। हेमंत सोरेन सरकार को मृतकों के परिवारों को 50 लाख रुपये और एक-एक नौकरी प्रदान करनी चाहिए। यदि वे ऐसा नहीं करते हैं, तो भाजपा राज्य में सत्ता में आने के बाद उनके परिवार के सदस्यों को नौकरी प्रदान करेगी। राज्य में इस साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। उन्होंने यह भी घोषणा की कि पार्टी प्रत्येक पीड़ित के परिवार को एक लाख-एक लाख रुपये देगी।

ओडिशा में बांग्लादेशी घुसपैठियों की होगी पहचान

भुवनेश्वर । ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने विधानसभा में कहा कि उनकी सरकार ने सभी जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करने का निर्देश दिया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक भास्कर मधेई के सवाल के लिखित उत्तर में माझी ने कहा कि विभिन्न स्थानों, विशेषकर केन्द्रपाड़ा जिले में, जहां कथित तौर पर अधिकांश अवैध प्रवासियों के रहने की बात कही गई है, में घुसपैठियों की पहचान करने के लिए तहसीलों, प्रखंडों और पुलिस थानों के अधिकारियों की समितियां गठित करने का निर्देश जारी किया गया है। विधानसभा में दिए गए एक अन्य बयान में मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2021 तक कुल 3,740 बांग्लादेशी घुसपैठिए राज्य में अवैध रूप से रह रहे थे। उन्होंने बताया कि इन अवैध घुसपैठियों में 1,649 केंद्रपाड़ा जिले में, 1,112 जगतसिंहपुर में, 655 मल्कानगिरी में, 199 भद्रक में, 106 नबरंगपुर में, 17 लोग खुर्दा जिले में और दो व्यक्ति बारगढ़ जिले में रहते हैं। माझी ने विधानसभा को बताया कि उन्हें वापस उनके देश भेजने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है।

वेणुगोपाल ने सौर घोटाला में आरोपों को खारिज किया

तिरुवनंतपुरम (केरल) । कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने उन आरोपों को खारिज कर दिया जिसमें कहा गया है कि एडीजीपी (कानून व्यवस्था) एम आर अजित कुमार ने उनके लिए सोलर घोटाले की जांच में हस्तक्षेप किया था। इस घोटाले ने केरल की पूर्ववर्ती ओमान चांडी सरकार को भी हिला दिया था। एडीजीपी कुमार पर सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा के विधायक पी वी अनवर ने कई अपराधों में संलिप्त रहने का आरोप लगाया है। सोलर घोटाले ने पूर्ववर्ती ओमान चांडी सरकार को झकझोर कर रख दिया था। अनवर द्वारा सोमवार को जारी किए गए कथित 'ऑडियो क्लिप' में से एक में एक व्यक्ति को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि एडीजीपी ने कांग्रेस नेता के खिलाफ शिकायतकर्ता के बयान को बदलने के लिए हस्तक्षेप किया था। संवाददाताओं के पूछे जाने पर वेणुगोपाल ने कहा कि इस मामले की केरल पुलिस और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने कई बार जांच की है और अभी यह मामला अदालत में है। उन्होंने दिल्ली में कहा, ''अगर सरकार के पास अब भी अधिक जानकारी है, तो उन्हें जांच करने दें।''

आरजी कर अस्पताल के पूर्व प्राचार्य संदीप घोष गिरफ्तार

कोलकाता। आखिरकार आरजी कर मेडिकल कॉलेज का पूर्व प्राचार्य को सीबीआई ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। 16 अगस्त से लगातार 15 दिनों तक संदीप को सीबीआई द्वारा पूछताछ का सामना करना पड़ा। पिछले शनिवार और रविवार को उनकी पूछताछ नहीं की गई थी, लेकिन सोमवार को उन्हें फिर से सीजीओ कॉम्प्लेक्स में तलब किया गया। शाम को सीबीआई के अधिकारी संदीप को वहां से निकालकर निजाम पैलेस ले गए। इसके बाद केंद्रीय जांच एजेंसी ने सूचित किया कि संदीप को गिरफ्तार कर लिया गया है। नौ अगस्त को आरजी कर मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर के साथ कथित दुष्कर्म और हत्या की घटना के बाद से तत्कालीन प्राचार्य संदीप की भूमिका पर सवाल उठने लगे थे। जांच का जिम्मा मिलने के बाद 15 अगस्त को सीबीआई ने उन्हें पहली बार तलब किया। उस दिन संदीप ने हाजिरी नहीं हुए। लेकिन अगले दिन सीबीआई ने उन्हें साल्ट लेक की सड़क से पकड़ लिया। संदीप को सीजीओ कॉम्प्लेक्स के सीबीआई दफ्तर ले गए।

केजरीवाल और आतिशी को हाई कोर्ट से झटका

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम कथित तौर पर हटाने पर उनकी टिप्पणियों पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आतिशी, सुशील कुमार गुप्ता और मनोज कुमार सहित आम आदमी पार्टी के अन्य सदस्यों के खिलाफ मानहानि की कार्यवाही को रद्द करने से इनकार कर दिया। सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने कहा कि दिल्ली में मतदाता सूची से कथित तौर पर नाम हटाने पर उनकी टिप्पणी %प्रथम दृष्टया मानहानिकारक% है। ये टिप्पणियाँ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बदनाम करने के इरादे से की गई थीं, और यह बदनाम करने के लिए कि नामों को हटाने के लिए भाजपा जिम्मेदार है। न्यायमूर्ति अनूप कुमार मेंदीरत्ता की पीठ ने आप नेताओं के इस बचाव को भी खारिज कर दिया कि उनकी टिप्पणियाँ सच्चाईपूर्ण थीं और सार्वजनिक भलाई के लिए की गई थीं, यह कहते हुए कि मुकदमे के दौरान इसे साबित करने की आवश्यकता है। उच्च न्यायालय ने पाया कि मतदाता सूची के संबंध में टिप्पणियाँ आप नेताओं द्वारा राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए की गई थीं.

बिना संस्कार नहीं सहकार। बिना सहकार नहीं उद्धार।।

सहकारिता से जनकल्याण संभव होगा

केदार कश्यप

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, इसलिए सहकार तो उसके मूल्य में है लेकिन जब आर्थिक गतिविधियों की बात होती है तब मनुष्य स्वार्थी हो जाता है। जिनके पास पूंजी है वह तो पूंजी से पूंजी कमाकर आर्थिक दृष्टि से सक्षम हो जाता है किंतु जिसके पास पूंजी नहीं है वह क्या करे? ऐसे में सहकार से उद्धार का भाव ही सही प्रतीत होता है।

छत्तीसगढ़ के बारे में कहा जाता है, इस अमीर धरती पर गरीब लोग रहते हैं। यह बात सही नहीं है, इस प्रदेश के लोग ऋषि और कृषि संस्कृति को मानने वाले हैं, प्रकृतिवादी हैं इसलिए जो प्रकृति से जीवनयापन के लिए मिल जाए संतुष्ट हो जाते हैं। लेकिन छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण के पीछे तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई जी का सपना था कि यह क्षेत्र आर्थिक दृष्टि से भी प्रगति करे। राज्य में 15 साल की भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने चहुंओर विकास की यात्रा प्रारंभ की थी, जिसे विष्णुदेव साय की सरकार आगे बढ़ा रही है। केंद्र में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार का लक्ष्य वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र की श्रेणी में स्थापित करना है। ऐसे में छत्तीसगढ़ राज्य उस महान यात्रा में कैसे पीछे रह सकती है। हाल में प्रदेश में सहकारिता को आधार बनाकर विकास की गति को बढ़ाने के लिए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने बैठक कर एक कार्ययोजना बनाई है।

छत्तीसगढ़ में 70 प्रतिशत लोग कृषि और वनों से अपनी आजीविका प्राप्त करते हैं। प्रदेश में किसानों की संख्या का 70 प्रतिशत सीमांत और छोटे किसान हैं जिनके पास औसत एक एकड़ की खेतिहर भूमि है। इसलिए केवल खेती करके किसान अपनी आर्थिक स्थिति में बड़ा बदलाव नहीं ला सकता। भाजपा की सरकार में किसानों को सहकारी बैंकों के माध्यम से शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण की सुविधा दी है। धान के उत्पादन को न्यूनतन समर्थन मूल्य पर सहकारी समितियों ''पैक्स'' के माध्यम से खरीद रही है। दुग्ध और मत्स्य पालन के क्षेत्र में भी सहकारिता के जरिए किसानों और गरीबों की आर्थिक समृद्धि के प्रयास किए जा रहे हैं। लेकिन अब सहकारिता के माध्यम से मैदानी क्षेत्र के साथ वन क्षेत्र में रहने वाले अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों को भी सहकारिता से जोड़कर उनको आर्थिक रूप से सक्षम बनाने की कार्ययोजना बनाई जा रही है।

अभी प्रदेश में कुल 2058 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियां पैक्स कार्यरत हैं, अब प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर बहुआयामी पैक्स / दुग्ध/ मत्स्य सहकारी समिति का गठन दो वर्ष के भीतर सुनिश्चित किया जाएगा। भारत सरकार की जनजाति कल्याण विभाग के साथ समन्वय करते हुये राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड और छत्तीसगढ सरकार के साथ एमओयू किया जाएगा जिसके बाद प्रदेशवासी विशेषकर

अनुसूचित जनजाति के लोगों को दुग्ध सहकारिता से जोड़ने की पहल की जा रही है। उनकी आर्थिक समृद्धि के लिये दुधारु पशु यथा- गाय/भैंस पालन के लिए उन्हें प्रेरित और प्रोत्साहित किया जाएगा। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के माध्यम से ऋण सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी, ताकि आगामी पांच वर्षों में दुग्ध सहकारी समितियों के माध्यम से लाभ अर्जित कर आठ से दस पशुधन के मालिक बन सके एवं उस परिवार को आजीवन इसका लाभ मिलता रहे।

इस प्रकार प्रदेश में दुग्ध उत्पादन में वृद्धि होगी, इस दूध को सहकारी संघ के माध्यम से दुग्ध के विभिन्न उत्पादों का निर्माण किया जा सकेगा। गुजरात में 1960 के दशक में अमूल नामक एक सहकारी आंदोलन छोटे से गांव आणंद में शुरू हुआ, आज वह आंदोलन दुग्ध उत्पाद में वैश्विक ब्रांड बन गया है जिसका वार्षिक टर्नओवर 60 हजार करोड़ रुपए को पार कर गया है। छत्तीसगढ़ में इसी मॉडल पर काम शुरू किया जायेगा। कृषकों द्वारा उत्पादित दुग्ध के लिये पर्याप्त प्रशीतक केन्द्र एवं प्रक्रिया इकाईयां स्थापित की जाएंगी।

सहकारिता के माध्यम से अर्थव्यवस्था के विकास तथा इसका लाभ आमजन तक पंहुचाने कृषि, पशुपालन, मत्स्य, जनजाति विभाग के परस्पर समन्वय हेतु संबंधित विभाग के मंत्रियों तथा सचिवों की पृथक कमेटी बनाई जाएगी। प्रदेश में वर्तमान में केवल छः जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक संचालित हैं, सहकारिता के विस्तार और पैक्स की संख्या सभी जिलों तक बढ़ेगी तब जिला सहकारी बैंकों की संख्या भी बढ़ानी होगी। इसके साथ ही सहकारी बैंकों को तकनीकी दृष्टि से सक्षम बनाया जायेगा। राज्य के सभी 6 जिला सहकारी केन्द्रीय बैंको की संबंद्धता सीजीटीएमएसई से सुनिश्चित करते हुये इंटरनेट बैंकिग सहित ई-बैंकिग सुविधाओं तथा आधार इनेब्लड पेमेंट सिस्टम सुनिश्चित किए जाएंगे ।

सहकारिता के अन्य आयामों जैसे जैविक कृषि, बीज उत्पादन, मत्स्य आदि को मजबूत कर छत्तीसगढ़ में सहकारिता आंदोलन को गति दी जाएगी। छत्तीसगढ़ वन, खनिज, भूमि संसाधन के साथ परिश्रमी जनसंसाधन भी है। सहकार की भावना से जब कार्य प्रारंभ होंगे तभी जनता का आर्थिक उद्धार का मार्ग प्रशस्त होगा।

पास्टर और ग्रामीणों के बीच विवाद प्रार्थना सभा के नाम पर तनाव

शांति भंग करने के आरोप में पास्टर को भेजा गया जेल

बालोद। बालोद जिले के अर्जुंदा नगर के पास स्थित ग्राम मनकी में रविवार को एक प्रार्थना सभा के दौरान तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई, जब एक पास्टर और ग्रामीणों के बीच विवाद हो गया। यह विवाद तब बढ़ा जब पास्टर ने ग्रामीणों से गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। शांति भंग करने के आरोप में पास्टर को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस घटना ने ग्रामीणों को आक्रोशित कर दिया, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए आरोपी पास्टर को गिरफ्तार कर लिया और उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया ग्राम मनकी में कोटवार के घर पर प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया था। इस सभा में पास्टर राकेश निर्मलकर, जो कई हफ्तों से मनकी और आसपास के क्षेत्रों में सक्रिय था, पहुंचा। यह व्यक्ति पिछले कुछ समय से ग्रामीणों को प्रार्थना सभा के लिए एकत्रित कर रहा था, जिससे गांव के कुछ लोगों में असंतोष पनप रहा था। रविवार को आयोजित इस सभा के दौरान, पास्टर और ग्रामीणों के बीच वाद-विवाद हो गया। स्थिति तब बिगड़ी जब पास्टर ने ग्रामीणों से गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने इस पर विरोध जताते हुए तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पास्टर राकेश निर्मलकर को गिरफ्तार कर लिया और उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। इस घटना के बाद, भाजपा महामंत्री विश्वास गुप्ता, पार्षद नीलेश्वर ठाकुर, और अन्य कार्यकर्ता ग्राम मनकी पहुंचे। उन्होंने इस घटना का कड़ा विरोध किया और आरोप लगाया कि पास्टर ग्रामीणों की शांति भंग कर रहा है। ग्रामीणों ने भी कोटवार और उनके परिवार के साथ-साथ पास्टर राकेश पर गांव की शांति व्यवस्था को बिगाड़ने का आरोप लगाया। अर्जुंदा थाना प्रभारी मनीष शेन्डे ने बताया कि इस घटना की सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पास्टर राकेश निर्मलकर के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के तहत धारा 170 के तहत कार्रवाई की गई है, जिसे शांति भंग करने का आरोप लगाते हुए गिरफ्तार किया गया है।

त्यौहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए कवर्धा पुलिस ने ली बैठक

कवर्धा। त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए कवर्धा जिले में शांति और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने क्षेत्रों के डीजे धुमाल संचालकों के साथ बैठक कर दिशा-निर्देश जारी करें।

इसी के तहत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विकास कुमार और पुष्पेन्द्र बघेल के मार्गदर्शन में, यातायात प्रभारी प्रवीण खलखो ने सोमवार को थाना कवर्धा क्षेत्र के डीजे संचालकों के साथ एक बैठक आयोजित की।

बैठक में खलखो ने डीजे संचालकों को सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की जानकारी दी और उन्हें नियमों का पालन करने की सलाह दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि डीजे संचालन के दौरान किसी भी समुदाय की भावनाओं को आहत करने वाले गाने नहीं बजाए जाएं। साथ ही, उच्च न्यायालय की गाइडलाइंस के अनुसार, रात 10 बजे के बाद डीजे धुमाल बजाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा, और ऐसा पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

खलखो ने कहा कि डीजे धुमाल को निर्धारित मापदंडों के अनुसार ही बजाया जाए, और यदि तेज आवाज में बजाते हुए पाया गया, तो भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि साइलेंट जोन, अस्पताल, स्कूल, मंदिर, और सरकारी कार्यालयों के आसपास डीजे संचालन प्रतिबंधित रहेगा। अगर कोई आयोजक जबरदस्ती डीजे बजाने के लिए मजबूर करता है, तो इसकी सूचना पुलिस को दी जानी चाहिए ताकि आवश्यक कार्रवाई की जा सके। इसके अलावा, वाहन चालकों को शराब पीकर गाड़ी ना चलाने और संकरी जगहों पर वाहन ना ले जाने की सख्त हिदायत दी गई है।

जगदलपुर में फैली बीमारी, कोलावल बालिका आश्रम में 10 बच्चे हुए बीमार

जगदलपुर। बस्तर जिले के बकावंड ब्लाक के कोलावल गांव में स्थित बालिका आश्रम में अचानक से दो दिन पहले फैली बीमारी ने वहां पढ़ रहे बच्चों के स्वास्थ्य पर बुरा असर डाला है। जिससे कि वहां के करीब आठ से 10 बच्चे बीमार हो गए हैं। घायलों को उपचार के लिए आयुष केंद्र ले जाया गया। जहां सामान्य बीमारी समझ उपचार के बाद वापस आश्रम ले गए। लेकिन रविवार को ज्यादा स्वास्थ्य खराब होने के कारण उन्हें सीएचसी ले जाया गया। लेकिन उससे पहले ही एक बच्ची ने दम तोड़ दिया, जिसके बाद आश्रम में अफरा-तफरी मच गई और बीमार बच्चों को बेहतर उपचार के लिए 108 एम्बुलेंस के माध्यम से सीएचसी बकावंड लाया गया। जहां से उन्हें 108 वाहन के माध्यम से ही जगदलपुर अस्पताल भेज दिया गया।

मामले की जानकारी देते हुए एसी ट्राइबल गणेश सोरी ने बताया कि कोलावल स्थित बालिका आश्रम में पढ़ने वाले बच्चों को दो दिन पहले से तेज बुखार व सिर में दर्द होने की शिकायत करने लगे। जिसके बाद आश्रम की अधीक्षिका ने उन बच्चों को गांव के ही आयुष केंद्र में डॉक्टर दास से उपचार के लिए भेजा गया। उपचार के बाद बच्चों को सामान्य बीमारी बताते हुए उन्हें दवा देकर वापस आश्रम भेज दिया गया। लेकिन रविवार की शाम से अचानक से आठ से 10 बच्चे बीमार हो गए।

इस बीमारी की चपेट में आने से पाथरी गांव की एक 10 वर्षीय बच्ची की मौत भी हो गई। घटना की जानकारी लगते ही आला अधिकारियों की टीम गांव पहुंची और बीमार सभी बच्चों को सीएचसी बकावंड लाया गया, जहां बीमार सभी बच्चों का मलेरिया से लेकर डेंगू टेस्ट भी करवाया गया। लेकिन रिपोर्ट नॉर्मल आने के बाद बच्चों का अन्य टेस्ट कराए जाने की बात और बच्चों की खराब हालत को देखते हुए उन्हें जगदलपुर से 108 की वाहनों में बेहतर उपचार के लिए रवाना किया गया है। इस मामले में आश्रम अधीक्षिका दुलारी ने बताया कि यहां पर पहली से पांचवी तक के करीब 50 बच्चे पढ़ाई करते हैं।

बताया जा रहा है कि बीमार बच्चों को पहले पीएचसी कोलावल लाया गया, जहाँ से उन्हें बेहतर उपचार के लिए जगदलपुर भेज दिया गया, ऐसे बच्चों में मनीषा कश्यप 6 साल, संतोषी कश्यप 10 साल, संगीता 9 साल, फलिता 8 साल, संध्या बघेल 7 साल, दीपिका 8 वर्ष, अनिता कश्यप 8 वर्ष, ललिता नेताम 8 वर्ष, हेमवति कश्यप 10 वर्ष, मनमती नेताम 8 वर्ष शामिल है।

90 पौव्वा शराब के साथ पकड़ाया रिकार्डधारी आरोपी

अदालती आदेश पर जेल दाखिल

रायपुर। बीते शनिवार को ग्रामीणों के एक प्रतिनिधि मंडल द्वारा मंदिर हसौद थाना प्रभारी सचिन सिंह से मुलाकात कर ग्राम टेकारी में चल रहे असामाजिक गतिविधियों की ओर ध्यानाकृष्ट कराये जाने के बाद सक्रिय हुये? पुलिस अमला ने ग्राम के ही पुलिसिया रिकार्डधारी 18 वर्षीय अंकलेश्वर आत्मज संतोष वर्मा को शराब ले जाते रास्ते में 90 पौव्वा के साथ रंगे हाथ पकड़ लिया। शराब को जप्त कर मात्रा 5 लिटर से अधिक होने के कारण आबकारी अधिनियम की धारा 34 (2) के गैरजमानतीय अपराध के आरोप में उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया । अदालती आदेश पर उसे आज जेल दाखिल कर दिया गया है।

ज्ञातव्य हो कि ग्राम के गोठान के चारदीवारी को तोड़ मवेशियों को खदेड़ने व इनके द्वारा फसल को नुकसान पहुंचाने से आक्रोशित ग्रामीणों का एक प्रतिनिधि मंडल ने श्री सिंह से मुलाकात कर लिप्त अज्ञात तत्वों का पतासाजी कर कार्यवाही करने व साथ ही ग्राम में चल रहे असामाजिक गतिविधियों की ओर ध्यानाकृष्ट कर इससे निजात दिलाने का आग्रह किया था। उनके निर्देश पर सक्रिय अमला ने मुखबिरों को सक्रिय किया। बीते शनिवार को ही पेट्रोलिंग पर प्रधान आरक्षक ऐश्वर्य मार्कंडेय के साथ निकले आरक्षकद्वय दिनेश झा व निहाली साहू की टीम को सूचना मिली कि आरोपी दरबा रोड पर छतौना चौक के पास शराब ले साधन का इंतजार करते खड़ा है। पुलिस पार्टी को देख आरोपी भागने का प्रयास किया जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। तलाशी पर बोरी में रखे शराब की 90 पौव्वा मिला । नाबालिग रहने के दौरान इसके द्वारा किये गये आपराधिक कृत्य व हाल ही में बालिग होने के बाद चाकू के साथ पकड़ाये जाने का अपराध थाने में दर्ज है ।

कांकेर में शांति, बीएसएफ के शिविर स्कूल में तब्दील

बदलने लगी नक्सल प्रभावित इलाके की तस्वीर

,कांकेर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित इलाकों की तस्वीर बदलने लगी है। कांकेर जिले में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के दो खाली शिविरों को बच्चों के लिए स्कूल और छात्रावास में बदल दिया गया। अंतागढ़ क्षेत्र के बोंडानार और कधई खोदरा गांवों में स्थित शिविर पहले बीएसएफ के कंपनी संचालन बेस थे। नक्सलवाद पर अंकुश के लिए तैनात सुरक्षा बलों ने यहां हालात बेहतर होने के बाद अपनी गतिविधियां अब आगे के क्षेत्र में केंद्रित कर ली हैं।

अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आगे बढ़ते हुए बोंडानार शिविर को रावघाट क्षेत्र के पादर गांव में स्थानांतरित कर दिया। वहीं, कधई खोदरा शिविर को पड़ोसी नारायणपुर जिले के जंगलों में स्थानांतरित कर दिया गया है। 2010 में स्थापित बोडानार शिविर को पिछले साल फरवरी में स्थानांतरित किया गया, जबकि कधई खोदरा शिविर की स्थापना 2015 में हुई थी, जिसे इस साल फरवरी में स्थानांतरित किया गया।

अंतागढ़ के अतिरिक्त कलेक्टर बीएस उइके ने बताया, कधई खोदरा गांव वाले शिविर को मौजूदा शैक्षणिक सत्र से सरकारी

हाईस्कूल के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा, जबकि दूसरे को पिछले साल ही लड़कों के लिए प्री-मैट्रिक छात्रावास बना दिया गया था। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (अंतागढ़) जयप्रकाश बरहाई ने कहा कि दो शिविरों का स्थानांतरण सुरक्षाकर्मियों की ओर से मौजूदा प्रतिष्ठानों के आसपास के क्षेत्रों में अपनी पकड़ मजबूत किए जाने का नतीजा है। कधई खोदरा स्कूल में 33 विद्यार्थी नौवीं और 10वीं कक्षा में पढ़ते हैं, जिसमें 16 लड़कियां हैं। वहीं, बोंडानार छात्रावास में छठी से 12वीं कक्षा तक के कुल 75 लड़के रहते हैं। उइके ने बताया कि दोनों शिविरों में बच्चों के लिए खेल का मैदान, पेयजल, शौचालय और अन्य सुविधाएं उपलब्ध हैं। बरहाई ने कहा, नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई जीतने के लिए धीरे-धीरे और अधिक शिविरों को आंतरिक इलाकों में स्थानांतरित किया जाएगा।

बस्तर के दंतेवाड़ा में दिन दहाड़े 6 महीने के बच्चे का अपहरण

बाइक पर आए थे किडनैपर्स

दंतेवाड़ा। बस्तर में बाइक सवार बदमाशों ने एक 6 महीने के बच्चे को अगवा कर लिया है। दिन दहाड़े किडनैपिंग की इस वारदात से इलाके में हड़कंप है। लोगों में इस घटना को लेकर काफी गुस्सा है। 6 महीने के बच्चे की किडनैपिंग से पुलिस भी हैरान है।

बच्चे को अगवा करने वाले बदमाश बाइक पर आए थे। दोनों बाइक सवार हेलमेट पहने हुए थे। बच्चा घर में खेल रहा था तभी दोनों बाइक सवार आए। वे घर में घुसे और बच्चे को किडनैप कर फरार हो गए। अपहरणकर्ता दोनों युवक में से एक युवक ने हरे रंग की टी शर्ट और काले रंग की पैंट पहनी थी। पुलिस परिवार वालों के बताए गई सूचना के आधार पर बाइक सवार किडनैपर्स की तलाश में जुट गई है।

गांव वालों और परिजनों ने पुलिस को इस घटना की सूचना दी है। गांव वालों ने बताया कि बच्चा घर में खेल रहा था। उस दौरान दो अज्ञात व्यक्ति हेलमेट पहने आए और बच्चे को घर से उठाकर बाइक से ले गए। काले रंग की मोटरसाइकिल से बच्चे का अपहरण हुआ है। गांव वालों ने बताया है कि दोनों अपहरणकर्ता मेंडोली से कांवड़गांव की तरफ निकले हैं।

एसपी गौरव राय ने कहा घटना की सूचना मिलते ही तत्काल टीम गठित कर जिले के चारों ओर टीम को रवाना किया गया है। कावड़गांव में एक महिला ने बाइक पर दो व्यक्तियों और रो रहे बच्चे को देखा है। महिला से पूछताछ की जा रही है। जैसे ही फीडबैक मिलेगा जल्द से जल्द दोनों व्यक्तियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

दंतेवाड़ा में हुई इस वारदात से लोगों में गुस्सा है। मेंडोली इलाके में लोगों में डर भी है। पुलिस अब इस केस का पता लगा रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द अपहरणकर्ताओं को पकड़ लिया जाएगा।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

पुलिस कस्टडी से हथकड़ी समेत दो चोर फरार

जशपुर। कांसाबेल पुलिस की कस्टडी से दो चोर हथकड़ी समेत फरार हो गया। इस मामले में एसपी शशिमोहन सिंह ने लापरवाही बरतने वाले एएसआई राजेश यादव एवं आरक्षक अशोक एक्का को निलंबित कर दिया है। वहीं एक प्रधान आरक्षक और नगर सैनिक को लाइन अटैच किया गया है। जिले के कांसाबेल पुलिस ने चोरी करने के आरोप में 3 लोगों को कल शाम गिरफ्तार किया था। चोरी का सामान बरामद करने के लिए तीनों चोरों को पत्थलगांव थाना क्षेत्र के ग्राम सरईटोला लेकर जा रही थी, तभी करौंदा जंगल के पास दो चोर मौका देखकर फरार हो गया। वहीं फरार एक चोर के हाथ में हथकड़ी लगा हुआ था। जशपुर पुलिस की टीम रातभर चोरों की खोजबीन में जुटी रही, लेकिन चोर पुलिस के हाथ नहीं लगे। इसके बाद आज जशपुर पुलिस अधिक्षक शशिमोहन सिंह ने लापरवाही बरतने वाले एएसआई राजेश यादव एवं आरक्षक अशोक एक्का को निलंबित कर दिया है। वहीं प्रधान आरक्षक और एक नगर सैनिक को लाइन अटैच किया गया है।

कलेक्टर ने उल्लास साक्षरता रथ को झंडी दिखाकर किया रवाना

गौरेला पेंड्रा मरवाही। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत जन जागरूकता फैलाने और समाज के सभी वर्गों में शिक्षा का प्रचार-प्रसार करने के उद्देश्य से उल्लास साक्षरता रथ को कलेक्टर सह अध्यक्ष जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण श्रीमती लीना कमलेश मंडावी ने आज हरी झंडी दिखाकर कलेक्ट्रेट परिसर से रवाना किया। नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के माध्यम से बुनियादी साक्षरता, महत्वपूर्ण जीवन कौशल, व्यवसायिक कौशल एवं सतत् शिक्षा पर केन्द्रित यह रथ जिले में घुम-घुम कर जन समुदाय को साक्षरता के लिए जागरूक करेगा। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर सुश्री ऋचा चन्द्राकर, जिला शिक्षा अधिकारी जे के शास्त्री, जिला महिला एवं बालविकास अधिकारी अतुल परिहार, साक्षरता कार्यक्रम के जिला नोडल मुकेश कोरी, सहायक जिला परियोजना अधिकारी लखन लाल जाटवर सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत 1 से 8 सितम्बर तक साक्षरता सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है।

कृषि विभाग द्वारा किया गया चिन्हांकित ग्रामों का दौरा

एमसीबी। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार कृषि विभाग द्वारा (पीएम-जनमन) प्रधानमंत्री जनजातीय न्याय महाअभियान के तहत् विगत 01 सितम्बर 2024 को जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के ग्राम नौढ़िया बडवाही तथा देवगढ़ का चिन्हाकंन किया गया है। इसी तारतम्य में ग्राम देवगढ़ विकासखंड भरतपुर में (पीवीजीटी) विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह परिवार के सेचुरेशन के संबंध में कृषि विभाग और पशुपालन विभाग के जिला अधिकारी और विकास खंड के अधिकारी कर्मचारी के द्वारा क्षेत्र भ्रमण का दौरा कर जानकारी एकत्र किया जा रहा है। जिससे संबंधित ग्रामों का समय पर कार्यों को परिपूर्ण किया जा सके। ग्राम नौढ़िया बडवाही तथा देवगढ़, विकासखंड भरतपुर में (पीवीजीटी) विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह परिवार के सेचुरेशन के संबंध में कृषि और पशुपालन विभाग के जिला अधिकारियों और विकास खंड के अधिकारियों ने फील्ड विजिट किया। इस दौरे का उद्देश्य कमजोर जनजातीय समूह परिवार के जीवन स्तर में सुधार करना था।

बीजापुर जिले में निकाली गई साक्षरता रैली

बीजापुर। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत बीजापुर जिले में साक्षरता रैली का आयोजन हुआ। जिला कार्यालय परिसर में नवपदस्थ कलेक्टर संबित मिश्रा ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया एवं लोगो को शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़ने का संदेश दिया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति एनईपी 2020 द्वारा अनुशंसित समाज में सभी के लिए शिक्षा पर केन्द्र प्रायोजित योजना उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम लागू किया गया है। इस योजना के पांच घटक अर्थात बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक, महत्वपूर्ण जीवन कौशल, बुनियादी शिक्षा, व्यावसायिक कौशल एवं सतत शिक्षा है। उक्त कार्यक्रम के प्रति जनमानस का ध्यान आकर्षित करने व सभी वर्गों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए 1 से 8 सितम्बर 2024 तक देशव्यापी साक्षरता सप्ताह का आयोजन करने का निर्णय लिया गया है। जिसका समापन 8 सितम्बर 2024 को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस आईएलडी के रूप में होगा। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम सप्ताह भर चलने वाले साक्षरता अभियान की गतिविधियों की एक श्रृंखला होगी।

सिविक सेंटर में सरकार के खिलाफ युवाओं ने खोला मोर्चा

भिलाई। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव के समर्थन में युवा कांग्रेस ने मशाल रैली निकाली। विधायक के गिरफ्तारी के बाद प्रदेश भर में भाजपा सरकार के खिलाफ आंदोलन चल रहे है। सिविक सेंटर में आयोजित मसाल रैली में युवा कांग्रेस एनएसयूआई के कार्यकर्ता व पदाधिकारी शामिल हुए। हाथ में मशाल लेकर नारेबाजी करते हुए सिविक सेंटर पहुंचे। जहां सभी ने घंटो तक नारेबाजी की और भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव के समर्थन में आवाज़ उठाई। कांग्रेसियों का कहना है कि प्रदेश की भाजपा सरकार अपनी नाकामी को छुपाने के लिए गलत के साथ दे रही है और सच को दबाने की कोशिश में लगी हुई है। अपनी झूठी शान के लिए भाजपा सरकार ने अंग्रेजो की तरह बलौदा बाजार मामले में निर्दोष मासूम सतनामी समाज के लोगों के साथ बड़ा बुरा बर्ताव और घिनौनी हरकत की है। प्रदेश में न्याय व्यवस्था बनाने के लिए एक नई क्रांति लाने वाले और मासूम निर्दोष लोगों की आवाज बनने वाले विधायक देवेंद्र यादव को भी जेल में बंद कर दिया है।

जिले के शा. पूर्व माध्यमिक विद्यालय में छात्रों ने जड़ा ताला

दो शिक्षकों को हटाने की मांग, तीन घंटे तक किया धरना प्रदर्शन, बीईओ और तहसीलदार मौके पर पहुंचे

जांजगीर चांपा। जांजगीर चांपा जिले के बलौदा विकास खंड के ग्राम मड़वा में संचालित शा.पूर्व माध्यमिक विद्यालय में दो शिक्षक को हटाने की मांग को लेकर छात्र छात्राओं ने स्कूल के मेन गेट में ताला बंद कर तीन घंटे तक धरना प्रदर्शन किया। सूचना मिलने पर बीईओ और तहसीलदार मौके पर पहुंचे।

मिली जानकारी के मुताबिक शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय में 5 शिक्षक हैं। दो शिक्षक जोकि लकवा से ग्रसित है। जिसमे सुरेश दुबे बोल नही पा रहे और संतोष दास मानिकपुरी का हाथ से लिख नही पाते है। छात्र छात्राओं की पढ़ाई नही हो पा रही है। छात्र छात्राओं ने पढ़ाई में हो रही समस्या को लेकर दो माह पूर्व बीईओ

को लिखित में शिकायत किया गया था। बीईओ ने जांच पर सही होने पर भी अतरिक्त शिक्षक नही भेजा गया था। जिससे नाराज होकर छात्र छात्राओं ने स्कूल के गेट पर सुबह 9 बजे से ताला बंद कर दिया और स्कूल के सामने ही धरने पर बैठ गए।

सूचना मिलने पर बलौदा बीईओ श्याम रत्न खांडे और जांजगीर तहसीलदार राज कुमार मरावी भी पहुंचे, जहां छात्र छात्राओं की समस्याओं को सुना। उन्होंने छात्र छात्राओं को आश्वासन दिया की पढाई में किसी भी प्रकार का बाधा उत्पन्न नहीं हो इसके लिए एक अतरिक्त शिक्षक भेजने की बात कही। वही लकवा से ग्रसित दोनो शिक्षक को मेडिकल में भेजने की बात कही है। जिसके बाद छात्र छात्राओं ने स्कूल के गेट का ताला खोलकर धरना प्रदर्शन को खत्म किया।

कक्षा 8वीं की छात्रा ने कहा की सुरेश दुबे और संतोष दास मानिकपुरी पढ़ा नहीं पाते है। हम प्रश्न पूछते है तो हमें नहीं बता पाते है हमे पुस्तक से खुद से खोजना पड़ता है और नही मिलने पर गाइड से लेने की बात करते है। वहीं गुटका खाते हुए कक्षा में आते है जिससे गुटका की बदबू और थूक भी कई बार फेस में लग चुका है।

वीडियो वायरल होने के बाद जागा वन विभाग

बेमेतरा में बंदरों की हत्या, अफसरों की उड़ी नींद

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में बंदरों की हत्या का मामला सामने आया है। यह मामला थानखम्हरिया तहसील क्षेत्र के ग्राम बेलगांव का है। इस गांव में बंदरों के शव के अवशेष मिले हैं। ग्रामीणों के अनुसार इनकी संख्या 10 से अधिक है। दरअसल, कुछ दिन पहले इस गांव का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसकी जानकारी जिला प्रशासन व वन विभाग को मिली है। ऐसे में वन विभाग की टीम ने गांव का निरीक्षण किया।

बेमेतरा जिले में वन विभाग का कार्यालय नहीं है। बेमेतरा जिला दुर्ग वन विभाग के अधीन आता है। ऐसे में दुर्ग के वन विभाग के डीएफओ चंद्रशेखर शंकर सिंह परदेशी मौके पर पहुंचे थे। ग्राम कोटवार व ग्रामीणों से पूछताछ की गई। स्थल निरीक्षण के दौरान, चार बंदरों के अवशेष पाए गए। मौके पर पंचनामा कर पशु चिकित्सक से शव परीक्षण कराया गया। इस मामले में वन प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 9 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया। यहां काले मुंह वाले बंदरों की हत्या की गई है।

बंदर की हत्या का मामला 25 अगस्त को कबीरधाम जिले में भी सामने आया था। इस मामले में वन विभाग ने आरोपी को गिरफ्तार किया था। यह मामला ग्राम राजानवागांव के कंवट पारा का था, जहां आरोपी महेश सोनी द्वारा बंदर को मारना स्वीकार किया था। इस मामले में आरोपी के खिलाफ वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत वन अपराध दर्ज किया है। घर की तलाशी लेने पर तीन नग एयरगन व 26 नग छर्रा प्राप्त हुआ था। बता दे कि ग्रामीण अंचल में वर्तमान में फसल तैयार हो रहे है। इसी फसल को बंदर नुकसान पहुंचाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

सरगुजा की शशि सिंह बनेंगी यूथ कांग्रेस की अध्यक्ष!, रेस में 8 नेता

रायपुर। लोकसभा चुनाव 2024 में छत्तीसगढ़ की सरगुजा लोकसभा सीट से चिंतामणि महाराज के खिलाफ चुनाव लड़ने वाली शशि सिंह राष्ट्रीय युवा कांग्रेस की अध्यक्ष बनाई जा सकती है। यदि ऐसा हुआ था उनका छत्तीसगढ़ कांग्रेस में कद बढ़ जायेगा। सियासी गलियारे में इस बात की चर्चा है कि शशि सिंह समेत आठ कांग्रेस नेता इस इस पद के दौड़ में शामिल हैं। जिनका इंटरव्यू राहुल गांधी लेंगे। बताया जाता है कि राहुल गांधी सभी 8 कांग्रेस नेताओं से से वन-टू-वन चर्चा करने के बाद नाम तय करेंगे। शशि के अलावा हरियाणा यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष दिव्यांशु बुद्धिराजा, राजस्थान के विधायक अभिमन्यु पूनिया और बिहार यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीबदास का राहुल गांधी इंटरव्यू लेंगे। शशि सिंह छत्तीसगढ़ से एकमात्र आदिवासी नेत्री हैं, जो यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष की रेस में शामिल हैं। उनके पिता दिवगंत नेता तुलेश्वर सिंह अजीत जोगी सरकार में मंत्री थे।

वैक्सीन से मौत के मामले में स्वास्थ्य मंत्री का बड़ा फैसला, जांच पूरी होने तक रोक

मनेन्द्रगढ़। बिलासपुर के कोटा में वैक्सीन से मौत मामले में छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री ने बड़ा निर्णय लिया है। राज्य स्तरीय जांच पूर्ण होने तक उस बैच की वैक्सिनेशन को बंद करा दिया है। वैक्सीन से मौत मामले मे जिले के दौरे पर आए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल राज्य स्तरीय टीम गठित कर जांच के आदेश दिए हैं, साथ ही उन्होंने कहा कि जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती तब तक उस बैच के वैक्सिनेशन को रोक दिया गया है। अगर इसमें किसी की लापरवाही सामने आती है तो कठोर कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे ट्रैक पर बैठ मोबाइल गेम खेल रहे थे छात्र हॉर्न भी नहीं सुना

दुर्ग। दुर्ग-दल्लीराजहरा रेलवे ट्रैक में 9वीं में पढने़ वाले दो बच्चों की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। दोनों घर से खेलने जाने की बात कहकर निकले और रेलवे ट्रैक पर बैठकर गेम खेल रहे थे। पूरण कुमार साहू (14) और वीर सिंह (13) खेलने में इतने व्यस्त हो गए कि ट्रेन का हॉर्न भी नहीं सुना, चपेट में आने से दोनों की मौत हो गई।

डूमरतरई सब्जी मंडी के बाहर स्थानीय रहवासियों का प्रदर्शन

रायपुर। रायपुर के डूमरतरई इलाके में स्थित श्रीराम थोक सब्जी मंडी के बाहर सोमवार को स्थानीय रहवासियों ने विरोध प्रदर्शन किया। वर्धमान नगर कॉलोनी के लोगों ने अवैध पार्किंग, अवैध कब्जा, और सड़क किनारे फेंकी जा रही सड़ी-गली सब्जियों के कारण उत्पन्न हो रही गंदगी के खिलाफ सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों में बुजुर्ग, महिलाएं, और बच्चे भी शामिल थे, जिन्होंने नगर निगम और जोन कार्यालय पर शिकायतों के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई न होने का आरोप लगाया। वर्धमान नगर के निवासियों का कहना है कि वे लंबे समय से इस समस्या से जूझ रहे हैं, लेकिन उनकी शिकायतों पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। कॉलोनी वासियों का कहना है कि अगर जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो वे आने वाले दिनों में उग्र प्रदर्शन करेंगे। लोगों ने बताया कई बार नगर निगम और जोन कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई गई है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। हम सभी मजबूर होकर सड़कों पर उतरें हैं।

राजधानी में गांजे के अवैध कारोबार के खिलाफ फूटा लोगों का गुस्सा

रायपुर। राजधानी रायपुर के पुरानी बस्ती क्षेत्र में वर्षों से चल रहे गांजे के अवैध कारोबार के खिलाफ अब लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। इलाके में लगातार बढ़ रही लूटपाट और मारपीट की घटनाओं से परेशान सैकड़ों स्थानीय निवासियों ने देर रात पुरानी बस्ती थाने का घेराव कर दिया। इस दौरान उन्होंने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और आरोप लगाया कि पुलिस इन अवैध गतिविधियों को संरक्षण दे रही है। मोहल्ले के निवासियों का कहना है कि पुलिस की निष्क्रियता के चलते अपराधियों के हौसले बुलंद हो गए हैं, जिससे आए दिन यहां की शांति भंग हो रही है। हाल ही में एक युवा व्यवसायी के साथ मारपीट और लूटपाट की घटना ने इस गुस्से को और भड़का दिया। हमलावरों ने न सिर्फ व्यवसायी की गाड़ी में तोड़फोड़ की,बल्कि उसकी हाथ की हड्डी भी तोड़ दी। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इस मामले की गंभीरता से जांच की जाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बहाल हो सके।

मुख्यमंत्री निवास में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति

रायपुर। तीजा पोरा के विशेष अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाएं मुख्यमंत्री निवास पहुंची। संगीतमय प्रस्तुति में महिलाएं थिरकी। मुख्यमंत्री निवास में पहुंची महिलाओं में गजब का उत्साह देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री निवास में आयोजित तीजा पोला तिहार के अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति हुई। छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध लोक गायिका सुश्री आरू साहू छत्तीसगढ़ी के पारंपरिक गीतों की प्रस्तुति दे रही हैं। इस विशेष अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाएं मुख्यमंत्री निवास पहुंची हैं। संगीतमय प्रस्तुति में महिलाएं थिरक रही हैं। मुख्यमंत्री निवास में पहुंची महिलाओं में गजब का उत्साह देखने को मिल रहा है।

सुप्रिया श्रीनेत ने महिला सुरक्षा को लेकर सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

छत्तीसगढ़ में दुष्कर्म के मामले पर सियासत , भाजपा नेता गुप्ता ने कहा- सरकार अपराध पर काबू करने का कर रही काम

रायपुर। छत्तीसगढ़ में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों को लेकर सियासत गरमा गया है। इस मुद्दे पर कांग्रेस और भाजपा के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। कांग्रेस नेत्री सुप्रिया श्रीनेत ने आज प्रेसवार्ता में राज्य सरकार पर महिला सुरक्षा के मुद्दे पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि पिछले 8 महीनों में छत्तीसगढ़ में 600 से अधिक रेप के मामले दर्ज हुए हैं, जबकि महिलाओं के खिलाफ 3000 से अधिक अपराध हुए हैं। उन्होंने राज्य सरकार पर इन मामलों को छिपाने का आरोप भी लगाया। वहीं सुप्रिया श्रीनेत के आरोपों पर भाजपा प्रवक्ता केदार गुप्ता ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें केवल दूसरों पर उंगली उठाने की आदत है, जबकि अपने ही दल के नेताओं के कृत्यों पर वे मौन रहती हैं। हमारी सरकार अपराध पर काबू करने का काम कर रही है।

कांग्रेस नेत्री और सोशल मीडिया चेयरमैन सुप्रिया श्रीनेत ने आज कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में प्रेसवार्ता की।

प्रेसवार्ता में श्रीनेत ने छत्तीसगढ़ में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों पर कड़ी आलोचना की। उन्होंने आंकड़ा जारी करते हुए कहा कि पिछले 8 महीनों में छत्तीसगढ़ में 600 से अधिक रेप के मामले दर्ज हुए हैं, जबकि महिलाओं के खिलाफ 3000 से अधिक अपराध हुए हैं। सुप्रिया श्रीनेत ने इन मामलों पर राज्य सरकार पर पर्दा डालने का आरोप लगाया है। उन्होंने ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस लगातार आवाज उठा रही है। आधी आबादी के साथ दुष्कर्म पर कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी।

सुप्रिया श्रीनेत ने आगे कहा कि देश को आधी आबादी सुरक्षित नहीं है, पूरा देश आक्रोशित है। आधी आबादी के लिए देश का कोई कोना सुरक्षित नहीं है। कितने निर्भया चाहिए इस देश को, कब सत्ता का संरक्षण खत्म होगा। इससे अछूता छत्तीसगढ़ भी नहीं रहा है। राजधानी रायपुर के बस स्टैंड में दुष्कर्म, भिलाई में छोटी बच्ची के साथ, रायगढ़ में आदिवासी महिला के साथ दुष्कर्म हुआ, यह सभी समाज और पुरुषों पर धब्बा है। लेकिन सरकार लीपा पोती में जुट जाती है। सरकार में बैठे सत्ताधीश क्या महिला बेटियों के साथ खड़े हैं? हमेशा आरोपियों को संरक्षण मिलता है। पीड़ित महिलाओं को दर-दर भटकना पड़ता है, अब एक नया चलन शुरू हो गया है कि पीड़ितों को एफआईआर दर्ज करवाने के लिए आंदोलन करना पड़ेगा।

सुप्रिया श्रीनेत के आरोपों पर भाजपा का पलटवार

सुप्रिया श्रीनेत के सरकार पर लगाए गए आरोपों पर भाजपा प्रवक्ता केदार गुप्ता ने पलटवार किया है। केदार गुप्ता ने सुप्रिया श्रीनेत पर हमला करते हुए कहा कि उन्हें कंगना रनौत के मंडी से चुनाव लड़ने को लेकर किए गए पोस्ट पर, राधिका खेड़ा के मसले पर, मनु शर्मा ने जो तंदूर कांड किया और जेसिका लाल हत्याकांड पर भी बयान देना चाहिए।

केदार गुप्ता ने कहा कि सुप्रिया श्रीनेत को भूपेश बघेल सरकार के दौरान हुए महिलाओं पर अत्याचार नहीं दिखता। भूपेश बघेल सरकार में 6 महीने में 1294 रेप की घटनाएं हुई थी और हमारी सरकार में 600 हुआ तो सुप्रिया श्रीनेत और कांग्रेस पार्टी रुदन कर रही है। हमारी सरकार अपराध पर काबू कर रही है। सूखे नशे पर भी नकेल कस रहे हैं। भाजपा की सरकार महिलाओं को सम्मान देती है।

केदार गुप्ता ने आगे कहा कि अपराध का मूल जड़ भूपेश बघेल सरकार के दौरान फला-फुला सूखा नशा का कारोबार था, उस नशे के कारोबार को हम खत्म कर रहे हैं। 11 भाजपा के कार्यकर्ताओं की भूपेश बघेल सरकार में हत्या हुई। कांग्रेस में महिलाओं का सम्मान नहीं है। सुप्रिया श्रीनेत को अपने दामन में झांक कर देखना चाहिए कि क्या-क्या दाग लगे हैं। कांग्रेस के नेता नशे का कारोबार करते हैं। भ्रष्टाचार में जेल जाते हैं और आज मुंह फाड़-फाड़ कर बोल रही हैं।

उन्होंने कहा कि अपराध का जड़ है सट्टा और सूखा नशा है। इसको हमारी सरकार खत्म करेगी। महिलाओं के खिलाफ अपराध में 15 से 20 प्रतिशत की कमी आई है। कांग्रेस पार्टी अपने अपराधों को छुपाने के लिए आरोप लगाती है।

छत्तीसगढ़ ग्रीन समिट 2024 लोकमंथन प्रथम एडिशन इवेंट 26 सितंबर से

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर और विबग्योर (एन.ई. फाउंडेशन) द्वारा संयुक्त रूप से 26 से 28 सितंबर, तक रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ ग्रीन समिट (लोक बियॉन्ड फोक) का आयोजन किया जा रहा है। प्रतिष्ठित लोकमंथन 2024 का अग्रदूत यह सम्मेलन छत्तीसगढ़ की समृद्ध प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने और उसे बढ़ावा देने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम के रूप में आयोजित किया जा रहा है जो हमारी स्वदेशी परंपराओं में निहित हैं।

लोकमंथन के पहले चरण के रूप में, छत्तीसगढ़ ग्रीन समिट स्थिरता, पर्यावरण चेतना और क्षेत्र की स्वदेशी परंपराओं में गहराई से अंतर्निहित सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करेगा। सम्मेलन का उद्देश्य छत्तीसगढ़ की विविध प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत को उजागर करना है,और इस विरासत को बनाए रखने के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल देना है। विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से, यह सम्मेलन स्वदेशी लोगों की बहुमुखी टिकाऊ प्रथाओं और पर्यावरण पर उनके दृष्टिकोणों का पता लगाएगा, और प्रतिभागियों के लिए सीखने के अवसर प्रदान करेगा।

इस सम्मेलन में गैर-लकड़ी वन उत्पादों के सतत औद्योगिकीकरण के लिए वन नीति, वन संरक्षण के लिए सामुदायिक मॉडल, वानिकी क्षेत्र के लिए कार्बन क्रेडिट, औषधीय पौधों और मशरूम के सतत उपयोग में तकनीकी प्रगति, वन प्रबंधन में रणनीतिक योजना, टिकाऊ शहरों के लिए शहरी वानिकी, वन संरक्षण के लिए एक उपकरण के रूप में इकोटूरिज्म और वन-निवासी समुदायों के विकास के दृष्टिकोण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सेमिनार और पैनल डिस्कशन आयोजित होंगे। इन सेमिनारों के अलावा, छत्तीसगढ़ ग्रीन समिट में लाइव लूम वॉक-थ्रू, छत्तीसगढ़ के स्वदेशी व्यंजन, ओपन-एयर लाइव प्रदर्शन, स्वदेशी धुन और नृत्य, वाद्य यंत्रों की प्रस्तुति, स्वदेशी कहानी के माध्यम से लोकगीत, कठपुतली शो, स्वदेशी मंत्रोच्चार, हरित उद्यम और स्वदेशी टैटू का प्रदर्शन किया जाएगा।

महतारी वंदन योजना की किस्त जारी, 70 लाख महिलाओं के खाते में राशि ट्रांसफर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश की महतारी बहनों को तीजा पोरा तिहार पर बड़ा तोहफा दिया है। सोमवार को सीएम हाउस में तीजा पोरा महतारी वंदन तिहार कार्यक्रम के दौरान सीएम साय ने महतारी वंदन योजना की किश्त जारी की है। प्रदेश की 70 लाख महिलाओं के खाते में साय सरकार ने राशि ट्रांसफर की है।

आज सीएम हाउस में पोला तीजा महतारी वंदन तिहार मनाया जा रहा है। इसी कार्यक्रम में यह राशि महिलाओं के खाते में ट्रांसफर की गई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पोरा तिहार पर भगवान शिव की विधि विधान से पूजा अर्चना कर छत्तीसगढ़ की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की है। सीएम ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए महतारी और बहनों को नमन किया है।

विष्णुदेव साय ने कहा सभी महिलाओं का स्वागत करता हूं, छत्तीसगढ़ की 70 लाख 12 हजार महिलाओं के खाते में सोमवार को 1000 रुपया भेज दिया गया है।

मुख्यमंत्री निवास में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की तरफ से तीजा पोरा त्यौहार मनाने आई महिलाओं को न सिर्फ महतारी वंदन योजना की राशि ट्रांसफर की गई है, बल्कि खास गिफ्ट भी मिले हैं। महिलाओं को लाख की चूड़ियां उपहार में दी गई है। मुख्यमंत्री निवास में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से महिलाएं आई हुई हैं। आपको बता दें कि पिछले 2 सालों से इस पर्व का सीएम हाउस में धूमधाम के साथ आयोजन किया जा रहा है।

तीज सुन्दरी का ताज सभापति पायल शर्मा ने किया हासिल

रायपुर। वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन छग एवं सर्व युवा ब्राह्मण परिषद छग द्वारा प्रदेश की विप्र महिलाओं व युवतियों को पूर्णतः पारिवारिक, सामाजिक माहौल में मंच प्रदान करने हेतु तीज महोत्सव में नृत्य और तीज सुंदरी प्रतियोगिता आयोजित किया गया इसमें सम्पूर्ण समाज की 18 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं ने क्लासिकल फोक नृत्य में समूह, युगल व एकल प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम के अतिथि श्रीमती मीनल चौबे - नेता प्रतिपक्ष नगर निगम, श्रीमती दीप्ति दुबे पूर्व प्रथम महिला व समाजसेवी एवं प्रतियोगिता के निर्णायक अनुराधा दुबे - नृत्यांगना व अभिनेत्री, आकांक्षा दुबे - उदघोषिका, वंशिका ठाकुर - नृत्यांगना थी।

प्रदेश अध्यक्ष अरविन्द ओझा एवं महिला अध्यक्ष नमिता शर्मा ने बताया कि एकल नृत्य में देबोलिना दास प्रथम एवं अभिलाषा शर्मा द्वितीय, युगल नृत्य में पंजाबी फोक सीमा व रावी प्रथम एवं सुरभी व लारी द्वितीय, समूह नृत्य में महाराष्ट्र मंडल की अनिता जी का ग्रुप प्रथम एवं अपर्णा जी का ग्रुप द्वितीय रहा। तीज सुन्दरी प्रतियोगिता में गुंडरदेही की सभापति पायल शर्मा विजेता एवं भाटापारा की अभिलाषा झा उप विजेता रही। प्रत्येक वर्ग की प्रतियोगिता के विजेता व उपविजेता को स्मृति चिन्ह से पुरस्कृत व सम्मानित किया गया एवं भाग लेने वाले प्रत्येक प्रतिभागी को सम्मान पत्र प्रदान किया गया। संगठन की ओर से वीणा मिश्रा, कल्पना मिश्रा द्वारा उपस्थित दर्शकों को सुहाग की सामग्री वितरित की गई।

भाजपा जिला इकाइयों के सदस्यता अभियान की शुरुआत 4 से

प्रदेश अध्यक्ष देव बिलासपुर, उप मुख्यमंत्री साव रायगढ़ व शर्मा दुर्ग, सरोज पांडेय रायपुर में करेंगीं सदस्यता अभियान का शुभारंभ

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान की शुरुआत छत्तीसगढ़ में कल 3 सितंबर को होगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय पं. दीनदयाल ऑडिटोरियम में आहूत एक कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष किरण देव के हाथों पार्टी की सदस्यता ग्रहण करेंगे। इसके अगले दिन प्रदेश की सभी संगठन जिला इकाइयों में सदस्यता अभियान की शुरुआत होगी। जिलों में सदस्यता अभियान के शुभारंभ के लिए भाजपा के सभी प्रमुख पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि अतिथि के तौर पर उपस्थित रहेंगे।

भाजपा सदस्यता के लिए सुकमा में ओजस्वी मंडावी, अरुणसिंह भदौरिया व हूंगाराम मरकाम, बीजापुर में पूर्व मंत्री महेश गागड़ा, जी. वेंकट व सुखलाल पुजारी, दंतेवाड़ा में श्रीनिवास राव मद्दी, विजय तिवारी व कुमारसिंह भदौरिया, बस्तर में वन मंत्री केदार कश्यप, शरद अवस्थी व सुभाऊराम कश्यप, नारायणपुर में दिनेश कश्यप, बृजमोहन देवांगन व गौतम गोलछा, कोण्डागाँव में महेश कश्यप, प्रवीण सिंह बदेशा व मनोज जैन, काँकेर में भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लता उसेण्डी, महावीरसिंह राठौर, निरंजन सिन्हा व सुमित्रा मारकोले, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, प्रदेश महामंत्री रामजी भारती, कोमल जंघेल व विक्रांत सिंह, मोहला-मानपुर- अंबागढ़ चौकी में प्रदेश उपाध्यक्ष मधुसूदन यादव, प्रदेश महामंत्री भरतलाल वर्मा व संजीव शाह, राजनांदगाँव में विधायक अमर अग्रवाल, खूबचंद पारख व अशोक शर्मा, कबीरधाम में विधायक भावना बोहरा, मोतीराम चंद्रवंशी व सियाराम साहू, बेमेतरा में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडे, विधायक ईश्वर साहू, लाभचंद बाफना, विधायक दीपेश साहू व प्रदेश मंत्री अवधेश चंदेल, भिलाई में विधायक राजेश मूणत, साँवलाराम डाहरे विधायक डोमनलाल कोर्सवाड़ा व विधायक रिकेश सेन, दुर्ग में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, विधायक ललित चंद्राकर व विधायक गजेंद्र यादव, बालोद में भोजराज नाग, प्रीतम साहू व यशवंत जैन, धमतरी में स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल, रंजना साहू, श्रवण मरकाम व पिंकी शाह, गरियाबंद में मंत्री दयालदास बघेल, प्रदेश महामंत्री जगदीश (रामू) रोहरा, गोवर्धन मांझी, विधायक रोहित साहू, डमरूधर पुजारी व संतोष उपाध्याय, रायपुर (ग्रामीण) में सांसद रूपकुमारी चौधरी, चंद्रशेखर साहू, विधायक अनुज शर्मा, खुशवंत साहेब, विधायक इंद्रकुमार साहू, देवजीभाई पटेल, नवीन मार्कंडेय, संजय ढीढी व अशोक बजाज, रायपुर (शहर) में भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सरोज पांडेय, सुनील सोनी, प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव, विधायक पुरंदर मिश्रा व विधायक मोतीलाल साहू, बलौदाबाजार में पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मी वर्मा व श्याम बाई साहू, महासमुंद में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा, पूनम चंद्राकर व डॉ विमल चोपड़ा, जांजगीर-चाँपा में विधायक धरमलाल कौशिक, कमलादेवी पाटले, सौरभ सिंह व अम्बेश जांगड़े, सक्ती में प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा, मेघाराम साहू व जगन्नाथ पाणिग्रही, मुंगेली में सांसद कमलेश जांगड़े व विधायक पुन्नूलाल मोहले, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में मंत्री लखनलाल देवांगन, राजा पांडेय व प्रणव कुमार मरपच्ची, बिलासपुर में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव, उपाध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी व रजनीश सिंह, कोरबा में कृषि मंत्री रामविचार नेताम व ननकीराम कँवर, रायगढ़ में उपमुख्यमंत्री अरुण साव व सांसद देवेंद्रप्रताप सिंह, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में मंत्री टंकराम वर्मा व निर्मल सिन्हा, जशपुर में राधेश्याम राठिया व रणविजय सिंह जूदेव, सरगुजा में वित्त मंत्री ओपी चौधरी, सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक अनुराग सिंहदेव व कमलभान सिंह, बलरामपुर में मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े व उद्धेश्वरी पैकरा, सूरजपुर में सांसद चिंतामणि महाराज व रामसेवक पैकरा, कोरिया में विधायक रेणुका सिंह व भैयालाल राजवाड़े, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय व चंपादेवी पावले की उपस्थिति में कार्यक्रम होंगे।

चक्रधर समारोह के मंच पर एक्ट्रेस हेमामालिनी सहित 7 पद्मश्री विभूतियां करेंगे अपनी कला का प्रदर्शन

रायपुर। चक्रधर समारोह फिर से अपने पुराने वैभव और गरिमा के साथ आयोजित होने जा रहा है। 10 दिवसीय कला महोत्सव की रूप रेखा तैयार की जा चुकी है। नामचीन कलाकार अपने हुनर के प्रदर्शन के लिए रायगढ़ पहुंचने वाले हैं। चक्रधर समारोह का मंच कला जगह में अपनी विशिष्ट ख्याति रखता है। पिछले कुछ वर्षो के दौरान कोविड महामारी के चलते समारोह वृहत स्तर पर आयोजित नहीं किया जा सका था। इस बार के आयोजन में एक खास बात और शामिल है। इस वर्ष भारत सरकार के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मश्री से सम्मानित 7 विभूतियां रायगढ़ चक्रधर समारोह के मंच को सुशोभित करेंगी।

पद्मश्री हेमा मालिनी- जो भारतीय सिनेमा की एक प्रमुख और बहु-प्रतिभाशाली अभिनेत्री हैं, अपने भरतनाट्यम नृत्य के लिए भी जानी जाती हैं। उन्हें भारतीय कला और संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाना जाता है। भरतनाट्यम, जो एक प्राचीन और शास्त्रीय नृत्य शैली है, में हेमा मालिनी की निपुणता और दक्षता अद्वितीय है। उनके नृत्य की विशेषताएँ उनकी उत्कृष्ट तकनीक, भाव-प्रकटीकरण और मंच पर उनकी उपस्थिति में स्पष्ट रूप से देखी जा सकती हैं। उन्होंने न केवल अपनी कला को फिल्मों के माध्यम से प्रस्तुत किया, बल्कि शास्त्रीय नृत्य की कला को भी पूरे देश और विदेश में लोकप्रिय बनाया। उन्होंने कई महत्वपूर्ण नृत्य प्रस्तुतियाँ की हैं, जिनमें भारतीय पौराणिक कथाओं और धार्मिक कथाओं का सुंदर चित्रण होता है। उनके प्रदर्शन में नृत्य की विभिन्न मुद्राओं और भावनाओं का अभिव्यक्ति, दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। उनकी नृत्य साधना और कला के प्रति समर्पण ने उन्हें न केवल सिनेमा की दुनिया में, बल्कि शास्त्रीय नृत्य की दुनिया में भी एक महत्वपूर्ण स्थान दिलाया है। उन्हें वर्ष 2000 में चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मश्री से सम्मानित किया गया है।

पद्मश्री रामलाल बरेठ- इन्होंने रायगढ़ कत्थक शैली को विकसित करने और कत्थक को घराने के रूप में स्थापित करने के लिए अपना जीवन समर्पित किया है। रायगढ़ कत्थक शैली को लोकप्रिय बनाने में पंडित रामलाल बरेठ का बहुत बडा योगदान है। उनके अथक प्रयास से रायगढ़ कत्थक शैली को रायगढ़ घराना के नाम से जाना जाता है। रायगढ़ घराना पूरी दुनिया में चौथे कत्थक घराने के रूप में प्रसिद्ध है।

पंडित रामलाल को 1996 में भारत के माननीय राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा ने भारत के राष्ट्रीय सम्मान संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया है। उन्हें वर्ष 2024 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया है।

पद्मश्री कुमारी देवयानी- अनिक शेमोटी, जिन्हें मंच नाम कुमारी देवयानी के रूप में जाना जाता है, एक भारतीय नृत्यांगना हैं, जो भारतीय शास्त्रीय नृत्य शैली भरतनाट्यम में प्रदर्शन करती हैं। उन्होंने भारत के साथ-साथ ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, स्पेन, इटली, ग्रीस, पुर्तगाल, स्कैंडिनेवियाई देशों, एस्टोनिया और दक्षिण कोरिया के त्योहारों और संगीत हॉल में प्रदर्शन किया है। देवयानी भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) की सूचीबद्ध कलाकार हैं। 2009 में उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

पद्मश्री डॉ। भारती बंधु- एक भारतीय संगीतकार और गायक हैं, जिनके कबीर भजन बहुत प्रसिद्ध हैं। वे छत्तीसगढ़ के रायपुर में पैदा हुए थे। भारती बंधु ने देश दुनिया भर में हजारों प्रस्तुतियां दी हैं। उन्हें संगीत के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए राज्य अलंकरण से सम्मानित किया गया था। उन्हें राजा चक्रधर सम्मान से भी सम्मानित किया गया है। वे भारत में सूफी और कबीर संगीत के प्रतीक हैं। उन्हें वर्ष 2013 में पद्मश्री से नवाजा गया है।

पद्मश्री अनुज शर्मा- छत्तीसगढ़ी सिनेमा और कला क्षेत्र में ख्यात्तिलब्ध व्यक्तित्व अनुज शर्मा को उनके निर्देशनए अभिनय और गायन में उनकी प्रतिभा के लिए जाना जाता है। कला के क्षेत्र में उनकी सेवाओं के लिए उन्हें भारत सरकार द्वारा 2014 में चौथे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

पद्मश्री डॉ।सुरेंद्र दुबे- डॉ।सुरेंद्र दुबे अपनी हास्य कविताओं के लिए पूरे देश दुनिया में प्रसिद्ध हैं। वे वह पेशे से एक आयुर्वेदिक चिकित्सक भी हैं। प्रदेश की बोली और संस्कृति को उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों से बढ़ावा दिया है। उन्हें भारत सरकार द्वारा 2010 में देश के चौथे उच्चतम भारतीय नागरिक पुरस्कार पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

पद्मश्री रंजना गौहर- प्रसिद्ध ओडिसी नृत्यांगना, कोरियोग्राफर तथा फिल्म निर्मात्री हैं। उन्हे पद्मश्री व संगीत नाटक अकादमी के पुरस्कार से भी नवाजा जा चुका है। वह ओडिसी नृत्य के संदर्भ में एक किताब (ओडिसी द डांस डिवाइन) भी लिख चुकी हैं। रंजना गौहर को 2003 में भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रतिष्ठित पद्मश्री और 2007 में राष्ट्रीय संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

संघ राहुल-अखिलेश के कास्ट पॉलिटिक्स की तोड़ निकालेगा

अभिनय आकाश

हरियाणा और जम्मू कश्मीर में चुनावों के बीच बीजेपी के थिंक टैंक राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की वार्षिक समन्वय बैठक 31 अगस्त से शुरू हुई। आरएसएस के सभी संगठनों के बीच समन्वय बनाने के लिए आयोजित की गई इस बैठक की टाइमिंग बेहद अहम है। लोकसभा चुनाव के बाद से ही बीजेपी और आरएसएस के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत सामने आ रही है। माना जाता है कि संघ के कार्यकर्ताओं ने पार्टी के लिए अपेक्षित उत्साह के साथ काम नहीं किया, जिससे पार्टी को नुकसान हुआ। द इंडियन एक्सप्रेस को दिए एक साक्षात्कार में भाजपा प्रमुख नड्डा की टिप्पणी कि पार्टी अब आत्मनिर्भर है और आरएसएस पर निर्भर नहीं है वाले बयान ने इस खाई को और गहरा कर दिया। ये जो खींचतान की कयासबाजी लगाई जा रही है उसको खत्म करने की कोशिश के तौर पर भी इसे देखा जा रहा है। संघ सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करने के लिए वे कितना बेहतर समन्वय कर सकते हैं। लोकसभा चुनाव के बाद मोदी 3.0 के गठन से संघ अब तक कई मौकों पर बीजेपी नेतृत्व की खिंचाई करता दिखाई दिया। ऐसे में इस सम्मेलन के दौरान बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा और संगठन महासचिव बीएल संतोष की मौजूदगी में सर संघचालक मोहन भागवत की भूमिका काफी खास मानी जा रही है। इस बैठक की सबसे खास बात है कि इसका आयोजन ऐसी जगह पर किया गया जिसके सियासी मायने निकालने की कोशिश हो रही है। संघ की ये बैठक केरल के पल्लकड़ में आयोजित की गई। कांग्रेस ने जाति के इर्द-गिर्द एक झूठी कहानी गढ़ी। इससे जमीन पर कुछ हद तक राहत मिल गई है। इसलिए जमीनी स्तर के प्रयासों के माध्यम से प्रभावी जवाबी कार्रवाई आवश्यक है,%% संघ के एक पदाधिकारी ने चुनावों के दौरान विपक्ष के अभियान का जिक्र करते हुए द इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि बड़ी बहुमत वाली भाजपा सरकार आरक्षण को कमजोर करने के लिए संविधान को बदल देगी। आरएसएश भी अपनी पहुंच को बढ़ाने के लिए विभिन्न स्वतंत्र हिंदू संगठनों और दबाव समूहों के साथ मजबूत संबंध बनाने की कोशिश कर रहा है। विहिप को अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और झुग्गी बस्तियों की आबादी के बीच सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने का काम सौंपा गया है। खासकर दिवाली से पहले। सामाजिक समरसता अभियान आमतौर पर आरएसएस शाखा स्तर के कार्यकर्ताओं के द्वारा दलितों के लिए मंदिरों और कुओं तक पहुंच सुनिश्चित करने से जुड़ा होता है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार जातिगत जनगणना की बात कर रहे है। इसके साथ ही राहुल गांधी लगातार कह रहे हैं कि दलितों और पिछड़ों को कितनी भागीदारी मिल रही है। संविधान का मुद्दा उठाकर दलित वोट इंडिया गठबंधन के पक्ष में गया और मुस्लिम वोटर्स एकजुट होकर सपा-कांग्रेस गठबंधन के पक्ष में वोट किया। आमतौर पर आरएसएस ने भी आरक्षण को लेकर अपने विचारों को लचीला बनाया है। बीजेपी केरल में लगातार अपनी सियासी पैठ बनाने की कोशिश कर रही है। जिसमें उसे धीरे धीरे कामयाबी भी मिल रही है। ऐसे में पल्लकड़ में संघ की राष्ट्रीय बैठक के आयोजन को आम जनता के बीच नेटवर्क बढ़ाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। पल्लकड़ में 30 अगस्त से 2 सितंबर तक आयोजित किए समन्वय बैठक में संघ से जुड़े सभी संगठन शामिल हुए। 2 सितंबर तक चली इस बैठक में 32 सहयोगी संगठनों के 320 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इसमें बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और संगठन सचिव बीएल संतोष भी शामिल हुए। बैठक में सर संघचालक के अलावा सभी सह सरकार्यवाहक भी मौजूद रहे।

पीएम मोदी की यात्रा का मतलब है...

सुरेंद्र कुमार

प्रधानमंत्री मोदी की यूक्रेन की राजधानी कीव की बहुचर्चित यात्रा की ऐतिहासिक प्रतीकात्मकता के बावजूद सोशल मीडिया पर गैर-जरूरी और निरर्थक बहस छिड़ गई है। प्रधानमंत्री मोदी यूक्रेन की यात्रा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बन गए हैं, वह भी तब, जब वह रूस के साथ भीषण युद्ध में उलझा हुआ है। उन्हें पोलैंड की सीमा से करीब 10 घंटे की कठिन यात्रा करनी पड़ी। उनके इस साहसिक प्रयास की सराहना की जानी चाहिए।

इस यात्रा को लेकर यह आरोप कि यह फोटो खिंचवाने के लिए थी, बचकानी लगती है। वाशिंगटन की राजकीय यात्रा के दौरान या हिरोशिमा में जी-7 शिखर सम्मेलन में या पिछले साल आसियान और दक्षिण पूर्व एशिया शिखर सम्मेलनों में जिस तरह से उनका स्वागत किया गया और पिछले साल सितंबर में जी-20 शिखर सम्मेलन की उन्होंने जिस तरह अध्यक्षता की, क्या उससे लगता है कि उन्हें फोटो खिंचवाने के लिए मौके की तलाश होनी चाहिए? चाहे उनके आलोचक मानें या नहीं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी अमेरिकी व फ्रांस के राष्ट्रपतियों, ब्रिटिश, कनाडाई, जापानी और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्रियों तथा जर्मनी के चांसलर से ज्यादा वरिष्ठ एवं राजनीतिक रूप से अधिक स्थायित्व वाले नेता हैं, उन सबसे ज्यादा मोदी की स्वीकार्यता है। वह वैश्विक नेता माने जाते हैं!

इसलिए पुतिन को यह बताते हुए कि 'यह युद्ध का युग नहीं है' (ताशकंद, एससीओ समिट) और 'मौजूदा संघर्ष का समाधान युद्ध के मैदान में नहीं पाया जा सकता' (मास्को, जुलाई), उन्होंने युद्ध की भयावहता और इससे होने वाली मानवीय पीड़ा को रेखांकित करते हुए शांति की संभावनाओं को तलाशने की पहल की, जिससे न केवल दोनों युद्धरत देशों को लाभ होगा, बल्कि पूरे ग्लोबल साउथ के देशों को भी फायदा होगा, जो किसी पक्ष में शामिल हुए बगैर युद्ध के नकारात्मक परिणामों

का खामियाजा भुगत रहे हैं।

युद्ध समाप्त करने के लिए रूस से बात करने का आग्रह करते हुए मोदी ने जेलेंस्की से कहा, मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि भारत शांति की दिशा में किसी भी प्रयास में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार है। अगर मैं व्यक्तिगत रूप से इसमें कोई भूमिका निभा सकता हूं, तो मैं ऐसा करूंगा, मैं आपको एक मित्र के रूप में आश्वस्त करना चाहता हूं।

उन्होंने पोलैंड से जेलेंस्की को संदेश भेजा था, आज का भारत सबसे जुड़ना चाहता है और सबके विकास की बात करता है। भारत सबके साथ है और सबके हितों के बारे में सोचता है...भारत इस क्षेत्र में स्थायी शांति का हिमायती है। हमारा रुख बहुत स्पष्ट है, यह युद्ध का युग नहीं है। जाहिर है, जब मोदी ने इतना स्पष्ट कहा, तो छिपा हुआ एजेंडा कहां है?

मोदी ने पुतिन की तुलना में जेलेंस्की को ज्यादा गर्मजोशी से गले लगाया (हालांकि जेलेंस्की चिड़चिड़े से दिख रहे थे) और एक बड़े भाई की तरह उनके कंधे पर हाथ रखकर चले। मोदी के इन नेकनीयत इशारों से जेलेंस्की का गुस्सा शांत हो जाना चाहिए था। जुलाई में जब मोदी ने पुतिन को गले लगाया था, तो जेलेंस्की ने उसे शांति प्रयासों के लिए विनाशकारी बताया था। लेकिन जिस तरह से जेलेंस्की ने मोदी को लेकर ट्रेन के यूक्रेनी क्षेत्र से रवाना होने से पहले ही प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत की आलोचना की, वह अत्यंत अशिष्ट और अकूटनीतिक था।

करण थापर और पूर्व विदेश सचिव और रूस के राजदूत कंवल सिब्बल जैसे कुछ टिप्पणीकारों ने उनकी टिप्पणियों को असभ्य और अपरिपक्व कहा है। उन्हें लगा कि जेलेंस्की ने भारत को नीचा दिखाया और ऐसी शर्तें तय करने की कोशिश की, जो अमेरिकियों ने भी कभी नहीं कीं। विदेश मंत्री जयशंकर ने कीव में अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अगले शांति सम्मेलन का प्रारूप यूक्रेन पर निर्भर करता है, जबकि भारत का मानना है कि किसी भी व्यावहारिक प्रगति के लिए रूस की उपस्थिति आवश्यक है।

अगर मोदी की यात्रा इतनी महत्वहीन थी, जैसा कि मोदी के आलोचक आरोप लगा रहे हैं, तो बाइडन और पुतिन, दोनों को यह जानने में इतनी दिलचस्पी क्यों थी कि जेलेंस्की के साथ उनकी बातचीत में क्या हुआ? हालांकि उम्मीदें बहुत कम थीं, लेकिन यह व्यर्थ की कवायद नहीं थी। यह शांति की संभावनाओं को तलाशने का एक प्रयास था कि सैन्य टकराव खूनी संघर्ष को समाप्त करने का कोई विकल्प नहीं है, जिससे दुनिया भर में लाखों लोग प्रभावित होते हैं। क्या इस संदेश को आगे बढ़ाने के लिए मोदी से अधिक उपयुक्त और बेहतर कोई अन्य विश्व नेता है?

कई लोगों ने यात्रा के समय पर सवाल उठाए हैं, जब यूक्रेन ने कुर्स्क में 1,400 वर्ग किलोमीटर रूसी क्षेत्र पर कब्जा करने का दावा किया है और रूस ने कीव में भयंकर ड्रोन हमला किया है और डोनेट्स्क क्षेत्र में बढ़त हासिल की है। क्या दोनों पक्ष जहां तक संभव हो, दूसरे के क्षेत्र पर कब्जा करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं, ताकि बातचीत की मेज पर सौदेबाजी की जा सके?

भयंकर हमलों के बावजूद यह निर्विवाद है कि रूस, यूक्रेन, अमेरिका, यूरोपीय संघ और नाटो तथा ग्लोबल साउथ-सभी इस संघर्ष का शीघ्र अंत चाहते हैं। यदि दोनों युद्धरत पक्ष सीधे ऐसा नहीं कर सकते और संयुक्त राष्ट्र कोई भूमिका निभाने में अक्षम साबित हुआ है, तो ग्लोबल साउथ का नेता बनने की आकांक्षा रखने वाले राष्ट्र के रूप में भारत द्वारा प्रयास करने में क्या बुराई है? भारत को अगला शांति सम्मेलन आयोजित करने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए, लेकिन जेलेंस्की की शर्तों पर नहीं और रूस को उसमें उपस्थित होना चाहिए।

जैसा कि प्रोफेसर मट्टू ने संडे टाइम (25 अगस्त) में अपने लेख में सुझाया है कि मोदी की यूक्रेन यात्रा भारत के समग्र रणनीतिक विकल्पों के सूक्ष्म पुनर्मूल्यांकन का संकेत दे सकती है। इसे पूरी तरह बकवास कहकर खारिज करना भोलापन है। पुतिन के साथ फोन पर बातचीत में मोदी ने संघर्ष के शीघ्र, स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करने के लिए भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई। बाइडन ने भारतीय प्रधानमंत्री की यूक्रेन के लिए शांति और निरंतर मानवीय सहायता के संदेश के लिए सराहना की। ऐसे में, अगले महीने संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र के दौरान होने वाली चर्चाओं से यूक्रेन पर दूसरे शांति सम्मेलन के आयोजन की दिशा में कुछ गति की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता।

पुराण दिग्दर्शन .... परिचयाध्याय

प्रक्षिप्त-पाठ (भाग-11)

गतांक से आगे...

आर्यजाति ने अन्धविश्वास के कारण ऐसा मान रक्खा हो सो बात नहीं है। वास्तव में वेद साक्षात् परमात्मा के उपदेशों का मूर्तिमान् भण्डार है, इस लोक और परलोक की परोक्ष समस्याओं का सरलतर विशदीकरण है, अथ से लेकर इति पर्यन्त मानव जीवन की जिज्ञासाओं का सर्वाङ्गपूर्ण समाधान है। क्या पौरस्य और क्या पाश्चात्य सभी समालोचकों ने अब भी यदि किसी ग्रन्थ को विश्व का आदिम ग्रन्थ कहकर पुकारा है तो वह अन्यतम वेद ऋग्वेद ही है। इसलिये वेदों को सर्वोच्च मानना न्याय्य धर्म एवं नैगिक है।

यह सभी जानते हैं कि सर्वज्ञ परमात्मा की वाणी को यातथ्येन समझना अल्पज्ञ जीवों के लिये नितान्त दुरूह है, अतः मन्वादि ऋषियों ने समाधि-लब्ध वेदतत्त्वों को उपकार दृष्टि से धर्मशास्त्रों के रूप में निबद्ध किया, तब से यद्यपि धर्मनिर्णय में स्मृति ग्रन्थों को भी यथेष्ट स्थान मिल गया तथापि प्राधान्य वेदों का ही रहा ।

श्रुति प्रतिपादित और स्मृति अनुमोदित धर्म-तत्त्वों को सर्व-साधारण तक पहुँचाने के लिये श्री वेदव्यास जी महाराज ने पुराणों का निर्माण किया है यह स्वयं पुरागों में यत्र-तत्र लिखा है। इसलिये वेद प्राधान्य का अनादि सिद्धान्त पुराणों में भी तथैव आहत रहा है। इस प्रकार वेद-स्मृति-पुराण इन तीनों को धर्मनिर्णय में पर के प्रति पूर्व को यथाक्रम मुख्य माना जाता है। यथा- श्रुतिस्मृतिपुराणानां विरोधो यदि दृश्यते । तत्र श्रौतं प्रमाणं तु द्वयोर्द्वैधे स्मृतिर्वरा।।

अर्थात् - यदि श्रुति स्मृति और पुराण इन तीनों में परस्पर विरोध वाक्य मिलें तो वहां श्रुति वाक्य ही प्रमाण होगा, यदि स्मृति और पुराण दोनों में विरोध दीख पड़े तो वहां स्मृति को प्रमाण मानना चाहिए ।

क्रमशः ...

दक्षिण के सेनापति यादवराव जोशी

दक्षिण भारत में संघ कार्य का विस्तार करने वाले यादव कृष्ण जोशी का जन्म अनंत चतुर्दशी (3 सितम्बर, 1914) को नागपुर के एक वेदपाठी परिवार में हुआ था। वे अपने माता-पिता के एकमात्र पुत्र थे। उनके पिता कृष्ण गोविन्द जोशी जी एक साधारण पुजारी थे। अतः यादवराव जी को बालपन से ही संघर्ष एवं अभावों भरा जीवन बिताने की आदत हो गयी।

यादवराव का डॉ. हेडगेवार से बहुत निकट सम्बन्ध था। वे डॉ. हेडगेवार के घर पर ही रहते थे। एक बार डॉ. हेडगेवार बहुत उदास मन से मोहिते के बाड़े की शाखा पर आये। उन्होंने सबको एकत्र कर कहा कि ब्रिटिश शासन ने वीर सावरकर की नजरबन्दी दो वर्ष के लिए बढ़ा दी है। अतः सब लोग तुरन्त प्रार्थना कर शांत रहते हुए घर जाएंगे। इस घटना का यादवराव जी के मन पर बहुत प्रभाव पड़ा। वे पूरी तरह डॉ. हेडगेवार के भक्त बन गये।

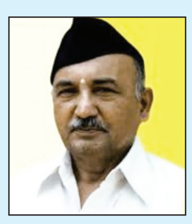

यादवराव एक श्रेष्ठ शास्त्रीय गायक थे। उन्हें संगीत का 'बाल भास्कर' कहा जाता था। उनके संगीत गुरू शंकरराव प्रवर्तक उन्हें प्यार से बुटली भट्ट (छोटू पंडित) कहते थे। डॉ. हेडगेवार जी की उनसे पहली भेंट 20 जनवरी, 1927 को एक संगीत कार्यक्रम में ही हुई थी।

वहां आये संगीत सम्राट सवाई गंधर्व ने उनके गायन की बहुत प्रशंसा की थी, पर फिर यादवराव ने संघ कार्य को ही जीवन का संगीत बना लिया। वर्ष 1940 से संघ में संस्कृत प्रार्थना का चलन हुआ। इसका पहला गायन संघ शिक्षा वर्ग में यादवराव जी ने ही किया था। संघ के अनेक गीतों के स्वर भी उन्होंने बनाये थे। एमए तथा कानून की परीक्षा उत्तीर्ण कर यादवराव जी को प्रचारक के नाते झांसी भेजा गया। वहां वे तीन-चार मास ही रहे कि डॉ। जी का स्वास्थ्य बहुत बिगड़ गया। अतः उन्हें डॉ। जी की देखभाल के लिए नागपुर बुला लिया गया। वर्ष 1941 में उन्हें कर्नाटक प्रांत प्रचारक बनाया गया। इसके बाद वे दक्षिण क्षेत्र प्रचारक, अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख, प्रचार प्रमुख, सेवा प्रमुख तथा वर्ष 1977 से 84 तक सह सरकार्यवाह रहे। दक्षिण में पुस्तक प्रकाशन, सेवा, संस्कृत प्रचार आदि के पीछे उनकी ही प्रेरणा थी। 'राष्ट्रोत्थान साहित्य परिषद' द्वारा 'भारत भारती' पुस्तक माला के अन्तर्गत बच्चों के लिए लगभग 500 छोटी पुस्तकों का प्रकाशन हो चुका है। यह बहुत लोकप्रिय प्रकल्प है।

छोटे कद वाले यादवराव का जीवन बहुत सादगीपूर्ण था। वे प्रातःकालीन अल्पाहार नहीं करते थे। भोजन में भी एक दाल या सब्जी ही लेते थे। कमीज और धोती उनका प्रिय वेष था, पर उनके भाषण मन-मस्तिष्क को झकझोर देते थे। एक राजनेता ने उनकी तुलना सेना के जनरल से की थी। उनके नेतृत्व में कर्नाटक में कई बड़े कार्यक्रम हुए। वर्ष 1948 तथा वर्ष 1962 में बंगलौर में क्रमशः आठ तथा दस हजार गणवेशधारी तरुणों का शिविर, वर्ष 1972 में विशाल घोष शिविर, वर्ष 1982 में बंगलौर में 23,000 संख्या का हिन्दू सम्मेलन, वर्ष 1969 में उडुपी में विहि परिषद का प्रथम प्रांतीय सम्मेलन, वर्ष 1983 में धर्मस्थान में विहि परिषद का द्वितीय प्रांतीय सम्मेलन, जिसमें 70,000 प्रतिनिधि तथा एक लाख पर्यवेक्षक शामिल हुए। विवेकानंद केन्द्र की स्थापना तथा मीनाक्षीपुरम् कांड के बाद हुए जनजागरण में उनका योगदान उल्लेखनीय है।

'कॉर्पोरेट' से ज्यादा 'आम नागरिकों' के पक्ष में हैं कमला हैरिस

शिवाजी सरकार

यदि अमरीकी डैमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस कीमतों और कॉर्पोरेट नियंत्रण पर अपने साहसिक रुख को लागू करने में सफल होती हैं, तो वैश्विक आर्थिक परिदृश्य नाटकीय रूप से बदल सकता है। यह कदम दुनिया भर में हलचल मचा सकता है, जिससे भारत जैसे देशों को अपने मौजूदा आर्थिक मॉडल पर पुर्नविचार करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है, ठीक वैसे ही जैसे उन्होंने उदारीकरण के दौर में किया था जब कॉर्पोरेट शक्ति का बोलबाला था।

ऐसा लगता है कि ज्वार बदल रहा है क्योंकि दुनिया भर में लोग कीमतों को बढ़ाने वाली जोड़-तोड़ की रणनीति से मुक्ति की मांग कर रहे हैं। हैरिस का संदेश स्पष्ट है कि अमरीकी अब आसमान छूती लागतों को बर्दाश्त नहीं कर सकते। उनके आक्रामक, लोकलुभावन आर्थिक एजैंडे का उद्देश्य कॉर्पोरेट शक्ति पर लगाम लगाना और जीवन यापन की लागत को कम करना है, जो संभावित रूप से वैश्विक आर्थिक नीतियों के लिए एक नया मानक स्थापित करता है। जुलाई में एक भव्य भारतीय कॉर्पोरेट विवाह के बाद एक 74 वर्षीय भारतीय ब्लॉगर ने एक्स पर कहा, ''अपने 74 वर्षों में, मैंने हाल ही में, 2437 टैलीविजन पर प्रसारित होने वाली भव्यता से अधिक बेस्वाद, अहंकारी या दिखावटी शादी नहीं देखी या सुनी है।'' विकृति और उसका असली संकेत कहीं और है। ''यह पैसे के खर्च करने के तरीके में निहित है, ऐसे समय में जब औसत भारतीय आर्थिक रूप से कभी भी बदतर स्थिति में नहीं रहा है, जब असमानता और बेरोजगारी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई है।

जी.एस.टी. का 67 प्रतिशत हिस्सा देश के 50 प्रतिशत सबसे गरीब नागरिकों द्वारा भुगतान किया जाता है, हालांकि शीर्ष 1 प्रतिशत के पास देश की 40 प्रतिशत संपत्ति है, जबकि 800 मिलियन लोगों को जीवित रहने के लिए मुफ्त/सबसिडी वाले खाद्यान्न उपलब्ध कराए जाने हैं।''कमला हैरिस का सप्ताहांत भाषण बहुत अलग नहीं है। वह कहती हैं, ''हम जानते हैं कि कई अमरीकी अभी भी अपने जीवन में प्रगति महसूस नहीं करते हैं। लागत अभी भी बहुत अधिक है और आगे बढना बहुत कठिन लगता है।'' कोई आश्चर्य नहीं कि रिपब्लिकन

उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प उन्हें बहुत उदार कहते हैं।

यह भारत में जून के लोकसभा चुनावों के दौरान मटन, मुस्लिम, मंदिर और मुजरा, महंगाई और बेरोजगारी की पंक्तियों के बीच गंभीर मूल्य वृद्धि और बेरोजगारी की प्रतिध्वनि के समान लगता है। हां, भारतीयों और अमरीकियों को भोजन, जीवन की न्यूनतम गुणवत्ता और संगठित उत्पीडन् से मुक्ति की आवश्यकता है। निश्चित रूप से भारतीय अधिक चिंतित हैं क्योंकि विश्व अर्थव्यवस्था में किसी भी रैंक के साथ, वे अमरीका के आसपास भी नहीं हैं।यदि अमरीकी अर्थव्यवस्था अच्छी स्थिति में नहीं है, तो भारतीय कोविड-19 के बाद अधिक से अधिक स्वस्थ हो सकते हैं। लेकिन भारत में दिग्गजों का शिकंजा अमरीका की तुलना में अधिक है, जहां बड़े लोगों के विरोध के बावजूद मजबूत एंटी-ट्रस्ट कानून हैं।

भारतीय नीतियां बड़ी दुकानों के लिए अधिक अनुकूल हैं, जिसमें राष्ट्रीय और शेयर बाजार नीतियों को तैयार करने सहित करों और अन्य लाभों में खरबों की छूट दी जाती है। इसके बजाय, यू.एस.ए. के उपराष्ट्रपति होने के बावजूद, हैरिस अमरीकी लोगों के साथ सहानुभूति रखते हुए कहती हैं, ''बिल बढ़ते हैं। भोजन, किराया, गैस, स्कूल जाने के लिए कपड़े, प्रिस्क्रिप्शन दवा सबके दाम बढ़े। उसके बाद, कई परिवारों के लिए, महीने के अंत में बहुत कुछ नहीं बचता है। राष्ट्रपति के रूप में, मैं उन उच्च लागतों को उठाऊंगी जो अधिकांश अमरीकियों के लिए सबसे अधिक मायने रखती हैं।''

ये शब्द कोई भी भारतीय मतदाता अपने नेताओं से सुनना पसंद करेगा। इसमें अमरीकियों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक दर्जन से ज़्यादा प्रस्ताव शामिल हैं। लोगों को 3 मिलियन नए आवास देने जैसे कुछ प्रस्ताव भारतीय राजनीतिक दलों के घोषणापत्रों से लिए गए हैं। भारत की प्रधानमंत्री आवास योजना की तरह, उन्होंने पहली बार घर खरीदने वाले 10 लाख लोगों को 25,000 डॉलर तक का डाऊन पेमैंट सपोर्ट देने का प्रस्ताव रखा है।

इसके अलावा, बिल्डरों के लिए कर प्रोत्साहन भी है, जो किफायती किराए के आवास बनाते हैं। यह अधिकांश भारतीयों के लिए एक स्वागत योग्य परिदृश्य हो सकता है। जैसा कि भारत में अब पूंजीगत लाभ कर सूचकांक या किराए पर बहस चल रही है, हैरिस कॉर्पोरेट मकान मालिकों को बड़े अंतर से किराया बढ़ाने के लिए एल्गोरिदमिक मूल्य-निर्धारण उपकरणों का उपयोग करने से रोकने के लिए उत्सुक हैं। यह धीरे-धीरे नोएडा, गुडग़ांव, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के द्वारका, बेंगलुरु और चेन्नई के क्षेत्रों में एक समस्या बन रही है। भारत ने अभी-अभी इसे महसूस करना शुरू किया है। चिकित्सा लागत और स्वास्थ्य बीमा धोखाधड़ी अमरीका में सबसे खराब है। कई भारतीय कंपनियों ने अब इसका अनुकरण किया है। भारत और अमरीका में चिकित्सा व्यय बढ़ रहे हैं ¬ दोनों देश इस पर गहन चर्चा कर रहे हैं और अक्सर यह कहते हुए बात समाप्त करते हैं कि यूनाइटेड किंगडम में सबसे अच्छी चिकित्सा सुविधाएं हैं। हैरिस लाखों अमरीकियों के लिए चिकित्सा ऋण को खत्म करने का वायदा करती हैं, संभवत¬ संघीय निधियों का उपयोग स्वास्थ्य प्रदाताओं से बकाया ऋण खरीदने और माफ करने के लिए वह अमरीकियों के पर्चे की दवाओं पर सालाना जेब से खर्च को 2,000 तक सीमित करना चाहती हैं। हजारों किलोमीटर दूर स्थितियों में इतना अंतर यह है कि भारत अमरीका की बीमा संबंधी गलतियों को दोहराना चाहता है और वे इसे बदलने की कोशिश कर रहे हैं।

हालांकि पी.एम. जन औषधि जैसे कुछ मामलों में, भारत कम कीमतों पर जैनेरिक दवाइयां उपलब्ध कराने में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। हैरिस के पास यह विकल्प नहीं है और उनका कहना है कि इंसुलिन की जेब से होने वाली लागत को सभी के लिए 35 डॉलर प्रति माह तक सीमित किया जाएगा। जैसा कि भारत में किसानों को प्रत्यक्ष लाभ पैंशन दी जाती है, हैरिस एक बाल कर क्रैडिट देंगी जो बच्चे के जीवन के पहले वर्ष के लिए परिवारों को प्रति बच्चे 6,000 डालर प्रदान करेगा। विभिन्न तरीकों से प्रत्यक्ष लाभ या पैंशन के रूप में पेश की गई भारतीय बजटीय नवीनताओं ने हैरिस को आकर्षित किया है।

कमला हैरिस के प्रत्येक प्रस्ताव, चाहे वह भोजन, दवा, आवास या बाल देखभाल के संदर्भ में हों, 'लोकलुभावन' हैं, जिसमें उपभोक्ताओं की ओर से कॉर्पोरेट हितों के खिलाफ सरकारी हस्तक्षेप शामिल है। बड़ी कंपनियों के राज के बावजूद, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष समाजवाद विश्व राजनीति में वापस आ रहा है। हैरिस जो कुछ भी करती हैं, उससे हलचल मच सकती है, लेकिन भारत जैसे देश, जो अगले वैश्विक नेता होने का दावा करते हैं, उन्हें गरीबों, किसानों और मजदूर वर्ग की सुरक्षा के लिए अधिक सावधानी से काम करना होगा।

हैरिस ने भारतीय बजट से काफी कुछ उधार लिया है। अब भारत की बारी है कि वह यह सुनिश्चित करे कि वह लोगों के हितों की सेवा के लिए कार्पोरेट्स पर कैसे अंकुश लगा सकता है। दुनिया बदल रही है और भारत का लोकलुभावनवाद बड़े लोगों का दिल जीत रहा है।

आज का इतिहास

1838 भविष्य के अमेरिकी उन्मूलनवादी फ्रेडरिक डगलस दासता से बच गए।

1901 ऑस्ट्रेलिया का राष्ट्रीय ध्वज, कॉमनवेल्थ स्टार और दक्षिणी क्रॉस के साथ एक ब्लू एनस्टाइन ने मेलबोर्न में रॉयल प्रदर्शनी भवन के ऊपर पहली बार उड़ान भरी।

1901 ऑस्ट्रेलिया का राष्ट्रीय ध्वज, एक ब्लू एनसाइन, जो कॉमनवेल्थ स्टार और दक्षिणी क्रॉस के साथ है, ने मेलबोर्न में पहली बार रॉयल प्रदर्शनी प्रदर्शनी को अपनाया।

1914 अल्बानिया के राजकुमार विलियम को अपने शासन में हो रहे विरोध के कारण छह महीने बाद देश छोड़ना पड़ा।

1925 यूएस नौसेना के पहले कठोर हवाई पोत यूएसएस शेनंडोआ को ओहियो (मलबे के चित्र) पर एक स्क्वाड लाइन में तोड़ दिया गया था।

1925 यूएस नौसेना के पहले कठोर एयरशिप यूएसएस शेनान्दाह ओहियो (मलबे के चित्र) के ऊपर एक स्क्वाड लाइन में अलग हो गए।

1937 ऑस्ट्रेलिया में दुनिया के कुछ सबसे लंबे बाड़ को गश्त के लिए अधिक से अधिक ऊंटों का उपयोग करने का सहारा लिया जाता है।

1939 ब्रिटिश प्रधानमंत्री नेविले चेम्बरलिन द्वारा एक रेडियो प्रसारण पर ब्रिटेन और फ्रांस का जर्मनी के खिलाफ युद्ध की घोषणा करने के साथ ही द्वितीय विश्व युद्ध शुरु हुआ।

1939 ब्रिटेन और फ्रांस ने हिटलर के पोलैंड के आक्रमण के प्रतिशोध में जर्मनी पर युद्ध की घोषणा की।

1941 जर्मन तोपखाने ने लर्नग्राद पर गोलाबारी करना शुरू किया।

1942 होलोकॉस्ट-संभवतः पहले यहूदी यहूदी बस्ती में, पोलैंड के कब्जे वाले लाचवा घेट्टो के निवासियों ने, यहूदी बस्ती के परिसमापन की जानकारी देते हुए, नाज़ी कैदियों के खिलाफ असफल लड़ाई लड़ी थी।

1943 दूसरे विश्व युद्ध के दौरान मित्र राष्ट्रों ने इटली पर हमला किया।

1950 एमीलियो नीनो फरिना पहले फार्मूला वन वर्ल्?ड चैंपियन बने।

1968 ब्रिटिश डॉक्टरों ने नस की सूजन के मामलों में वृद्धि देखी है, जो जन्म नियंत्रण की गोलियों का उपयोग करने वाली महिलाओं में रक्त जमावट का कारण बनता है।

1971 कतर को स्वतंत्रता प्राप्त हुई।

1984 एक भयानक तूफान की वजह से दक्षिण फिलिपीन्स में करीब 1300 मारे गए और सैकड़ों घायल हुए। हवाओं की रफ्तार 185 किलोमीटर प्रति घंटे तक मापी गई।

1991 अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना के हेमलेट में एक जलते हुए चिकनप्रोसेसिंग प्लांट के अंदर आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई।

2001 ट्रबल-प्रोटेस्टेंट वफादारों ने उत्तरी आयरलैंड के अर्दोयने, बेलफ़ास्ट के प्रोटेस्टेंट हिस्से में लड़कियों के लिए एक कैथोलिक स्कूल की पिकेटिंग शुरू की।

कोलकाता केस ने एक बार फिर हमारी प्रशासनिक कमजोरियों को उजागर कर दिया

कमलेश पांडे

दिल्ली निर्भया बलात्कार हत्याकांड के लगभग 12 वर्ष बाद कोलकाता रेप-मर्डर केस की पुनरावृत्ति भारतीय जनतांत्रिक प्रशासनिक व्यवस्था पर गम्भीर सवाल खड़ा करती है। वहीं, इन दोनों मामलों को जरूरत से ज्यादा तूल देने और अन्य समकक्ष घटनाओं की उपेक्षा करने में हमारे राजनेताओं और मीडिया की भूमिका भी संदेह के कठघरे में है! कोलकाता के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर की रेप और हत्या के मामले में पश्चिम बंगाल में जिस तरह की राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ी हुई हैं, उससे हर कोई भयभीत नहीं तो चिंतित अवश्य लग रहा है, क्योंकि यह सबकुछ भारत की सांस्कृतिक राजधानी कहे जाने वाले कोलकाता में घट रहा है, जिससे देर-सबेर हमारी संस्कृति भी अछूती नहीं बचेगी।

लिहाजा, सुलगता हुआ सवाल यह है कि आखिर में ऐसी बदसूरत घटनाएं कब तक थमेंगी? और यदि नहीं रुकेंगी तो फिर समकालीन संवैधानिक लोकतांत्रिक व्यवस्था की जरूरत ही क्या है? क्योंकि यह व्यवस्था सबके वेतन-भत्ते की गारंटी तो देता है, लेकिन किसी भी बड़ी या छोटी लापरवाही के बाद जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय नहीं करता है! यही वजह है कि सत्ताधारी वर्ग मजे में रहता है और जनता बिल्कुल अनाथ की मानिंद। इसलिए अकसर यह सवाल जेहन में उठता है कि आखिर में क्यों नहीं उस वैकल्पिक प्रशासनिक व्यवस्था पर विचार किया जाए, जहां इस तरह के जघन्य अपराध करने की हिमाकत ही कोई कर नहीं पाए। क्या यह संभव है? नई विश्व व्यवस्था के नजरिए से कतई असंभव नहीं है।

आपने देखा होगा कि एक ओर तृणमूल कांग्रेस नेत्री और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कह चुकी हैं कि पश्चिम बंगाल में आग लगाने की साज़िश हो रही है। अगर पश्चिम बंगाल जलेगा तो असम, पूर्वोत्तर राज्य, उत्तर प्रदेश, ओडिशा और दिल्ली भी जलेंगे। वहीं, दूसरी ओर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का बयान आया है कि चिंतित हूँ और डरी हुई हूँ। इससे इस मामले की गम्भीरता और ज्यादा बढ़ चुकी है। सबको अंदेशा है कि पश्चिम बंगाल की नाजुक परिस्थितियों के मद्देनजर वहां पर कभी भी राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है, जो जरूरी भी है, वहां के निरन्तर घट रहे घटनाओं के मद्देनजर। विरोध-प्रदर्शन, बंद और हिंसा की घटनाओं के बीच प्रदेश के राज्यपाल सीवी आनंद बोस जब दिल्ली के लिए रवाना हो गए, तो इससे इन अटकलों को और अधिक बल मिला है।

बता दें कि गत गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुकांता मजूमदार और वरिष्ठ नेताओं ने राज्यपाल से मुलाक़ात कर एक ज्ञापन सौंपा था और उनसे अनुरोध किया था कि वह पश्चिम बंगाल में संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करें। इससे पहले गत 27 अगस्त को राज्यपाल ने भी एक बयान जारी कर पश्चिम बंग छात्र समाज के बुलाए गए नबन्ना मार्च (सचिवालय पर प्रदर्शन) के दौरान हुई हिंसा को लेकर राज्य सरकार की आलोचना की थी।

लिहाजा, यहां पर एक और सुलगता हुआ सवाल उठता है कि क्या दिल्ली की जमी-जमाई मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को निर्भया कांड की आड़ में निपटाने योग्य माहौल बनाने के बाद अब बंगाल की जमी-जमाई मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भी कोलकाता दुष्कर्म हत्याकांड के बहाने निपटाने योग्य माहौल बनाने की जिम्मेदारी कतिपय लोगों ने ले ली है, जैसा कि मीडिया

के माहौल को देखकर प्रतीत हो रहा है। या फिर यह सब एक लोकतांत्रिक दस्तूर बन चुका है, जो किसी भी घटना के बाद नजर आता है।

आखिर यह कौन नहीं जानता कि देश में चल रहे तमाम तरह के संगठित अपराधों को सत्ताधारी दल और प्रशासनिक महकमे के असरदार लॉबी का परोक्ष शह प्राप्त होता है, जिसकी कड़ी से जुड़े लोग यदा-कदा जघन्य से जघन्य अपराध करने तक से भी कोई गुरेज नहीं करते। इस पूरे प्रकरण में डॉ घोष की चर्चित भूमिका के दृष्टिगत यहां भी कुछ ऐसा ही प्रतीत हो रहा है। इसलिए पुन: यही बात उठी है कि लोकतंत्र और बहुमत जुगाड़ के नाम पर हमारे सत्ताधारी नेता ऐसे तत्वों के खिलाफ आखिर कबतक अपने मुंह बन्द रखेंगे? क्योंकि जब वो विपक्ष में होते हैं तो ऐसे तत्वों के खिलाफ खूब बोलते हैं, लेकिन सत्ता में आने के बाद उन्हें सांप सूंघ जाता है और ऐसे तत्वों के खिलाफ खामोशी की चादर ओढ़ लेते हैं। इसलिए अब एक ऐसी पारदर्शी व्यवस्था की जरूरत है जहां लोकतंत्र और बहुमत के जुगाड़ के खातिर कोई भी सियासी या सामाजिक व्यक्ति गलत को नजरअंदाज करने की हिमाकत ही नहीं कर पाए और यदि करे भी तो उसकी भारी कीमत चुकाने के लिए तैयार रहे। ऐसी व्यवस्था अभी तो सम्भव प्रतीत नहीं होती!

वहीं, पश्चिम बंगाल की राजनीति पर नज़र रखने वाले बताते हैं कि मुख्यमंत्री के हालिया अटपटे बयानों से यह प्रतीत हो रहा है कि आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज में बलात्कार और हत्या की घटना के बाद आम लोगों में पनपे आक्रोश से ममता बनर्जी दबाव में हैं। उन्हें इतने दबाव में पहली बार देखा जा रहा है। वहीं कुछ ऐसे भी हैं, जिन्हें लगता है कि वह इससे जल्द ही उबर जाएंगी। ये सही है कि ये पहली बार नहीं है, जब ममता बनर्जी को आंदोलन का सामना करना पड़ रहा हो, लेकिन वो मानते हैं कि इस बार वो दबाव में इसलिए दिख रही हैं क्योंकि आम लोगों के बीच उनके शासन चलाने के तरीक़े की आलोचना हो रही है।

खासकर महिलाओं के ख़िलाफ़ अपराध को लेकर पश्चिम बंगाल सरकार का ये रिकॉर्ड नहीं रहा है कि उसने किसी पीड़िता को इंसाफ़ दिलवाया हो या फिर इस तरह की घटनाओं को अंजाम देने वालों को कभी क़ानूनी शिकंजे में जकड़ा हो। इसलिए आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज की घटना के बाद आम लोगों और ख़ास तौर पर आम महिलाओं का ग़ुस्सा फूट पड़ा, जिसका तृणमूल कांग्रेस के बड़े नेताओं, राज्य सरकार या ख़ुद ममता बनर्जी को अंदाज़ा नहीं था।

बताया गया है कि जिस तरह से कोलकाता पुलिस की भूमिका इस मामले को लेकर रही, जैसे एफ़आईआर दर्ज करने में देरी, पीड़िता के माता-पिता को ग़लत जानकारी दिया जाना या फिर घटना में %सिविल वॉलंटियर% का शामिल होना-ये सब लोगों के ग़ुस्से को बढ़ाता रहा। कई चीज़ें एक साथ हुईं। जैसे मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल और अन्य वरिष्ठ प्रशासकों की भूमिका। फिर अभियुक्त संजय राय पुलिस का ही हिस्सा है, बतौर एक सिविल वॉलंटियर। फिर 14 और 15 अगस्त की दरमियानी रात में आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज में विरोध कर रहे जूनियर डॉक्टरों पर जो भीड़ का हमला हुआ, उससे कोलकाता पुलिस की छवि तो ख़राब हुई ही साथ ही पश्चिम बंगाल सरकार भी आम लोगों के सवालों के घेरे में आ गई।

एक ओर कोलकाता रेप-मर्डर केस के बाद भाजपा सड़कों पर है तो इस मामले पर ममता की पार्टी में बाग़ी रुख़ के बीच अभिषेक बनर्जी की चुप्पी पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। कोलकाता में ममता सरकार के ख़िलाफ़ विरोध-प्रदर्शन लगातार जारी है। पीड़िता के परिवार और जूनियर डॉक्टरों के आक्रोश के बावजूद आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल संदीप घोष पर प्रशासनिक कार्रवाई ना करते हुए, उनको कोलकाता नेशनल मेडिकल कॉलेज और अस्पताल का प्रिंसिपल बना दिया गया। वो भी तब जब उनके ख़िलाफ़ प्रशासनिक अनियमितताओं के आरोपों की लिखित शिकायत राज्य सरकार के पास मौजूद थी।

यही वजह है कि पश्चिम बंगाल सरकार के रुख़ को लेकर कोलकाता हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने भी तल्ख टिप्पणियां कीं। इससे लोगों के बीच राज्य सरकार और ममता बनर्जी को लेकर आक्रोश भड़क गया। ऐसा पहली बार भी हुआ है कि आम लोगों के साथ-साथ, अलग-अलग ही सही, सभी विपक्षी दल, जैसे कांग्रेस और वाम दलों ने भी ममता बनर्जी के ख़िलाफ़ इस घटना के बाद मोर्चा संभाला। दरअसल प्रशासन के ख़िलाफ़ लोगों का जो ग़ुस्सा फूट पड़ा, वह सिर्फ़ एक घटना की वजह से नहीं है बल्कि कई मुद्दे हैं, जिनको लेकर लोगों में आक्रोश पहले से ही पनप रहा था।

सत्ता-स्वार्थ के चलते बनते-बिगड़ते राजनीतिक रिश्ते

राजकुमार सिंह

राजनीति में रिश्ते बदलते देर नहीं लगती। %कोल्हान के टाइगर% कहे जाने वाले चंपई सोरेन तीन जुलाई तक झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की सरकार के मुख्यमंत्री थे, फिर वापस मंत्री रह गए और अगस्त समाप्त होते-होते भाजपाई बन गए। कभी जिनके हाथों में धुनष-बाण होता था, अब कमल होगा। चंपई के साथ आ जाने से भी झारखंड में कमल खिल पाएगा या नहीं, यह तो 2024 के आखिर में होनेवाले विधानसभा चुनावों के नतीजे ही बताएंगे, लेकिन फिर साबित हो गया कि नेताओं के लिए अपना स्वार्थ और सत्ता ही सर्वोपरि होती है। चंपई पुराने संघर्षशील नेता हैं, पर साल 2024 के आठ महीनों में झारखंड ही नहीं, देश ने उनके कई राजनीतिक रंग देख लिए। व्यक्ति केंद्रित क्षेत्रीय दलों में परिवार से बाहर किसी की ताजपोशी की कल्पना नहीं की जाती। फिर भी झामुमो के सर्वेसर्वा शिबू सोरेन के बेटे हेमंत सोरेन ने इसी साल जनवरी के आखिरी दिन मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर चंपई सोरेन को झारखंड का नया मुख्यमंत्री बनवाया। उनके शपथ ग्रहण के लिए दो दिन तक राजभवन की हीला-हवाली के लिए तब जिस केंद्र सरकार और भाजपा पर उंगली उठी थी, चंपई ने अब उन्हीं का दामन थाम लिया। इस्तीफा देना शायद हेमंत की मजबूरी थी, लेकिन चंपई को मुख्यमंत्री बनाना राजनीतिक दूरदर्शिता के साथ उदारता भी थी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा मनी लांड्रिंग केस में गिरफ्तारी के चलते हेमंत ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया था। बेशक वह अरविंद केजरीवाल की तरह जेल से सरकार चलाने की जिद कर सकते थे या फिर पड़ोसी राज्य बिहार में दशकों पुराने लालू-राबड़ी यादव प्रकरण से प्रेरणा लेकर अपनी पत्नी कल्पना को मुख्यमंत्री बना सकते थे। लेकिन विरोधियों को लोकसभा चुनाव में उनके विरुद्ध परिवारवाद का मुद्दा मिल जाता। शायद इसलिए भी उन्होंने वरिष्ठ आदिवासी नेता चंपई सोरेन को उत्तराधिकारी बनाया। चंपई को जब मुख्यमंत्री बनाया गया तो उसे हेमंत का ट्रंप कार्ड माना गया। झारखंड के संघर्षशील आदिवासी नेताओं में शुमार चंपई की ताजपोशी का झामुमो को अप्रैल से जून के बीच हुए 18 वीं लोकसभा के चुनावों में लाभ भी मिला। 2019 के लोकसभा चुनाव में 14 में से 11 सीटें जीतनेवाली भाजपा इस बार आठ सीटों पर सिमट गई, जबकि आदिवासी बहुल पांचों सीटें विपक्षी गठबंधन इंडिया ने जीत लीं। तीन सीटें झामुमो ने जीतीं, जबकि दो कांग्रेस ने। हेमंत का राजनीतिक दांव चुनावी बिसात पर भी ट्रंप कार्ड साबित हो रहा था, लेकिन हाई कोर्ट से जमानत मिलते ही उन्होंने वापस मुख्यमंत्री बनने की जो जल्दबाजी दिखाई, उससे इसी साल के अंत में होनेवाले विधानसभा चुनावों में बाजी पलट भी सकती है। अगर चंपई को ही मुख्यमंत्री रखते हुए हेमंत आक्रामक चुनाव प्रचार का नेतृत्व करते तो परिणाम एकतरफा भी हो सकते थे।

कई वर्गों को नहीं मिला हक, तभी तेज हुई है जाति जनगणना की मांग

अनिल सिन्हा

जाति जनगणना फिलहाल देश का सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा बन गई है और माना जा रहा है कि अब इसे नजरअंदाज करना सरकार के लिए संभव नहीं होगा। इंडिया गठबंधन ने इसे अपने अजेंडे में पहला स्थान दे रखा है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के पिछले डेढ़-दो साल की राजनीति पर गौर करें तो लगेगा कि अब इसे वह अपना सबसे बड़ा हथियार बना चुके हैं। संसद में जाति जनगणना पर उनके जोर देने से भाजपा इतनी नाराज हुई कि उसने उनकी जाति ही पूछ ली।

आरक्षण के सवाल की ही तरह जाति जनगणना का सवाल भी शब्दों के तीखे हमले की स्थिति बना देता है। राहुल गांधी गिनती कराने लगते हैं कि सरकारी महकमों में अभी भी फैसले लेने वाले पदों पर दलित, पिछड़े और आदिवासियों की संख्या नगण्य है। उनका यह कथन पूरी तरह सही है। लेकिन यह सवाल भी तो है कि क्या यह स्थिति आज की है? पिछड़ों को तो नब्बे के दशक में आरक्षण दिया गया, लेकिन दलित व आदिवासी आजादी के समय से ही नौकरियों और शिक्षा में रिजर्वेशन पा रहे हैं। फिर भी फैसला लेने वाले पदों पर उनकी संख्या नगण्य है। इसका जवाब तो कांग्रेस को देना पड़ेगा। इसका मतलब है कि जाति जनगणना को सिर्फ पार्टियों के चश्मे से देखना सही नहीं है।

जाति जनगणना और संख्या के हिसाब से रोजगार, शिक्षा और सत्ता में भागीदारी का मामला काफी जटिल है। पिछड़े, दलित और आदिवासियों की भागीदारी काफी कम है, यह एक तथ्य है। लेकिन इस सीमित भागीदारी का मौका भी कुछ खास जातियों या समूहों तक ही सिमटा रह गया है। अशिक्षा, गरीबी और बेरोजगारी से निकलने के तंग रास्ते में प्रवेश करना अनेक समूहों और जातियों के लिए संभव नही हो पाया है। बिहार के मुसहर, उत्तर भारत के वाल्मीकि, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना तथा कर्नाटक के मादिगा और महाराष्ट्र के मातंग ऐसे ही समूह हैं। ये अनुसूचित जातियां हैं। इसी तरह अनुसूचित जनजातियों में बिरहोर और कोरबा जैसे कई समूह हैं। पिछड़े वर्गों में राजभर, निषाद से लेकर अनेक जातियां हैं जो अत्यंत पिछड़ी अवस्था में हैं।

75 सालों के दलित-आदिवासी आरक्षण और करीब 35 सालों के पिछड़ा आरक्षण से समूहों के बीच की असमानता में बहुत बड़ा बदलाव नहीं आया। इन समूहों और अगड़ी जातियों के बीच का अंतर कम नहीं हुआ है। आरक्षण पाने वाली जातियों के मुट्ठी भर लोग शिक्षा और रोजगार में इस अगड़ी जातियों से कुछ हद तक स्पर्धा करने की स्थिति में जरूर आ गए। लेकिन यह सांकेतिक ही है।

फिर भी ऊंच-नीच की सीढ़ियों वाले ऐसे समाज में जहां शादी में घोड़ी चढ़ना भी कुछ जातियों के लिए मना हो, ये परिवर्तन महत्वपूर्ण हैं। लोकतंत्र के फैलाव के साथ असमानता की गहरी खाई मिटाने की ललक भी बढ़ी है। राजनीतिक पार्टियों खास कर सामाजिक न्याय वाली पार्टियों ने इसमें बड़ी भूमिका निभाई है। समाजवादियों, साम्यवादियों और आंबेडकरवादियों ने अपने-अपने तरीके से लोगों को सामाजिक तथा राजनीतिक तौर पर संगठित किया है और उनमें इतनी सजगता लाई कि वे अब उचित भागीदारी की मांग करने लगे हैं।

जाति जनगणना भागीदरी की इसी मांग की अभिव्यक्ति है। इस मांग के जोर पकड़ने की कई वजहें हैं। पिछड़ों को लग रहा है कि आरक्षण पूरी तरह लागू नहीं हो रहा है और उनके हिस्से की नौकरी अगड़ी जातियों को चली जाती हैं। उनका आरोप है कि योग्य उम्मीदवार नहीं मिलने जैसे बहानों से उन्हें आरक्षण के लाभ से वंचित कर दिया जाता है। अत्यंत पिछड़ों की शिकायत है कि उनके बीच की ही कुछ जातियां आरक्षण का लाभ निगल रही हैं।

आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा को लेकर भी विवाद है। चुनावों ने जातियों के अंकगणित को महत्वपूर्ण बना दिया है और कमोबेश जातियों की आबादी की मोटी जानकारी लोगों के पास है। इसलिए पिछड़ों को 27 प्रतिशत आरक्षण अपनी आबादी से कम लगता है। कई राज्यों ने उनका आरक्षण बढ़ाया भी। लेकिन 50 प्रतिशत की सीमा के कारण यह फैसला सुप्रीम कोर्ट में टिक नहीं पाता। अदालतें कई फैसलों में सही आंकड़े तैयार करने की सलाह दे चुकी हैं।

साल 2010 में संसद ने सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव किया कि 2011 की जनगणना में जाति की गणना भी हो। लेकिन तत्कालीन सरकार ने इसके बदले सामाजिक-आर्थिक तथा जाति का सर्वे किया। यह काम ग्रामीण विकास व शहरी विकास मंत्रालय ने किया। कई लोगों का मानना है कि इसे सही ढंग से नहीं किया गया और जातियों की संख्या 46 लाख तक पहुंच गई। गलतियों को ही कारण बताते हुए इस सर्वेक्षण को सरकार ने प्रकाशित नहीं किया।

भाजपा और आरएसएस का मानना है कि जाति जनगणना विभाजनकारी और जातिवाद बढ़ाने वाला है। लेकिन सवाल है कि क्या अभी हमारा समाज जातियों में नहीं बंटा है? दलित और आदिवासियों की गणना तो आजादी के बाद से हो रही है। क्या इससे समाज बंटा है? क्या कर्नाटक और बिहार में हुए जाति सर्वेक्षण ने वहां समाज को बांट दिया? सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को दस प्रतिशत आरक्षण बिना किसी गिनती के दे दिया गया है। इसे सुप्रीम कोर्ट ने कानूनी करार दिया। लेकिन पिछड़ों के आरक्षण में वृद्धि को सर्वोच्च न्यायालय आंकड़ों के अभाव के आधार पर अस्वीकार कर देता है? ऐसे में, पिछड़ों के सामने जाति जनगणना की मांग करने के अलावा क्या रास्ता है? यह सोचना गलत होगा कि जाति जनगणना सारी असमानताओं को मिटा देगा। यह तो महज जातियों के बीच की खाई को मापने का तरीका है। राहुल गांधी की इस बात में दम है कि यह समाज का एक्सरे है। एक्सरे के बाद ही बीमारी के इलाज की बात हो सकती है।

दुविधा में केंद्र, राजनीतिक दल और मुख्यमंत्री

पी. चिदम्बरम

केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी समेत राजनीतिक दल और मुख्यमंत्री खुद को दुविधा की स्थिति में पाते हैं। ऐसा पैंशन के सवाल पर हो रहा है। भारत के एक निश्चित आयु के सभी नागरिकों को पैंशन नहीं मिलती। भारत में कोई भी सामाजिक सुरक्षा योजना नहीं है जो किसी नागरिक को पैंशन प्रदान करती हो। निजी क्षेत्र में कार्यरत लाखों लोगों को सेवानिवृत्ति पर पैंशन नहीं मिलती। यहां तक कि भारतीय रक्षा बलों में शॉर्ट सर्विस कमीशन अधिकारियों को भी पैंशन नहीं मिलती।

जब तक जीवन प्रत्याशा कम थी, पैंशन का कोई महत्व नहीं था। कुछ लोगों को पैंशन मिलती थी, लेकिन सेवानिवृत्ति के बाद बहुत कम लोग लंबे समय तक जीवित रहते थे। 1947 में, जब भारत स्वतंत्र हुआ, तो जीवन प्रत्याशा 35 वर्ष से कम थी। आज, यह 70 वर्ष से थोड़ा अधिक है।पैंशन की बाध्यता, औसतन, सेवानिवृत्ति के बाद 10-12 वर्षों तक बनी रहेगी और यदि पारिवारिक पैंशन की अवधारणा है, तो यह जीवनसाथी को भी जारी रह सकती है। यही कारण है कि अधिकांश नियोक्ता पैंशन से सावधान रहते हैं। कर्मचारियों के पास एक सशक्त तर्क है कि पैंशन लंबी और निष्ठावान सेवा के माध्यम से अर्जित अधिकार है और पैंशन एक आस्थगित वेतन है; या पैंशन सेवानिवृत्ति के बाद सम्मान के साथ जीवन जीने के अधिकार का मार्ग है। सरकारी कर्मचारियों के मामले में, 'पैंशन के अधिकार' ने तर्क जीता और यह सही फैसला था। जो लोग उन वर्गों की ओर इशारा करते थे जिन्हें पैंशन का अधिकार नहीं है, उनके लिए जवाब था कि पैंशन का अधिकार उन तक भी पहुंचाया जाना चाहिए। वास्तव में, सभी वर्गों के लोगों के लिए एक सार्वभौमिक पैंशन योजना होनी चाहिए। जैसे-जैसे सरकारी कर्मचारियों के लिए पैंशन की शुरूआत हुई, एक सुनिश्चित न्यूनतम पैंशन की अवधारणा ने भी जड़ें जमा लीं। यह अवधारणा अंतिम प्राप्त मूल वेतन और महंगाई भत्ते के 50 प्रतिशत पर आ गई।

जब जनवरी 2004 में नई पैंशन योजना (एन.पी.एस.) ने पुरानी पैंशन योजना (ओ.पी.एस.) की जगह ली, तो इसने पैंशन के 2 स्तंभों को हिला दिया। इसने गैर-अंशदायी परिभाषित लाभ योजना को एक परिभाषित अंशदायी योजना में बदल दिया और इसने न्यूनतम पैंशन की अवधारणा को चुपचाप त्याग दिया। विरोध शुरू हो गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री ए.बी. वाजपेयी ने झुकना स्वीकार नहीं किया और उनके उत्तराधिकारी डा. मनमोहन सिंह ने भी 10 साल तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इसी तरह, नरेंद्र मोदी ने 10 साल तक जमीन नहीं छोड़ी, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनावों में फैसले ने पूरी तरह से गतिशीलता बदल दी है।

3 अगस्त, 2022 को पी.आई.बी. की एक विज्ञप्ति के अनुसार, केंद्र सरकार के पैंशनभोगियों की कुल संख्या 69,76,240 थी। 2024-25 में पैंशन पर बजटीय व्यय 2,43,296 करोड़ रुपए है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मार्च 2023 तक, एन.पी.एस. में 23.8 लाख केंद्र सरकार के ग्राहक और 60.7 लाख राज्य सरकार के ग्राहक थे। 2024 में, संख्या थोड़ी अधिक या थोड़ी कम हो सकती है, लेकिन हम अनुमानित आंकड़े जानते हैं।

यह भारत की आबादी का एक अंश है। एक अनियोजित पैंशन योजना जो कि ओ.पी.एस. थी, अर्थव्यवस्था को वित्तीय रूप से बर्बाद कर देगी। सरकारें मौजूदा राजस्व से 'भुगतान नहीं कर सकतीं'। किसी को इस योजना को निधि देनी होगी।यह या तो सरकार या कर्मचारी या दोनों हो सकते हैं। एन.पी.एस. एक ऐसी योजना थी जिसे सरकार (14 प्रतिशत) और कर्मचारी (10 प्रतिशत) दोनों द्वारा वित्तपोषित किया गया था। 'वित्तपोषण' एक अच्छा अर्थशास्त्र है।

सरकार द्वारा घोषित एकीकृत पैंशन योजना (यू.पी.एस.) एक ऐसी योजना है जिसे सरकार (18.5 प्रतिशत) और कर्मचारी (10 प्रतिशत) द्वारा वित्तपोषित किया जाता है। यू.पी.एस. ने कम से कम 25 साल की सेवा पूरी करने वालों के लिए सेवानिवृत्ति से पहले के 12 महीनों में प्राप्त औसत मूल वेतन के 50 प्रतिशत के बराबर न्यूनतम पैंशन की भी गारंटी दी है। न्यूनतम 10,000 रुपए प्रति माह की पैंशन जो मुद्रास्फीति के लिए समायोजित की जाएगी, का आश्वासन दिया गया है। विस्तृत जानकारी का इंतजार है। लेखन के समय, अधिकांश राज्य सरकारों ने यू.पी.एस. पर कोई टिप्पणी नहीं की है। कांग्रेस सहित प्रमुख राजनीतिक दल यू.पी.एस. पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। हालांकि, केंद्र सरकार के कर्मचारियों के कई संघों और कई केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने पैंशन फंड में कर्मचारी के योगदान का विरोध किया है।

यह सरकारों ,राजनीतिक दलों और कर्मचारी संघों के लिए एक बड़ी दुविधा है। विशुद्ध रूप से वित्तीय रूप से जागरूक दृष्टिकोण से कहें तो यू.पी.एस. को तुरंत खारिज नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि, कुछ सवाल बने हुए हैं- क्या कर्मचारी के योगदान और सरकार के योगदान, जो अभी 8.5 प्रतिशत है, के बीच का अंतर भविष्य में और बढ़ जाएगा? टी. वी. सोमनाथन ने कहा कि 'सरकार इस कमी को पूरा करेगी'। क्या यह 'भुगतान के रूप में भुगतान' से एक कदम दूर नहीं है? जबकि योगदान का 10+10 प्रतिशत स्वीकृत पैंशन फंड प्रबंधकों को सौंपा जाएगा, क्या 8.5 प्रतिशत योगदान का निवेश किया जाएगा और यदि किया जाएगा, तो किसके द्वारा और कहां? पहले वर्ष के लिए 6,250 करोड़ रुपए की अतिरिक्त धनराशि कम बताई गई प्रतीत होती है; क्या यह सच है?

महिला विरोधी अपराध के दलदल में भद्रलोक

उमेश चतुर्वेदी

बंकिम चंद्र की शस्य श्यामला माटी वाला पश्चिम बंगाल शक्ति पूजक समाज है। शरद ऋतु के स्वागत के साथ बंगाल की धरती दुर्गा के स्वागत में हर साल विभोर होती रही है। बंगाल में महिलाओं का सम्मान की कैसी परंपरा है, इसे समझने के लिए दुर्गा पूजा के विधान को समझना चाहिए। जहां मूर्ति बनाने के लिए उन वेश्याओं के घर से पहली मिट्टी लाई जाती है, जिन्हें आम तौर पर समाज त्याज्य और गंदा मानता है। बंगाल की धरती कैसी नारी पूजक रही है, किस तरह वह नारियों का सम्मान करती रही है, इसके उदाहरण आजादी के आंदोलन के इतिहास में जैसे मिलते हैं, अन्य राज्यों में कम। स्वाधीनता संग्राम में जिन तीन महिलाओं ने आगे बढ़कर हिस्सा लिया और अपने ज्ञान और संघर्ष से भारत को आलोकित किया, वे तीनों बंगाल की बेटियां थी। पहली थीं अरूणा गांगुली, जो बाद में अरूणा आसफ अली बनीं, दूसरी थीं सुचेता मजूमदार जो बाद में सुचेता कृपलानी के नाम से प्रसिद्ध हुईं। तीसरीं थीं सरोजिनी चट्टोपाध्याय जो बाद में भारत कोकिला सरोजिनी नायडू बनीं। बंगाल की माटी नारी की कितना सम्मान करती रही है, उसका एक और उदाहरण कमला देवी चट्टोपाध्याय भी रहीं। जब भारत के अन्य इलाकों की महिलाएं घूंघट के पीछे सिर्फ परिवार के कोल्हू में पिस रहीं थीं, तब बंगाल ने अपनी बेटियों को वाजिब सम्मान दिया और उन्हें आगे बढ़ाया। उस बंगाल में कभी महिलाओं के साथ बदसलूकी की कल्पना तक नहीं की जाती थी। वहां अब हालात कैसे बदल गए हैं, इसका अंदाजा लगाने के लिए राधागोविंद कर अस्पताल में हुई घटना को उदाहरण के रूप में लिया जा सकता है। समूचा देश अपनी आजादी की 77 वीं सालगिरह के जश्न में थककर पंद्रह अगस्त की रात जब मीठी नींद के आगोश में था, भद्रलोक की राजधानी कोलकाता के राधा गोविंद कर यानी आरजी कर अस्पताल में जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर की बर्बरता पूर्वक रेप के बाद हत्या कर दी गई। बंगाल में देर रात तक दफ्तर से लौटने वाली लड़कियों की कभी घरवाले चिंता तक नहीं करते थे, अब वे परेशान हो उठे हैं। बंगाल के लोग अपनी बच्चियों के लिए चिंतित हो उठे हैं। बंगाल की धरती पर शायद यह पहली ऐसी घटना है, जिसमें किसी महिला के साथ ऐसी बर्बरता की गई है। इससे शक्तिपूजक बंगाली समाज का क्रोध और क्षोभ से भरना स्वाभाविक है। दिलचस्प यह है कि पश्चिम बंगाल इकलौता ऐसा राज्य है, जिसे महिला मुख्यमंत्री का गौरव हासिल है। महिला के राज में किसी महिला के साथ ऐसा दुराचार लोगों के गले आसानी से नहीं उतर रहा। इसलिए बंगाल इन दिनों खौल रहा है। बंगाल के चुनिंदा बुद्धिजीवियों को छोड़ दें तो समूचा बौद्धिक समाज सड़कों पर उतर आया है। जो चुप हैं या व्यवस्था की तरफदारी कर रहे हैं, वे सत्ताधारी पार्टी के साथ हैं, सांसद या किसी अन्य पद पर हैं। अभी बहुत दिन नहीं हुआ, जब पश्चिम बंगाल के संदेशखाली से भी महिलाओं से बलात्कार की खबरें सामने आईं थीं। वहां की घटना की जब परतें खुलने लगीं तो पता चला कि रेप की घटनाएं अपराध और राजनीति के नापाक गठजोड़ का नतीजा हैं। संदेशखाली को लेकर बंगाली समाज में उबाल तो आया, लेकिन वैसा नहीं, जैसा आरजी कर अस्पताल की दुराचार के बाद दिख रहा है। शायद संदेशखाली की पीड़िताएं ग्रामीण इलाकों की हैं, जबकि आरजी कर की घटना उस कोलकाता शहर की है, जिसे भद्रलोक समाज के लिए जाना जाता है। पश्चिम बंगाल की कड़वी सच्चाई बांग्लादेश से हो रही अवैध घुसपैठ। अवैध घुसपैठियों के समर्थन में बीजेपी छोड़ तकरीबन समूचा बंगाली राजनीति है। 34 साल के वामपंथी शासन के दौरान इस घुसपैठ को वैधता मिली। वामपंथी शासन व्यवस्था के दौरान पार्टी कैडर के नाम पर बड़ा झुंड उभरा। सरकार पर संगठन का नियंत्रण होना चाहिए, लोकतांत्रिक व्यवस्था में इसे स्वीकार किया जा सकता है। लेकिन संगठन की ओर से समानांतर व्यवस्था चलाना और शासन में हर स्तर पर हस्तक्षेप शासन की निष्पक्षता को तो खत्म करता ही है, शासन को पंगु भी बना देता है। प्रांत से लेकर ब्लॉक स्तर तक स्थापित वामपंथी व्यवस्था ने ऊपर से नीचे तक प्रशासन को अपना गुलाम बनाने में कामयाब रहा। प्रशासन और समानांतर पार्टी व्यवस्था ने मिलकर अपराध और राजनीति का मजबूत गठजोड़ बनाया। इस गठजोड़ में पैसा था, पॉवर था, ताकत थी। नीचे से मिले पैसे उपर तक पहुंचते रहे। जनता ठगी जाती रही है। पश्चिम बंगाल का समाज उस संस्थानिक व्यवस्था से इतना परेशान था कि संघर्षशील ममता बनर्जी में नई उम्मीद दिखी।

हिन्दू धर्म में मोर के पंखों का विशेष महत्व है। मोर के पंखों में सभी देवी-देवताओं और सभी नौ ग्रहों का वास होता है। ऐसा क्यों होता है, हमारे धर्म ग्रंथों में इससे संबंधित कथा है .

मयूर पंख से होते हैं हर ग्रह के दोष दूर

भगवान शिव ने मां पार्वती को पक्षी शास्त्र में वर्णित मोर के महत्व के बारे में बताया है। प्राचीन काल में संध्या नाम का एक असुर हुआ था। वह बहुत शक्तिशाली और तपस्वी असुर था। गुरु शुकाचार्य के कारण संध्या देवताओं का शत्रु बन गया था। संध्या असुर ने कठोर तप कर शिवजी और ब्रह्मा को प्रसन्न कर लिया था। ब्रह्माजी और शिवजी प्रसन्न हो गए तो असुर ने कई शक्तियां वरदान के रूप में प्राप्त की। शक्तियों के कारण संध्या बहुत शक्तिशाली हो गया था। शक्तिशाली संध्या भगवान विष्णु के भक्तों का सताने लगा था। असुर ने स्वर्ग पर भी आधिपत्य कर लिया था, देवताओं को बंदी बना लिया था। जब किसी भी तरह देवता संध्या को जीत नहीं पा रहे थे, तब उन्होंने एक योजना बनाई। योजना के अनुसार सभी देवता और सभी नौ ग्रह एक मोर के पंखों में विराजित हो गए। अब वह मोर बहुत शक्तिशाली हो गया था। मोर ने विशाल रूप धारण किया और संध्या असुर का वध कर दिया। तभी से मोर को भी पूजनीय और पवित्र माना जाने लगा। ज्योतिष शास्त्र में भी मोर के पंखों का विशेष महत्व बताया गया है। यदि विधिपूर्वक मोर पंख को स्थापित किया जाए तो घर के वास्तु दोष दूर होते हैं और कुंडली के सभी नौ ग्रहों के दोष भी शांत होते हैं। घर का द्वार यदि वास्तु के विरुद्ध हो तो द्वार पर तीन मोर पंख स्थापित करें।

शनि के लिए

शनिवार को तीन मोर पंख ले कर आएं। पंख के नीचे काले रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ तीन सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें–
ऊँ शनैश्वराय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः
- तीन मिटटी के दीपक तेल सहित शनि देवता को अर्पित करें।
- गुलाब जामुन या प्रसाद बना कर चढ़ाएं। इससे शनि संबंधी दोष दूर होता है।

चंद्र के लिए

सोमवार को आठ मोर पंख लेकर आएं, पंख के नीचे सफेद रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ आठ सुपारियां भी रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ऊँ सोमाय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः
- पान के पांच पत्ते चंद्रमा को अर्पित करें। बर्फी का प्रसाद चढ़ाएं।

मंगल के लिए

मंगलवार को सात मोर पंख लेकर आएं, पंख के नीचे लाल रंग का धागा बांध लेँ। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ सात सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ऊँ भू पुत्राय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः
- पीपल के दो पत्तों पर चावल रखकर मंगल ग्रह को अर्पित करें। बूंदी का प्रसाद चढ़ाएं।

बुध के लिए

बुधवार को छः मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे हरे रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ छः सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ऊँ बुधाय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः
- जामुन बुध ग्रह को अर्पित करें।
- केले के पत्ते पर रखकर मीठी रोटी का प्रसाद चढ़ाएं।

गुरु के लिए

गुरुवार को पांच मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे पीले रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ पांच सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ऊँ बृहस्पते नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः
- ग्यारह केले बृहस्पति देवता को अर्पित करें।
- बेसन का प्रसाद बनाकर गुरु ग्रह को चढ़ाएं।

शुक्र के लिए

शुक्रवार को चार मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे गुलाबी रंग का धागा बांध लेँ। एक थाली में पंखों के साथ चार सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ऊँ शुक्राय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः
- तीन मीठे पान शुक्र देवता को अर्पित करें।
- गुड़-चने का प्रसाद बना कर चढ़ाएं।

सूर्य के लिए

रविवार के दिन नौ मोर पंख लेकर आएं और पंख के नीचे मैरून रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ नौ सुपारियां रखें, गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ऊँ सूर्याय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः
- इसके बाद दो नारियल सूर्य भगवान को अर्पित करें।

राहु के लिए

शनिवार को सूर्य उदय से पूर्व दो मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे भूरे रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ दो सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ऊँ राहवे नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः
- चौमुखा दीपक जलाकर राहु को अर्पित करें। कोई भी मीठा प्रसाद बनाकर चढ़ाएं।

केतु के लिए

शनिवार को सूर्य अस्त होने के बाद एक मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे स्लेटी रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंख के साथ एक सुपारी रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ऊँ केतवे नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः
- पानी के दो कलश भरकर राहु को अर्पित करें।
- फलों का प्रसाद चढ़ाएं।

कौन-से देवता होते हैं भादो मास में प्रसन्न

भाद्रपद हिन्दू कैलेंडर के अनुसार वर्ष का छठा महीना और चतुर्मास का दूसरा महीना है। इसे भादो भी कहते हैं। आओ जानते हैं कि इस पवित्र माह में कौनसे 10 देवताओं की पूजा करने से वे होते हैं प्रसन्न।

- **श्रीकृष्ण** : इसी माह में कृण जन्मोत्सव मनाया जाता है, क्योंकि उनका जनन्म भाद्रपद की अष्टमी को हुआ था। डोल ग्यारस तक उनके जन्मोत्सव की धूम रहती है। इस माह में उनकी पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं। भाद्रपद कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को बलरामजी की जयंती भी रहती है।
- **माता पार्वती** : इस माह में शुक्ल पक्ष की तृतीया को हरितालिका तीज का पर्व मनाया जाता है। व्रत रखकर माता दुर्गा, पार्वती और शिवजी की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **गणेश जी** : भाद्रपद की शुक्ल चतुर्थी से अनंत चतुर्दशी तक गणेशोत्सव मनाया जाता है। भगवान गणेश की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **विश्वकर्मा जी** : भाद्रपद की परिवर्तनी एकादशी के दिन देवताओं के शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **भगवान विष्णु** : भाद्रपद की चतुर्दशी को भगवान विष्णु के अनंत रूप की पूजा होती है। इसी पूजा से अनंत भगवान प्रसन्न होते हैं। इसके अलावा भाद्रपद की अजा और परिवर्तनी एकादशी के दिन भी भगवान विष्णु की पूजा होती है।
- **श्रीराधा जी** : भाद्रपद की कृष्ण पक्ष की अष्टमी को श्री कृष्ण का जन्म और शुक्ल अष्टमी को राधाजी का जन्मोत्सव मनाया जाता है। राधा अष्टमी के दिन राधाजी की श्री कृष्ण के साथ पूजा करने से वे प्रसन्न होती हैं।
- **पितृदेव** : भाद्रपद माह की पूर्णिमा से ही श्राद्ध पक्ष प्रारंभ हो जाता है। इस माह में पितृदेव या पितरों के देव अर्यमा को प्रसन्न किया जाता है। ऋषियों की पूजा के साथ पितृदेव की पूजा करें।
- **शिव जी** : चातुर्मास प्रारंभ होने के बाद विष्णुजी पाताल लोग में योगनिद्रा में चले जाते हैं तब चार माह के लिए शिवजी अपने रुद्र रूप में सृष्टि का संचालन करते हैं अतः इस माह में शिवजी के रुद्र रूप की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं। प्रदोष और मासिक शिवरात्रि के दिन उनकी पूजा करने चाहिए।
- **सूर्यदेव** : इस माह में सूर्यदेव की पूजा भी की जाती है। उन्हें अर्घ्य देने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **हनुमान जी** : भाद्रपद के अंतिम मंगलवार को बुढ़वा मंगलवार मनाया जाता है। माना जाता है कि इसी दिन रावण ने उनकी पूंछ में आग लगा दी थी। जिसके चलते लंका दहन हो गया था।

श्रीकृष्ण के शारंग धनुष की खास बातें

श्रीराम के पास कोदंड, शिवजी के पास पिनाक और अर्जुन के पास गाण्डिव धनुष था। प्रभु श्रीकृष्ण को आपने धनुष धारण करते हुए नहीं देखा होगा परंतु उनके पास था सारंग या शारंग नाम का धनुष। आओ जानते हैं इसके बारे में कुछ खास।

- भगवान श्रीकृष्ण सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर भी थे यह बात तब पता चली, जब उन्होंने लक्ष्मणा को प्राप्त करने के लिए स्वयंवर की धनुष प्रतियोगिता में भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में कर्ण, अर्जुन और अन्य कई सर्वश्रेष्ठ धनुर्धरों ने भाग लिया था। द्रौपदी स्वयंवर से कहीं अधिक कठिन थी लक्ष्मणा स्वयंवर की प्रतियोगिता। भगवान श्रीकृष्ण ने सभी धनुर्धरों को पछाड़कर लक्ष्मणा से विवाह किया था। हालांकि लक्ष्मणा पहले से ही श्रीकृष्ण को अपना पति मान चुकी थी इसीलिए श्रीकृष्ण को इस प्रतियोगिता में भाग लेना पड़ा।
- शारंग का अर्थ होता है रंगा हुआ, रंगदार, सभी रंगोंवाला और सुंदर।
- कहते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण का यह धनुष सींग से बना हुआ था।
- कुछ मानते हैं कि यह वही शारंग है जिसे कण्व की तपस्यास्थली के बांस से बनाया गया था। ब्रह्माजी के आदेश से विश्वकर्माजी ने इन बांसों से 1.गांडीव, 2. पिनाक और 3.सारंग नाम के तीन धनुष बनाए थे।
- यह भी कहा जाता है कि वत्तासुर नाम का एक दैत्य था जिसका संपूर्ण धरती पर आतंक था। उसके आतंक का सामना करने के लिए दधीचि ऋषि ने देशहित में अपनी हड्डियों का दान कर दिया था। उनकी हड्डियों से 3 धनुष बने- 1.गांडीव, 2.पिनाक और 3.सारंग। इसके अलावा उनकी छाती की हड्डियों से इन्द्र का वज्र बनाया गया। इसी सभी दिव्यास्त्रों को लेकर वत्तासुर के साथ युद्ध किया और उसका वध कर दिया गया था।
- एक कथा के अनुसार भगवान कृष्ण और राक्षस शल्व के बीच एक युद्ध के दौरान शारंग धनुष प्रकट होता है। शल्व ने कृष्ण के बाएं हाथ पर हमला किया जिससे कृष्ण के हाथों से शारंग छूट गया। बाद में, भगवान कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से शल्व के सिर को धड़ से अलग कर दिया।
- कहते है कि भगवान विश्वकर्मा ने तीन धनुष बनाए थे। पहला पिनाक, दूसरा गांडिव और तीसरा शारंग। ब्रह्मा ने विष्णुजी और शिवजी के बीच झगड़ा पैदा कर दिया कि तुम दोनों में से बेहतर तीरंदाज कौन है। फिर दोनों में भयंकर युद्ध हुआ। शिवजी के पास पिनाक था और विष्णुजी के नास शारंग। अंत में ब्रह्माजी ने दोनों के क्रोध को शांत किया तब शिवजी ने क्रोधित होकर पिनाक देवरात को सौंप दिया। देवराज से यह धनुष राजा जनक के पास चला गया। इसी तरह विष्णुजी ने भी क्रोधित होकर अपना धनुष ऋषि ऋचिक को सौंप दिया।
- शारंग धनुष सबसे पहले भगवान विष्णु के पास था। विष्णुजी ने इसे ऋषि ऋचिक को दे दिया था। ऋषि ऋचिक ने अपने पौत्र परशुराम को दिया और परशुरामजी ने श्रीराम को दिया। श्रीराम ने यह धनुष जल के देवता वरुण को दे दिया और भगवान वरुणदेव ने खांडवदहन के दौरान इस धनुष को श्रीकृष्ण को सौंप दिया। मृत्यु से ठीक पहले, कृष्ण ने इस धनुष को महासागर में फेंककर वरुण को वापस लौटा दिया।

हताशा से घिर जाएं तो यह उपाय अपनाएं

हमारे आसपास अगर नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाता है तो यह जीवन में हताशा लाता है। इसके लिए वास्तु दोष भी कारण हो सकते हैं। अगर मन में नकारात्मक विचारों का प्रवाह बढ़ रहा है तो वास्तु में बताए गए आसान से उपायों को अपना सकते हैं। यह उपाय जीवन जीने की प्रेरणा देंगे और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाएंगे। हताशा अगर घेरने लगे तो शिव स्तुति, महामृत्युंजय मंत्र, शिवकवच, देवीकवच का पाठ करें। नियमित रूप से भगवान शिव का जलाभिषेक करें। पांच अन्न गेहूं, ज्वार, चावल, मूंग, जवा और बाजरा का दान करें। पक्षियों को अन्न खिलाएं। नमक के जल से स्नान करें। घर में प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था करें। सूरज की किरणें घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सहायक हैं। घर के दरवाजे और खिड़कियों को अच्छे से साफ करें। अगरबत्ती या धूप जलाएं। गायत्री मंत्र का उच्चारण करें। घर में हवन या पूजा कराएं। घर को व्यवस्थित रखें। पुराने पर्दे या चादरें बदल दें। घर के जिस हिस्से में नकारात्मक ऊर्जा का अहसास होता हो वहां जोर-जोर से ताली बजाएं। तुलसी के पौधे को घर में जरूर लगाएं। शनिवार के दिन वस्त्र और भोजन बांटें। घर में सदैव शांति बनाए रखने का प्रयास करें। यह भी माना जाता है कि किसी दूसरी जगह जाने से हताशा और दुर्भाग्य से छुटकारा मिल जाता है।

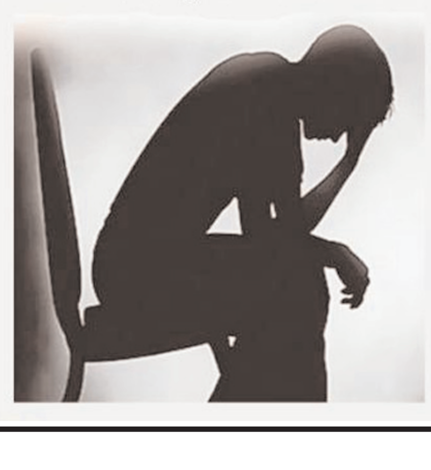

घबराता है मन हमेशा रहती है बेचैनी ...तो यह उपाय आजमाएं

अगर बात-बात पर मन घबराता है। भविष्य को लेकर हमेशा आशंका बनी रहती है। जोखिम के बारे में सोचने से भी डर लगता है तो यह वास्तु उपाय आपके काम आ सकते हैं। इन उपायों को अपनाने से आत्मबल में वृद्धि होगी और अनिष्ट की आशंका भी दूर होगी। आइए जानते हैं इनके बारे में। घर में रोजाना सुबह-शाम भगवान की पूजा करें और पूरे घर में कर्पूर का धुआं करें। हनुमान जी अपने भक्तों का साथ कभी नहीं छोड़ते हैं। मंगलवार के दिन हनुमान जी की पूजा करें। हनुमान जी के मंदिर में चमेली के तेल का दीपक जलाएं। हनुमान चालीसा का नित्य प्रति पाठ करें। घर की छत पर लाल रंग की पताका लगाने से अनिष्ट दूर हो जाते हैं। कभी भी यात्रा पर जाने से पहले प्रकृति के विरुद्ध कुछ न कहें। नकारात्मक शब्दों का प्रयोग तो बिल्कुल न करें। नदी, आग और हवा के बारे कोई बुरी बात न करें। घर से निकलते समय हमेशा अच्छी बात कहें। घर से बाहर जाते समय मुख्य द्वार पर विराजमान गणेश जी से वापस आकर मिलने का वादा करें। घर के मुख्य द्वार के पास तुलसी का पौधा लगाएं। रोजाना तुलसी के पौधे की पूजा करें। तुलसी के सामने सरसो के तेल का दीपक भी जलाएं। दक्षिण दिशा की तरफ पैर कर न सोएं। शयन कक्ष में मुख्य द्वार की ओर पैर कर न सोएं। पक्षियों को लाल मसूर खिलाएं। घर की छत को हमेशा स्वच्छ रखें।

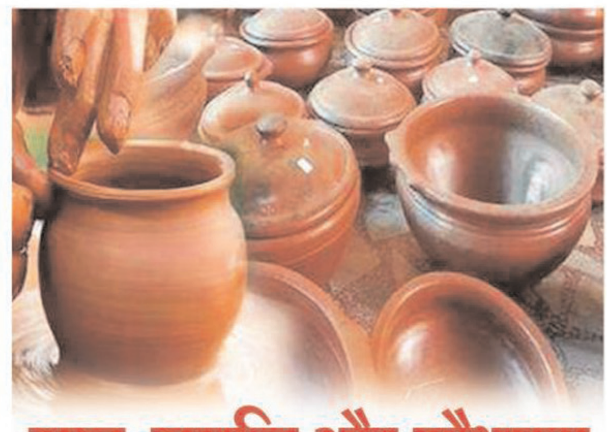

सुख, समृद्धि और सौभाग्य लाते हैं मिट्टी के बर्तन

वास्तु में माना जाता है कि मिट्टी के बर्तन सुख, सौभाग्य और बेहतर स्वास्थ्य लाते हैं। आइए जानते हैं मिट्टी के बर्तनों के कुछ ऐसे फायदे जिन्हें वास्तु में बताया गया है। वास्तु के अनुसार हर व्यक्ति को मिट्टी या भूमि तत्व के पास ही रहना चाहिए। मिट्टी से बनी वस्तुएं सौभाग्य और समृद्धिकारक होती हैं। मिट्टी के बर्तनों में पकाए अन्न में ईश्वरीय तत्व माना जाता है। हर घर में मिट्टी का घड़ा अवश्य होना चाहिए। घड़े का पानी पीने से बुध और चंद्रमा का प्रभाव शुभ होता है। घड़े को घर की उत्तर-पूर्व दिशा में रखें। मानसिक रूप से परेशान हैं तो मिट्टी के घड़े से पौधे को पानी दें। जो लोग मंगल के कोप से प्रभावित हैं, उन्हें कोई भी पेय पदार्थ मिट्टी के बर्तन में ही पीना चाहिए। मिट्टी के बर्तन में पानी भरकर घर की छत पर पक्षियों के लिए अवश्य रखें। मिट्टी से बनी भगवान की मूर्ति को घर में लाने से धन संबंधी परेशानियां दूर हो जाती हैं। रोजाना तुलसी के पौधे के पास मिट्टी का दीया जलाएं। मिट्टी से बनी वस्तुओं या खिलौनों से अपने ड्राइंग रूम को सजाएं। इससे रिश्तों में मधुरता आती है। हर त्योहार पर घर में मिट्टी के दीये जलाएं। घर में मिट्टी के बर्तन रखने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

आखिर गीता में क्या खास है?

कलियुग के प्रारंभ होने के मात्र तीस वर्ष पहले गीता को अर्जुन के अलावा संजय ने सुना और उन्होंने धृतराष्ट्र को सुनाया। गीता में श्रीकृष्ण ने 574, अर्जुन ने 85, संजय ने 40 और धृतराष्ट्र ने 1 श्लोक कहा है। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में जब यह ज्ञान दिया गया तब मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की तिथि एकादशी थी। उस दिन रविवार था। कहते हैं कि उन्होंने यह ज्ञान लगभग 45 मिनट तक दिया था। अर्जुन के नन्दिघोष नामक रथ पर सारथी के स्थान पर खड़े होकर श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश किया था। कहते हैं प्रथम दिन का उपदेश प्रातः 8 से 9 बजे के बीच हुआ था। बाद के उपदेश कैंप में होते थे।

- गीता में भक्ति, ज्ञान और कर्म मार्ग की चर्चा की गई है। उसमें यम-नियम और धर्म-कर्म के बारे में भी बताया गया है। गीता ही कहती है कि ब्रह्म (ईश्वर) एक ही है। गीता को बार-बार पढ़ेंगे तो आपके समक्ष इसके ज्ञान का रहस्य खुलता जाएगा। गीता के प्रत्येक शब्द पर एक अलग ग्रंथ लिखा जा सकता है। इसका कोई सा भी अध्याय अन्य अध्याय का रिपिटेशन नहीं है। विषय भले ही एक हो लेकिन प्रत्येक अध्याय में अलग ही तरह का ज्ञान है।
- गीता में सृष्टि उत्पत्ति, जीव विकास क्रम, हिन्दू संदेशवाहक क्रम, मानव उत्पत्ति, योग, धर्म-कर्म, ईश्वर, भगवान, देवी-देवता, उपासना, प्रार्थना, यम-नियम, राजनीति, युद्ध, मोक्ष, अंतरिक्ष, आकाश, धरती, संस्कार, वंश, कुल, नीति, अर्थ, पूर्वजन्म, प्रारब्ध, जीवन प्रबंधन, राष्ट्र निर्माण, आत्मा, कर्मसिद्धांत, त्रिगुण की संकल्पना, सभी प्राणियों में मैत्रीभाव आदि सभी की जानकारी है। गीता का मुख्य ज्ञान है कैसे स्थितप्रज्ञ पुरुष बनना, ईश्वर को जानना या मोक्ष प्राप्त करना।
- श्रीमद्भगवद्गीता योगेश्वर श्रीकृष्ण की वाणी है। इसके प्रत्येक श्लोक में ज्ञानरूपी प्रकाश है जिसके प्रस्फुटित होते ही अज्ञान का अंधकार नष्ट हो जाता है। ज्ञान-भक्ति-कर्म योग मार्गों की विस्तृत व्याख्या की गई है। इन मार्गों पर चलने से व्यक्ति निश्चित ही परम पद का अधिकारी बन जाता है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

'आप' विधायक अमानतुल्लाह धन शोधन मामले में गिरफ्तार

नईदिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन के एक मामले में जांच के तहत सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक अमानतुल्लाह खान और उनसे संबद्ध कुछ अन्य लोगों को गिरफ्तार कर लिया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। जांच एजेंसी के राष्ट्रीय राजधानी में ओखला इलाके में स्थित अमानतुल्लाह खान के आवास पर तलाशी लेने के बाद धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत उन्हें हिरासत में लिया गया। विधायक के खिलाफ धन शोधन का मामला दो प्राथमिकी से जुड़ा है। वक्फ बोर्ड में अनियमितताओं के आरोप में खान के खिलाफ एक प्राथमिकी केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दर्ज कराई थी जबकि दूसरी प्राथमिकी आय से अधिक संपत्ति मामले में दिल्ली के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने दर्ज कराई थी। सूत्रों ने कहा कि खान (50) ने ईडी के कम से कम 10 समन को नजरअंदाज किया।

तानाशाह के जुल्म के आगे नहीं झुकेंगे क्रांतिकारी : आप

नईदिल्ली। आप ने सोमवार को कहा कि उसके विधायक अमानतुल्ला खान को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झूठे मामले में गिरफ्तार किया है और सत्तारूढ़ भाजपा जितना अधिक अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी की आवाज को दबाने की कोशिश करेगी, वह उतनी ही मुखर होगी। पार्टी ने एक्स पर लिखा कि क्रांतिकारी तानाशाह के अत्याचार के आगे नहीं झुकेंगे। बीजेपी की ईडी ने आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्ला खान जी को फर्जी मामले में हिरासत में ले लिया। बीजेपी के लोग हमें जितना दबाने की कोशिश करेंगे, हमारी आवाज उतनी ही मुखर होगी। दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि केंद्र सरकार खुलेआम गुंडागर्दी कर रही है। वक्फ बोर्ड में भर्ती से जुड़ा एक घिनौना मामला, उस मामले में बोर्ड के तत्कालीन चेयरमैन और हमारे विधायक अमानतुल्लाह खान को आरोपी बनाया गया। उन्होंने कहा कि सबसे पहले 2016 में हल्ला मचा कि एसीबी जांच कर रही है। एसीबी ने उनसे पूछताछ की और उन्हें गिरफ्तार भी किया और फिर उसी एसीबी मामले की कोर्ट में धज्जियां उड़ गईं।

राजद 40 सीटों पर उतारे मुस्लिम उम्मीदवारः प्रशांत

पटना। जन सुराज प्रमुख प्रशांत किशोर ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर मुसलमानों को वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने मांग की कि वे राज्य में समुदाय की आबादी के अनुसार मुसलमानों को टिकट दें। किशोर ने कहा कि अगर राजद समुदाय की भलाई के लिए काम करने का दावा करता है तो मुसलमानों को कम से कम 40 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का मौका दिया जाना चाहिए। प्रशांत किशोर ने कहा कि उनके अधिकार छीनना बंद करें और उन्हें आबादी के अनुसार टिकट दें। आपने उनसे वोट लिया है। प्रशांत किशोर ने यह भी घोषणा की कि उनकी पार्टी जन सुराज बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव जीतेगी। उन्होंने कहा कि 2025 में जन सुराज के मुख्यमंत्री शपथ लेंगे और जन सुराज की सरकार सत्ता में होगी। इसमें कोई अगर-मगर नहीं है। प्रशांत किशोर ने कहा कि 2025 के विधानसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला जन सुराज और एनडीए के बीच होगा।

शराब घोटाले में विजय नायर को 2 साल बाद मिली जमानत

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 2 सितंबर को ईडी द्वारा दायर दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में आरोपी पूर्व आप पदाधिकारी विजय नायर को जमानत दे दी। शीर्ष अदालत ने आप के पूर्व पदाधिकारी को जमानत देते समय संदर्भ के रूप में मनीष सिसौदिया मामले का हवाला दिया। वह 23 महीने से तिहाड़ जेल में हैं। विचाराधीन कैदी के रूप में उन्हें अधिक समय तक जेल में नहीं रखा जा सकता था। प्राकृतिक न्याय यह निर्देश देता है कि कारावास एक अपवाद है, और जमानत नियम है। पूर्व आप मीडिया प्रभारी और आरोपी विजय नायर को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली, जिसने ईडी मामले में विजय नायर को जमानत दे दी। नायर पहले ही सीबीआई मामले में जमानत पर बाहर थे। ईडी मामले में जमानत मिलने के बाद नायर जेल से बाहर आ जायेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने के कविता और मनीष सिसौदिया को मिली जमानत को इस फैसले के लिए आधार बनाया।

कन्नौज केस में नवाब सिंह यादव की बढ़ी मुश्किलें

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस को कन्नौज जिले में एक नाबालिग लड़की से बलात्कार के आरोपी समाजवादी पार्टी के पूर्व नेता नवाब सिंह यादव की डीएनए रिपोर्ट मिल गई है। मामले में एक अहम घटनाक्रम में पुलिस को डीएनए टेस्ट रिपोर्ट मिल गई है। एसपी अमित कुमार के अनुसार, नवाब सिंह यादव का डीएनए सैंपल मैच हो गया है, जिससे अपराध में उसकी संलिप्तता की पुष्टि हो गई है। इस साक्ष्य के आधार पर आगे की कानूनी कार्यवाही होने की उम्मीद है। अदालत के आदेश के बाद, कन्नुज पुलिस ने 16 अगस्त को यादव से डीएनए नमूना एकत्र किया था। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, नमूना जिला जेल में डॉक्टरों की एक टीम द्वारा लिया गया था। कन्नौज सदर के सर्कल ऑफिसर (सीओ) कमलेश कुमार ने कहा कि अदालत में सुनवाई के दौरान न्यायाधीश द्वारा पूछे जाने पर यादव अपना डीएनए नमूना उपलब्ध कराने के लिए सहमत हो गए थे।

नेकां-कांग्रेस के बीच मजबूती नहीं मजबूरी का गठबंधन

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में अभी पहले चरण के चुनाव को 16 दिन शेष हैं। इससे पहले ही नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के गठबंधन पर सवाल उठने शुरू हो गए हैं। ये सवाल किसी और ने नहीं खुद दोनों पार्टियों ने ही उठाए हैं। गठबंधन के दूसरे दिन 27 अगस्त को नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि गठबंधन रियासत बचाने की मजबूरी में किया गया है।

फारूक के बयान के चार दिन बाद जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) मुख्यालय में कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने कहा कि नेकां के साथ चुनाव पूर्व गठबंधन राष्ट्रीय मजबूरी में किया गया है। गठबंधन को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष भी ज्यादा खुश नजर नहीं आए।

उमर ने कहा कि गठबंधन में कई चीजें सहन करनी पड़ती हैं। गठबंधन के चलते हमारे कुछ कार्यकर्ताओं को मौका नहीं मिल पाया है। पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता 10 साल से विधानसभा चुनाव का इंतजार कर रहे थे लेकिन सीट शेयरिंग के चलते कइयों को टिकट नहीं मिल पाए। गठबंधन की मजबूरी का एक बड़ा कारण पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की बिजबिहाड़ा सीट से प्रत्याशी और महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा के बयान से भी झलकता है।

इल्तिजा का कहना है कि जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव में कोई भी पार्टी स्पष्ट रूप से बहुमत हासिल नहीं कर पाएगी। कांग्रेस और नेकां ने बहुमत और सत्ता प्राप्ति के लिए गठबंधन किया है जबकि दोनों की विचारधार मेल नहीं खाती। पीडीपी अंत में किंगमेकर की भूमिका निभाएगी।

पीपुल्स कॉन्फ्रेंस लोकसभा चुनाव के वक्त से नेशनल कॉन्फ्रेंस पर हमलावर रही है। पीडीपी इस बात को लेकर हवा बना रही थी कि नेकां और भाजपा अंदर खाते एक-दूसरे से मिले हुए हैं। प्रदेश में ये दोनों पार्टियां लोगों को दिखाने के लिए विरोध करती हैं और दिल्ली में एक हो जाती हैं।

भाजपा के साथ नाम जुड़ता देख नेकां ने विधानसभा चुनाव से एन वक्त पहले गठबंधन का फैसला लिया। नेकां खुद खुले मंच से कह चुकी है कि भाजपा को रोकना उनका उद्देश्य है। इसके साथ ही वह किसी भी हाल में यह हवा नहीं बनने देना चाहती है कि हम दोनों में किसी तरह से संबंध हैं।

लोकसभा चुनाव के आंकड़ों को देखें तो नेकां ने इंजीनियर रशीद की हवा में बारामुला सीट गंवाने के बावजूद अन्य लोकसभा सीटों पर बेहतर प्रदर्शन किया। इसी तरह से कांग्रेस ने सुचेतगढ़ सहित कुछ सीटों पर अच्छा प्रदर्शन किया। जम्मू संभाग में नेकां का आधार कमजोर है और कश्मीर में कांग्रेस का। वोटों में जीत-हार की खाई को पाटने के लिए भी दो विपरीत विचारधाराओं में चुनाव पूर्व गठबंधन मजबूरी बन गया।

नेकां और कांग्रेस के बीच 83 सीटों पर गठबंधन होने के बाद से ही भाजपा दोनों पार्टियों पर हमलावर है। भाजपा के केंद्र में मंत्री जितेंद्र सिंह से लेकर प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र रैना, प्रदेश प्रभारी तरुण चुग और अन्य लगातार कांग्रेस से सवाल पूछ रहे हैं कि क्या कांग्रेस अनुच्छेद 370 की बहाली को लेकर नेकां के साथ है। इसे लेकर भाजपा ने पोस्ट वार शुरू कर रखी है। हर जगह अनुछेद 370 बहाली पर कांग्रेस से रुख साफ करने का सवाल पूछा जा रहा है। पीडीपी भी गठबंधन को लेकर नेकां पर हमलावर है और इसे मात्र सियासत बचाने तक सीमित करार दे रही है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने कहा हमारी कुछ मजबूरियां थीं। गठबंधन राष्ट्रीय मजबूरी के तहत किया गया। अगर गठबंधन के मापदंडों का पालन नहीं किया जाता, तो कांग्रेस सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार थी।

फारूक अब्दुल्ला ने कहा अगर सियासत को बचाना है तो नेकां और कांग्रेस के बीच गठबंधन जरूरी है। गठबंधन में कभी-कभी लोग खफा हो जाते हैं तो कभी दुखी भी होते हैं। कई चीजें बर्दाश्त करनी पड़ती हैं। गठबंधन का जो अंतिम फैसला हुआ है, बहुत अच्छा हुआ है। हमें कामयाबी जरूर मिलेगी।

भाजपा राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग ने कहा केंद्र शासित प्रदेश के लोगों को नेकां-कांग्रेस गठबंधन के दुर्भावनापूर्ण इरादों से सावधान रहना चाहिए। वे पाकिस्तान के हाथों में खेल रहे हैं। नेकां-कांग्रेस गठबंधन का एकमात्र एजेंडा आईएसआई के साथ जुड़ा है। यह उस कार्य को बाधित करना है जो मोदी ने क्षेत्र के विकास और समृद्धि के लिए किया है। नया गठबंधन जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को फिर से बढ़ावा देगा।

देशभर के किसानों को मोदी सराकर ने दी बड़ी सौगात

डिजिटल कृषि मिशन को मंजूरी आय बढ़ाने पर भी हुए कई फैसले

नईदिल्ली। केंद्र सरकार ने सोमवार को 2,817 करोड़ रुपये के डिजिटल कृषि मिशन को मंजूरी दे दी। कैबिनेट बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि इसे कृषि के लिए डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर की संरचना की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है और कहा कि कुल 2,817 करोड़ रुपये के निवेश के साथ देश में डिजिटल कृषि मिशन स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज कैबिनेट बैठक में किसानों के जीवन को बेहतर बनाने और उनकी आय बढ़ाने के लिए 7 बड़े फैसले लिए गए हैं।

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि पहला है डिजिटल कृषि मिशन। इसे कृषि के लिए डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर की संरचना की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है। कुछ अच्छे पायलट प्रोजेक्ट शुरू किए गए हैं और हमें सफलता मिली है। उस आधार पर कुल 2,817 करोड़ रुपये के निवेश से डिजिटल कृषि मिशन की स्थापना की जायेगी। उन्होंने बताया कि दूसरा फैसला खाद्य एवं पोषण सुरक्षा से जुड़ा है। हम अपने किसानों, अपने कृषि समुदाय को 2047 के लिए जलवायु-अनुकूल फसल विज्ञान और खाद्य सुरक्षा और पोषण सुरक्षा के लिए कैसे तैयार करें - इसे ध्यान में रखते हुए इस कार्यक्रम के लिए 6 स्तंभ स्थापित किए गए हैं जो 3,979 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा।

मंत्रिमंडल ने कृषि शिक्षा और प्रबंधन को सशक्त करने के लिए 2,292 करोड़ रुपये के प्रावधान वाले कार्यक्रम को स्वीकृति दी है। सरकार ने टिकाऊ पशुधन स्वास्थ्य के लिए 1,702 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी है। सरकार ने टिकाऊ पशुधन स्वास्थ्य के लिए 1,702 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी। इसके अलावा मंत्रिमंडल ने बागवानी क्षेत्र के टिकाऊ विकास के लिए 860 करोड़ रुपये की एक और योजना को भी स्वीकृति दी है। वैष्णव ने कहा कि मंत्रिमंडल ने कृषि विज्ञान केंद्रों के लिए 1,202 करोड़ रुपये और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन को मजबूती देने के लिए 1,115 करोड़ रुपये की योजना को भी मंजूरी दी है। कृषि क्षेत्र से संबंधित इन सातों कार्यक्रमों के लिए कुल आवंटन 13,960 करोड़ रुपये से अधिक का है।

वोटिंग से पहले हरियाणा में भाजपा को मिली मजबूती, दो बड़े जाट चेहरे पार्टी में हुए शामिल

चंडीगढ़। हरियाणा में चुनाव से पहले भाजपा को बड़ा फायदा हुआ है। दो बड़े जाट चेहरे, देवेंदर सिंह बबली और सुनील सांगवान, सोमवार को राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह की उपस्थिति में पार्टी में शामिल हो गए। जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) के बागी बबली जहां मनोहर लाल खट्टर के नेतृत्व वाली सरकार में पूर्व मंत्री हैं, वहीं सांगवान ने जेल अधीक्षक के पद से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली है। सांगवान राज्य सरकार में पूर्व मंत्री सतपाल सांगवान के बेटे हैं। उनके क्रमशः टोहाना और चरखी दादरी से विधानसभा चुनाव लड़ने की संभावना है।

एक दिन पहले, जेजेपी के तीन बागी विधायक जींद में एक रैली में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और राज्य चुनाव सह-प्रभारी बिप्लब देब की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हुए। भाजपा में शामिल होने वाले विधायकों में नारनौंद से राम कुमार गौतम, बरवाला से जोगी राम सिहाग और पूर्व मंत्री एवं उकलाना (सुरक्षित) से जेजेपी विधायक अनूप धानक शामिल हैं। जबकि इन सभी ने जेजेपी से इस्तीफा दे दिया था, दो - सिहाग और धानक - ने राज्य विधानसभा से भी अपना इस्तीफा दे दिया था। निर्वाचन आयोग ने पहले मतदान की तारीख एक अक्टूबर मुकर्रर की थी लेकिन बिश्नोई समुदाय के सदियों पुराने त्योहार को ध्यान में रखते हुए शनिवार को उसने मतदान की तारीख में बदलाव की घोषणा की। आयोग ने कहा कि जम्मू कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनावों की मतगणना अब चार अक्टूबर के बजाय आठ अक्टूबर को होगी। देवेन्द्र बबली ने पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस नेता कुमारी सैलजा की खुलकर मदद की थी और उन्हें उम्मीद थी कि इसके एवज में उन्हें विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का टिकट जरूर मिलेगा। हालांकि, इन उम्मीदों को झटका लगने के बाद उन्होंने भाजपा में शामिल होने का फैसला किया।

खेल
प्रमुख समाचार

पैरालिंपिक में निषाद कुमार ने जीता सिल्वर मेडल

पेरिस। भारत के निषाद कुमार ने पेरिस पैरालिंपिक में पुरुषों की ऊंची कूद टी47 स्पर्धा में रजत पदक हासिल करके इतिहास रच दिया। यह उपलब्धि 2021 टोक्यो पैरालिंपिक में उनकी सफलता के बाद पैरालिंपिक में उनका लगातार दूसरा रजत पदक है। इस उपलब्धि के बावजूद निषाद ने असंतोष व्यक्त किया क्योंकि वह 2.08 मीटर पर तीनों प्रयासों में विफल रहे, जबकि यूएसए के रोडरिक टाउनसेंड ने अपना लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीता।

निषाद की हालिया जीत के साथ ही पेरिस पैरालंपिक में भारत के पदकों की संख्या सात हो गई है। निषाद का इस मुकाम तक का सफर 2016 पैरालंपिक खेलों से प्रेरित होकर 2017 में शुरू हुआ था। अपने परिवार की आर्थिक तंगी के बावजूद उन्होंने घर छोड़ दिया और कोच नसीम अहमद के पास प्रशिक्षण लेने के लिए पंचकूला चले गए।

निषाद ने उस मुश्किल दौर को याद करते हुए कहा, हमारे पास नमक खरीदने के लिए भी पैसे नहीं थे। मेरे खर्चे उठाने के लिए पिताजी को अतिरिक्त काम करना पड़ता था। पंचकूला में रहते हुए निषाद ने अपना खाना खुद पकाया लेकिन अपनी ट्रेनिंग पर ध्यान केंद्रित रखा। उनकी दृढ़ता का फल तब मिला जब उन्हें 2019 विश्व चैंपियनशिप से पहले तीन महीने के राष्ट्रीय शिविर के लिए चुना गया। पटियाला में भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) केंद्र में निषाद को उचित आवास और पोषण मिला, जिससे वह अपने खेल पर पूरा ध्यान केंद्रित कर सके। उनकी कड़ी मेहनत रंग लाई और उन्होंने अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ में पांच सेंटीमीटर का सुधार किया और 2 मीटर की छलांग के साथ विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।

निषाद की यात्रा और भी उल्लेखनीय है क्योंकि जब वह मात्र सात वर्ष के थे, तब लॉन का घास काटने वाली मशीन से दुर्घटना में उन्होंने अपना दाहिना हाथ खो दिया था।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

रिकॉर्ड हाई पर निफ्टी, सेंसेक्स 82,600 के करीब हुआ बंद

नईदिल्ली। शेयर बाजार में रिकॉर्ड उछाल का सिलसिला लगातार जारी है। एनएसई का बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी-50 आज लगातार 13वें दिन बढ़त पर बंद हुआ तो वहीं एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स भी लगातार 10वें दिन रिकॉर्ड बनाने में कामयाब रहा। इंट्रा डे ट्रेड के दौरान आज लगातार चौथे दिन निफ्टी और तीसरे दिन सेंसेक्स ने लाइफ टाइम हाई दर्ज किया। क्लोजिंग की बात की जाए आज एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 194.07 अंक या 0.24त्न की बढ़त के साथ 82,559.84 के लेवल पर क्लोज हुआ। जबकि, निफ्टी 50 0.17% या 42.80 अंक की बढ़ोतरी के साथ 25,278.70 के लेवल पर क्लोज हुआ। इंट्रा डे ट्रेड के दौरान सेंसेक्स 82,725.28 के आल टाइम हाई लेवल और निफ्टी 25,333.65 के रिकॉर्ड हाई तक पहुंच गए थे। आज ट्रेड के दौरान आईटी इंडेक्स लाइफटाइम हाई पर पहुंच गया।

कोल इंडिया का अगस्त में कोयला उत्पादन 12% घटा

नईदिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का अगस्त में कोयला उत्पादन 11.9 प्रतिशत घटकर 4.61 करोड़ टन रह गया। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने बीएसई को दी सूचना में बताया, अगस्त 2023 में कंपनी का कोयला उत्पादन 5.23 करोड़ टन था। हालांकि, अप्रैल-अगस्त की अवधि में कंपनी का कोयला उत्पादन बढ़कर 29.04 करोड़ टन हो गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 28.15 करोड़ टन था। कोयले का उठाव भी अगस्त में घटकर 5.21 करोड़ टन रह गया, जो अगस्त 2023 में 5.91 करोड़ टन था। घरेलू कोयला उत्पादन में सीआईएल का योगदान 80 प्रतिशत से अधिक है। वित्त वर्ष 2023-24 में कोल इंडिया का उत्पादन 10 प्रतिशत बढ़कर 77.36 करोड़ टन रहा था। हालांकि, यह वित्त वर्ष के लिए 78 करोड़ टन उत्पादन के लक्ष्य से थोड़ा कम रह गया था।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की रफ्तार पर लगा ब्रेक

नईदिल्ली। भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर अगस्त में धीमी रही क्योंकि उत्पादन व बिक्री जनवरी के बाद से सबसे कम दर से बढ़ी, जबकि प्रतिस्पर्धी दबाव तथा मुद्रास्फीति की चिंताओं ने कारोबारी विश्वास को प्रभावित किया। सोमवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित 'एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक' (पीएमआई) अगस्त में 57.5 रहा, जो जुलाई में 58.1 था। पीएमआई के तहत 50 से ऊपर सूचकांक होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दर्शाता है। एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, अगस्त में भारतीय विनिर्माण क्षेत्र में विस्तार जारी रहा, हालांकि विस्तार की गति थोड़ी धीमी रही। नए ठेकों और उत्पादन में मुख्य रुझान देखने को मिला, हालांकि कुछ कारोबारियों ने मंदी के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा को एक मुख्य वजह बताया।

अगस्त में महिंद्रा ने बेचें 76,755 वाहन

नईदिल्ली। महिंद्रा एंड महिंद्रा की अगस्त में कुल थोक बिक्री सालाना आधार पर नौ प्रतिशत बढ़कर 76,755 यूनिट हो गई। मोटर वाहन विनिर्माता की अगस्त 2023 में थोक बिक्री 70,350 यूनिट रही थी। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने बयान में कहा, घरेलू बाजार में बिक्री पिछले महीने 16 प्रतिशत बढ़कर 43,277 यूनिट हो गई, जबकि पिछले साल अगस्त में यह 37,270 यूनिट थी। कंपनी का कुल निर्यात अगस्त में 26 प्रतिशत बढ़कर 3,060 यूनिट हो गया, जो एक वर्ष पहले इसी महीने में यह 2,423 यूनिट था। एमएंडएम के अनुसार, अगस्त में उसकी ट्रैक्टर की कुल बिक्री सालाना आधार पर एक प्रतिशत बढ़कर 21,917 यूनिट रही, जो अगस्त 2023 में 21,676 यूनिट थी।

चीन के मुकाबले अब कहां है भारतीय इकॉनमी

चंद्रभूषण

ग्लोबलाइजेशन की लहर बीते कुछ सालों में थम गई है। हर देश में अपना-अपना देखने, दूसरों के कारोबार में अड़ंगा लगाने की प्रवृत्ति दिखाई पड़ रही है। कोविड महामारी का दौर थमते ही दो-दो लड़ाइयों ने मुद्रास्फीति बढ़ा दी है और इसके असर से विदेश-व्यापार और पर्यटन पर निर्भर कुछ देश दिवालिया होने की तरफ बढ़ गए हैं। पड़ोस में श्रीलंका और बांग्लादेश में संपूर्ण अराजकता की स्थिति हमने देखी है और पाकिस्तान इसके बिल्कुल मुहाने पर पहुंच कर वापस लौटा है। इन हालात को देखते हुए भारत का आर्थिक प्रदर्शन अपेक्षाकृत अच्छा कहा जाएगा।

भारत अभी दुनिया का अकेला ऐसा देश है, जिसकी रूस और अमेरिका-यूरोपीय संघ से समान मैत्री है। हाल तक यूरोप अपनी ईंधन जरूरतों के लिए काफी हद तक रूस पर ही निर्भर करता था लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से पश्चिमी देशों ने रूस के तेल निर्यात पर कई तरह के प्रतिबंध लगा दिए। वहीं, पिछले ढाई वर्षों में रूस से भारी मात्रा में कच्चा तेल खरीद कर भारत अपने विशाल तेल परिशोधन ढांचे के बल पर यूरोप और अफ्रीका को पेट्रोल-डीजल का निर्यात कर रहा है।

इधर, एक अर्से से भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में इन्फ्रास्ट्रक्चर डिवेलपमेंट का योगदान बहुत ज्यादा रहा है। सरकारी और निजी, दोनों तरह की पूंजी सड़क, रेलवे, बिजलीघर, बंदरगाह, रिफाइनरी, हवाई अड्डे, गोदाम और कोल्ड स्टोरेज वगैरह बनाने में जुटी है। इनमें रिफाइनरीज के लिए अभी छप्पर फाड़कर कमाई करने का वक्त है।

दुनिया में ग्रोथ की तीन प्रमुख रणनीतियां अभी तक देखी गई हैं। 1930 के दशक में अमेरिका ने, 1990 के दशक में यूरोपीय संघ ने, इस सदी के पहले दो दशकों में चीन ने और दसेक वर्षों से भारत ने भी 'इन्फ्रास्ट्रक्चर लेड ग्रोथ' का रास्ता अपनाया है। उसके पहले भारत की ग्रोथ 'कंजम्प्शन लेड', उपभोग आधारित मानी जाती थी, जबकि सन 2000 से 2020 तक दिखी चीन जैसी 'एक्सपोर्ट लेड ग्रोथ' हमारा सपना है।

दुनिया भर में आर्थिक वृद्धि और विकास की रणनीतियों पर पुनर्विचार जारी है, क्योंकि हाल तक इस बारे में जो अनुमान लगाए गए थे, पिछले सात-आठ वर्षों में संरक्षणवाद, महामारी और लड़ाइयों के इर्दगिर्द बनी गुटबंदी ने उनका भट्ठा बिठा दिया है। इस दिशा में सबसे चर्चित पूर्वानुमान पीडब्ल्यूसी का माना जाता है, जिसने 2016 में अगले 34 वर्षों के लिए, यानी सन 2050 तक के लिए कुछ आर्थिक भविष्यवाणियां की थीं। इसके लिए उसने जी7 के मुकाबले ई7 नाम की एक अलग, अघोषित श्रेणी खड़ी की थी।

इमर्जिंग-7 नाम की इस श्रेणी में चीन, भारत, रूस, इंडोनेशिया, ब्राजील, मेक्सिको और तुर्किए को शामिल किया गया था। इस आकलन में ई7 की जीडीपी वृद्धि दर जी7 (अमेरिका, जापान, जर्मनी, ब्रिटेन, फ्रांस, इटली और कनाडा) की दोगुनी बताते हुए आंकड़ा पेश किया गया था कि 1995 में ई7 का कुल जीडीपी जी7 का आधा था, 2015 में दोनों लगभग बराबर हो गए थे और 2040 आते-आते ई7 का सम्मिलित घरेलू उत्पादन जी7 की तुलना में दोगुना हो जाएगा। शर्त सिर्फ एक थी कि ई7 के देश इस दौरान अपनी ढांचागत स्थिरता बचा ले जाएं। इस रिपोर्ट में ही बताया गया था कि 2050 में दुनिया के 20% जीडीपी के साथ चीन पहले स्थान पर, 15% जीडीपी के साथ भारत दूसरे स्थान पर और 12% जीडीपी के साथ अमेरिका विश्व अर्थव्यवस्था में तीसरे स्थान पर होगा। इस रिपोर्ट की अटकलें सच्चाई के कितने करीब जा रही हैं, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इसमें 2025 पार करते-करते चीनी अर्थव्यवस्था के अमेरिका से आगे निकल जाने का अनुमान लगाया गया था। लेकिन अमेरिका का जीडीपी अभी 29 ट्रिलियन डॉलर से थोड़ा कम है, जबकि चीन का जीडीपी 18.5 ट्रिलियन डॉलर से थोड़ा ज्यादा। भारत के जीडीपी को लेकर 2025 की अटकल 5.6 ट्रिलियन डॉलर की थी, जो अभी 4 ट्रिलियन तक भी नहीं पहुंचा है।

स्वस्थ और सुपोषित छत्तीसगढ़ की अवधारणा को साकार करने के लिए हम कृत संकल्पित है: साय

मुख्यमंत्री ने आज पोरा के अवसर पर सुपोषण रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने यहां अपने निवास में आयोजित तीजा पोरा तिहार के अवसर पर महिला एवं बाल विकास द्वारा संचालित पोषण रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह सुपोषण रथ राज्य के विभिन्न गांवों में भ्रमण कर लोगों को पोषण का संदेश देगा। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, वन मंत्री श्री केदार कश्यप, राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, श्री किरण देव , विधायक सर्वश्री राजेश मूणत, अनुज शर्मा, खुशवंत साहेब, सचिव महिला एवं बाल विकास श्रीमती शम्मी आबिदी, संचालक तूलिका प्रजापति और बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं महिलाएं उपस्थित थी। इस रथ में सुपोषण पर केंद्रित फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। सुपोषण रथ के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न जिलो में पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी ऑडियो, वीडियो संदेशों का प्रसारण किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि स्वस्थ और सुपोषित छत्तीसगढ़ की अवधारणा को साकार करने के लिये हम कृत संकल्पित है। कुपोषण एवं एनीमिया जैसी चुनौतियों का सामना करने के लिये छत्तीसगढ़ शासन द्वारा गंभीर प्रयास किये जा रहें है। 52 हजार से अधिक आंगनबाडी केन्द्रों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं, शिशुवती महिलाओं, 0 से 06 साल के बच्चें किशोरी बालिकाओं को स्वास्थ्य पोषण संबंधी सेवाओं का प्रदाय किया जा रहा है। सुपोषण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये समुदाय, परिवार एवं व्यक्तिगत स्तर से सकरात्मक व्यवहार परिवर्तन भी बहुत आवश्यक है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जनसमुदाय तक स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता संबंधी संदेशों के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु 01 सितम्बर से 30 सितम्बर 2024 तक पोषण माह का आयोजन किया जा रहा है, ताकि एक जन आंदोलन के रूप में सुपोषण की यात्रा में समुदाय के विभिन्न घटक सहभागी हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि पोषण माह के दौरान इस वर्ष एनीमिया वृद्धि निगरानी, पूरक पोषण आहार, पोषण भी पढ़ाई भी, गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदाय हेतु तकनीक का प्रयोग और समग्र पोषण पर ध्यान केंदित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश के जनप्रतिनिधि, पंचायती राज संस्था की प्रतिनिधि, महिला स्व-सहायता समूहों, प्रबुद्ध वर्ग, विद्यार्थी वर्ग, सर्वाजनिक एवं निजी क्षेत्रों के निकायों के प्रतिनिधियों एवं समस्त जनसमुदाय से आह्वान किया है कि पोषण माह की गतिविधियों में पूरे उत्सह और ऊर्जा के साथ सहभागी बने। छतीसगढ़ को कुपोषण एवं एनीमिया मुक्त करने का संकल्प लेते हुए स्वयं भी सही पोषण व्यवहार को अपनाये और अन्य लोगों को भी प्रेरित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी के सम्मिलित प्रयासों से मजबूत छत्तीसगढ़ की नींव रखी जायेगी, हमारे प्रदेश का भविष्य संवरेगा और सुपोषित होगा।

नवाचार के साथ ही गुणवत्तापूर्ण कार्य करें अधिकारी: उप मुख्यमंत्री शर्मा

जिले के अंतिम ग्राम पंचायत तक पहुंचे वाई-फाई की सुविधा: विस अध्यक्ष सिंह

रायपुर। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की उपस्थिति में उप मुख्यमंत्री एवं राजनांदगांव जिले के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा की अध्यक्षता में आज राजनांदगांव जिला कलेक्टोरेट सभाकक्ष में विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान सांसद श्री संतोष पाण्डेय उपस्थित थे।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने जिले के विकास से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए कहा कि जिले के अंतिम ग्राम पंचायत तक वाई-फाई की सुविधा पहुंची चाहिए। वाई-फाई की सुविधा होने से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से कभी भी सरपंच एवं सचिव से बात हो सकेगी। इसके लिए जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में वाई-फाई की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डॉ. सिंह ने कहा कि जिले में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्या नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अमृत मिशन योजना तथा पंप लगने के बाद टैंक तक पानी पहुंचाने के लिए कहा। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में लो-वोल्टेज की समस्या को देखते हुए ट्रांसफार्मर की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुनरूद्धार वितरण क्षेत्र योजना के अंतर्गत मद में प्राप्त राशि लैप्स हो जाने के कारण विकास कार्य बाधित होने पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि समय पर कार्य नहीं करने वाले कंपनी, कान्ट्रेक्टर को कैसिंल करें या ब्लैक लिस्ट करें।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने कहा कि गौठानों में चल रहे रीपा एवं चारागाह का बेहतर उपयोग करते हुए यह तय करें कि गौठान का और अच्छा उपयोग कैसे किया जा सकता है। ग्राम सभा में गौठान के संबंध में निर्णय लेते हुए कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन योजना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की ग्रामीण क्षेत्रों के लिए महत्वाकांक्षी योजना है और इसका क्रियान्वयन अच्छी तरह से गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए। जल जीवन के मिशन अंतर्गत निर्माणाधीन कार्यों को शीघ्र ही पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व के प्रकरणों का निराकरण शिविर लगाकर करने के निर्देश दिए तथा अविवादित नामांतरण एवं बटवारा के प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण करने के लिए कहा।

उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि अधिकारी नवाचार के साथ ही गुणवत्तापूर्ण कार्य करें। प्रशासन द्वारा शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन जनसामान्य के हितों को ध्यान में रखते हुए संतोषजनक स्थिति के लिए कार्य किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सक्रियता के साथ प्रशासनिक अमले को कार्य करने की आवश्यकता है। शत-प्रतिशत मोबाईल नेटवर्क के माध्यम से जिले में वाई-फाई की व्यवस्था होनी चाहिए। पंचायती राज व्यवस्था में वीडियो कान्फ्रेंसिंग की सुविधा मिलने से प्रत्यक्ष तौर पर जनसामान्य से जुड़ सकेंगे। उन्होंने पुलिस अधीक्षक को अवैध शराब पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लखपति योजना अंतर्गत सीएलएफ कलस्टर की समीक्षा करते हुए इसके लिए कार्य योजना बनाएं ताकि समूह की महिलाओं द्वारा बनाएं गए उत्पाद की अच्छी तरह बिक्री हो सके। उन्होंने लोक निर्माण की समीक्षा के दौरान कार्य शीघ्र करने के निर्देश दिए। शिक्षा विभाग अंतर्गत एजुकेशन हब के तहत प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी, युक्तियुक्तकरण शिक्षकों की पदस्थापना, प्रतिमाह ली जा रही परीक्षा, बच्चों की आवासीय व्यवस्था की जानकारी ली गई।

सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा कि रेवाडीह कांजी हाऊस में गाय की संख्या अधिक है और यहां चारे और पानी की व्यवस्था होनी चाहिए। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कहा कि राजस्व विभाग अंतर्गत नक्शा, बटांकन, संयुक्त बटवारा एवं खाता विभाजन के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। इस दौरान डोंगरगढ़ विधायक दलेश्वर साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता साहू, कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

विधानसभा अध्यक्ष एवं उप मुख्यमंत्री ने राजनांदगांव जिले की लखपति दीदीयों का लखपति प्रमाण पत्र प्रदाय कर किया सम्मानित

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह तथा उप मुख्यमंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री श्री विजय शर्मा ने राजनांदगांव जिला कलेक्टोरेट सभाकक्ष में विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक में राष्ट्रीय आजीविका मिशन बिहान अंतर्गत उत्कृष्ठ कार्य करने वाली जिले की लखपति दीदीयों का लखपति प्रमाण पत्र प्रदाय कर सम्मानित किया। ये महिलाएं, जिन्होंने स्वयं सहायता समूह के माध्यम से छोटे-छोटे व्यापार शुरू करके अपनी और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार किया है, उन्हें प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। राजनांदगांव जिले के ग्राम पंचायत टेड़ेसरा में सीआरजीबी बैंक में कार्यरत बैंक मित्र श्रीमती कीर्ति यादव द्वारा महज 15 दिन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा छोटे-छोटे व्यापार की शुरूआत की योजना प्रधानमंत्री मुद्रा स्वयं सिद्धा योजना के तहत जरूरतमंद 54 बिहान समूह सदस्यों को मुद्रा स्वयं सिद्धा ऋण का प्रकरण तैयार कर राशि का वितरण कराया है। जिससे समूह के सदस्य अपने स्वयं के छोटे-छोटे व्यापार प्रारम्भ कर सके साथ ही श्रीमती कीर्ति यादव स्वयं भी समूह से जुड़कर लखपति दीदी बन चुकी हैं, इसी प्रकार ग्राम पार्रीखुर्द की समूह सदस्य श्रीमती दिव्या निषाद एवं ग्राम तोरणकट्टा की श्रीमती चंद्रकला यादव ने बिहान समूह से जुड़कर अपने व अपने परिवार को गरीबी से ऊपर उठाकर आजीविका प्रारम्भ करते हुए अपने व अपने परिवार की वार्षिक आय एक लाख रूपए से अधिक करते हुए लखपति दीदी बन गई है। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष तथा उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री को समूह की सदस्यों द्वारा समूह द्वारा निर्मित सामग्री कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह द्वारा भेंट किया गया।

5 साल बाद जनता ने उखाड़ फेका, ऐसे लोगों को प्रमाणपत्र देने का कोई हक नहीं

भूपेश के आरोपों पर साय का पलटवार, कहा

दुर्ग. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज एक बार फिर कांग्रेस के आरोपों पर पलटवार करते नजर आए. मुख्यमंत्री साय ने दुर्ग के मड़ियापार में आयोजित पोला महोत्सव के दौरान कांग्रेस और पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा सरकार पर लगाए जा रहे आरोपों को लेकर भूपेश बघेल को आड़े हाथों लिया. छत्तीसगढ़ सरकार को फैलियर बताने वाले लोगों को करारा जवाब देते हुए सीएम ने कहा, अब उनको प्रमाण पत्र देने का हक नहीं है.

सीएम साय ने कहा, बड़े उम्मीद से 5 साल तक जनता ने कांग्रेस को सत्ता में बिठाया था और 5 साल में ऐसी दुर्गति हुई कि 5 साल बाद जनता ने ही उन्हें उखाड़ कर फेंक दिया. ऐसे लोगों को हम लोगों को प्रमाण पत्र देने का कोई हक नहीं है. दरअसल पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल लगातार विधायक देवेंद्र यादव की गिरफ्तारी के बाद प्रदर्शनों और पत्रकार वार्ता के माध्यम से राज्य की भाजपा सरकार पर हमला बोल रहे हैं. वहीं कल 3 सितंबर को कांग्रेस प्रदेशभर में बढ़ते महिला सबंधी अपराध को लेकर मौन प्रदर्शन करने जा रही है. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बिलासपुर में टीकाकरण के बाद दो बच्चों की मौत मामले में कहा कि इसकी पूरी जांच होगी. अगर स्वास्थ्य कर्मियों ने किसी प्रकार की कोई गलती या लापरवाही की है तो उन पर सख्त कार्रवाई होगी.

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

ढाबा-होटलों में परोसी जा रही थी शराब, पुलिस ने मारा छापा...

रायपुर । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह के निर्देश और मार्गदर्शन में रायपुर जिले में नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण कीर्तन राठौर, नगर पुलिस अधीक्षक विधानसभा केशरीनंदन नायक, और नगर पुलिस अधीक्षक नवा रायपुर कर्ण कुमार उइके ने किया। उनके पर्यवेक्षण में विभिन्न थाना प्रभारियों की संयुक्त टीम ने अवैध मादक पदार्थों की बिक्री और सेवन को रोकने के लिए कई होटलों और ढाबों पर छापेमारी की। मैनेजर रविशंकर चक्रधारी के कब्जे से 10 बोतल रॉयल स्टैग शराब बरामद की गई। उनके खिलाफ अपराध क्रमांक 488/2024 धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। सोसियल ढाबा, आमासिवनी- संचालक अरविंदर पाल सिंह के पास से 2 बोतल मैकडावल नंबर वन शराब बरामद की गई। उनके खिलाफ अपराध क्रमांक 489/2024 धारा 34(1)(ब) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। यूटर्न होटल- संचालक शक्ति पांडे को लोगों को शराब पिलाते पाए जाने पर उनके खिलाफ अपराध क्रमांक 490/2024 धारा 36(सी) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। पाजी द पिंड ढाबा, ग्राम सेरीखेडी- संचालक अंकित जायसवाल को शराब पिलाते पाए जाने पर अपराध क्रमांक 601/2024 धारा 36(सी) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

मृतक संतोष पटेल के घर पहुंचा कांग्रेस का जांच दल

धरसींवा। धरसींवा से भाजपा कार्यकर्ता संतोष पटेल की आत्महत्या के मामले में कांग्रेस की 6 सदस्यीय जांच समिति ने मृतक के घर का दौरा किया। इस समिति के संयोजक खल्लारी विधायक द्वारिकाधीश यादव, कसडोल विधायक संदीप साहू, भाटापारा विधायक इंद्र साव, पूर्व राज्यसभा सांसद छाया वर्मा और पूर्व विधायक अनिता शर्मा ने मृतक के परिजनों से मुलाकात की। विधायक द्वारिकाधीश यादव ने कहा कि यदि विधान सभा टीआई ने घर में घुसकर मारपीट करने वाले शराब कोचियों पर समय रहते कार्रवाई की होती, तो यह दुखद घटना नहीं होती। उन्होंने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए मृतक के परिजनों के लिए 50 लाख रुपये का मुआवजा और दोषी पुलिस अधिकारी पर गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की। मृतक संतोष पटेल के परिजनों ने बताया कि 5 लोगों ने उनके घर में घुसकर मारपीट की थी। संतोष पटेल स्कूल बस चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे और उनके दो बच्चे हैं, जो अब इस दुखद घटना के बाद बेसहारा हो गए हैं।

डॉक्टरों के निजी प्रैक्टिस पर रोक के आदेश का नहीं हो रहा कड़ाई से पालन

रायपुर। प्रदेश में सरकारी चिकित्सकों के निजी अस्पतालों में प्रैक्टिस करने पर रोक है। कार्यावधि में निजी प्रैक्टिस करने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। स्वास्थ्य विभाग ने इस संबंध में आदेश भी जारी किया है, लेकिन कड़ाई से पालन नही हो रहा है। प्रदेश के शासकीय अस्पतालों में पदस्थ कई डाक्टर ऐसे हैं, जो अपने दोस्त या रिश्तेदारों के क्लीनिक जाकर प्रैक्टिस कर रहे हैं। इनमें से कुछ ने न तो शपथ पत्र दिया है और न ही निजी प्रैक्टिस की अनुमति ली है। कुछ डाक्टरों के तो खुद के बड़े अस्पताल हैं। राजधानी के ही बड़े निजी अस्पतालों में लगे बोर्ड पर सरकारी डाक्टरों के नाम सहज ही देखे जा सकते हैं। स्वास्थ्य विभाग के विशेष सचिव चंदन कुमार ने प्रदेश के सभी मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारियों को आदेश जारी कर निजी प्रैक्टिस पर प्रतिबंध के संबंध में कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए थे। विशेष सचिव ने आदेश में कहा था कि लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के चिकित्सकों को निजी प्रैक्टिस करने की छूट रहेगी, परंतु निजी प्रैक्टिस केवल कर्तव्य की अवधि के बाहर की जा सकेगी।

निजात अभियान से जुड़े बॉलीवुड कलाकार

रायपुर। रायपुर पुलिस के ड्रग, नारकोटिक्स व अवैध नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे निजात अभियान के समर्थन में बालीवुड, टीवी के प्रसिद्ध गायक, कलाकारों आदि ने वीडियो संदेश में लोगों से नशे से दूर रहने की अपील की है। अपील करने वालों में फिल्म अभिनेता आशुतोष राणा, आदित्य पंचोली, अदा शर्मा, प्रभु देवा, अरबाज खान, राजपाल यादव, पीयूष मिश्रा, वीरेंद्र सक्सेना, सुनील ग्रोवर, भगवान तिवारी, शाहवर अली, यश अजय सिंह, परितोष त्रिपाठी, मनमोहन तिवारी, मुश्ताक खान, आसिफ खान, गायक कैलाश खेर, हंसराज रघुवंशी, कविता कृष्णमूर्ति शामिल है छत्तीसगढ़ के वर्तमान में विधायक व अभिनेता अनुज शर्मा,प्रमुख गायक, कलाकार प्रकाश अवस्थी, राकेश शर्मा, मोना सेन, लोक गायिका ममता चंद्राकर, तीजन बाई, दिलीप षडंगी, सुनील तिवारी, अंचल शर्मा, जाकिर हुसैन, गोपाल सिंह, योगेश अग्रवाल सहित अन्य ने इस अभियान से जुडक़र पुलिस की सहायता करने की अपील की है। यह अपील लोगों विशेषकर युवाओं को प्रभावित कर रही हैं। अन्य सेलिब्रिटी भी इससे जुड़ रहे हैं। माह फरवरी से शुरू किए गए नशे के विरुद्ध जनजागरुकता के तहत स्कूल-कालेज, शहर व गांव में सार्वजनिक जगहों पर जनसहभागिता के साथ कुल 1402 कार्यक्रम किए गए है। निजात नाम से जारी रैप सांग और रंग रंग के नशा गीत युवाओं के बीच पापुलर हो रहा है।

रायपुर में फिर हुई चाकूबाजी, हमले में घायल युवक की हालत गंभीर

रायपुर। राजधानी रायपुर में चाकूबाजी की घटना थमने का नाम नहीं ले रही है। ताजा घटना टिकरापारा थाना क्षेत्र के मठपुरैना इलाके में सामने आई, जहां एक नाबालिग ने आशु यादव नामक युवक पर चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रायपुर के मठपुरैना क्षेत्र में रविवार को एक नाबालिग द्वारा चाकूबाजी की घटना को अंजाम दिया गया। आरोपी ने आशु यादव पर चाकू से हमला किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है। हमले के बाद नाबालिग आरोपी मौके से फरार हो गया है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने फरार आरोपी के बारे में जानकारी जुटाने के लिए कई स्थानों पर छापेमारी की है और सुरागों की तलाश कर रही है। टिकरापारा थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और स्थानीय लोगों से घटना के संबंध में पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

विद्यार्थियों को जर्जर स्कूल भवन से मिलेगी मुक्ति, विद्यार्थी एवं शिक्षक खुश

डीएमएफ से 60 से अधिक नए स्कूल भवन और 10 पीएचसी के बाउण्ड्री वॉल निर्माण की मिली स्वीकृति

रायपुर। कोरबा जिले के लिए जिला खनिज संस्थान न्यास मद से प्राप्त राशि वरदान साबित होने लगी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा डीएमएफ से जिले में लगातार स्वास्थ्य सुविधा, शिक्षा व्यवस्था एवं जनहित संबंधित आवश्यक कार्य को कराने पहल की जा रही है। इसी कड़ी में कलेक्टर श्री अजीत वसंत द्वारा जिले के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों तथा आसपास मौजूद जर्जर स्कूल भवनों का चिन्हांकन कर नए भवनों के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है।

डीएमएफ से कुल 60 से अधिक नए स्कूल भवन निर्माण, अतिरिक्त कक्ष, जीर्णोद्धार कार्य हेतु प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके अलावा उन्होंने 10 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में सुरक्षा के दृष्टिकोण से वहां की आवश्यकताओं को देखते हुए बाउण्ड्री वॉल निर्माण की स्वीकृति भी प्रदान की है। इससे पूर्व बीते माह फरवरी में ही 88 नवीन स्कूल भवन की स्वीकृति प्रदान की थी। दूरस्थ क्षेत्रों सहित आसपास के जर्जर स्कूल भवनों के स्थान पर नए भवन बनने से स्कूल में पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों सहित शिक्षकों की समस्याएं दूर होंगी। इन स्वीकृति में ज्यादातर प्राथमिक स्कूल नवीन भवन (पुराने भवन का विनिष्टिकरण भी) शामिल है। कुछ स्थानों पर माध्यमिक शाला हेतु भवन,अतिरिक्त कक्ष एवं प्रयोगशाला कक्ष तथा जीर्णोद्धार की स्वीकृति प्रदान की गई है। जिला प्रशासन द्वारा जर्जर हो चुके स्कूल भवनों के लिए नए भवन स्वीकृत किए जाने पर स्कूल के विद्यार्थियों सहित संबंधित शिक्षकों में खुशी है।

करतला विकासखण्ड के अंतर्गत आने वाले दूरस्थ ग्राम बैगापारा-घिनारा का प्राथमिक शाला भवन भी है। 38 साल पुराने शीट युक्त छत वाले भवन में प्राथमिक शाला का संचालन किया जा रहा है।

सांसद बृजमोहन ने किया 9.34 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन

रायपुर। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने रविवार को चंद्रशेखर आजाद वार्ड और डॉ. श्याम प्रसाद मुखर्जी वार्ड में 9.34 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। बृजमोहन अग्रवाल ने चंद्रशेखर आजाद वार्ड मठपुरैना में 88 लाख रुपए की लागत के विभिन्न कार्यों का भूमिपूजन किया। जिसमे गोकुल नगर गली में मनोज वर्मा के घर से अनिल यदु के घर तक सीसी रोड एवं नाली निर्माण, गोकुल नगर में सिन्हा के घर से मशा देवांगन के घर तक सी सी रोड नाली निर्माण, उज्जवल के घर से पशु चिकित्सालय तक सीसी रोड नाली निर्माण कार्य, नगर

आंगनबाड़ी से दुर्गा रंगमंच तक सीसी रोड एवं नाली निर्माण, शिव मंदिर गली से रानी सोनी के घर होते हुए आगनवाड़ी तक सीसी रोड नाली निर्माण, ब्रिज नगर आंगनवाड़ी के पास मंदिर जीर्णोद्धार कार्य, गुरुकुल बिहार मंदिर जीर्णोद्धार कार्य किया जायेगा। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने 6.5 करोड़ रुपए की लागत के रावतपुरा और काठाडीह स्थित बीएसयूपी कॉलोनी के आवश्यक मरम्मत कार्य, नाली निर्माण, जलप्रदाय व्यवस्था, रंगाई पुताई, ग्रील इत्यादि कार्यों का भूमि पूजन किया। इसके साथ ही रावतपुरा बीएसयूपी कॉलोनी में मंगल भवन और गार्डन निर्माण का भी भूमि पूजन किया।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.